आज का मौसम
23.0⁰ अधिकतम तापमान
11.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.56
सूर्यास्त 05.18

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

# अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष दशमी, 06:50 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 14 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 20, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले- नक्सलवाद से किसी को फायदा नहीं होता - 11

■ शुल्क वृद्धि पर मेक्सिको के संपर्क में भारत, विशेष रियायतों की मांग की थी- 12

■ अमेरिकी सांसदों ने कहा कि भारत पर लागू 50 प्रतिशत शुल्क समाप्त करें ट्रंप - 13

■ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी-20 में गिल की बल्लेबाजी पर होंगी नजरें - 14

## जोश-साहस-उमंग

देहरादून में शनिवार को भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में 157वीं पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। जिसमें भारतीय सेना के अभिन्न अंग बने 525 अधिकारियों ने हिस्सा लिया। समारोह में नव नियुक्त अधिकारियों में जोश, साहस और उमंग नजर आया। ● अमृत विचार

**सुप्रीम कोर्ट ने बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामले के आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार कर की टिप्पणी**

# ऐसे लड़कों को सबक जरूरी...कुछ समय जेल में रहने दो

● मुंबई में बीएमडब्ल्यू से महिला को डेढ़ किमी तक घसीटने का मामला

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने 2024 में मुंबई में बीएमडब्ल्यू कार से टक्कर मारकर फरार होने के मामले में शिवसेना के पूर्व नेता के बेटे मिहिर शाह की जमानत याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया और कहा कि इन लड़कों को सबक सिखाने की जरूरत है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने इस बात पर गौर किया कि आरोपी एक अमीर परिवार से ताल्लुक रखता है और उसके पिता राजेश शाह उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना के गुट से जुड़े रहे हैं।

पीठ ने शुक्रवार को जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए कहा, उसने अपनी मर्सिडीज कार खड़ी की, बीएमडब्ल्यू कार निकाली, टक्कर मारी और फरार हो गया। उसे कुछ समय अंदर (जेल के) रहने दें। इन लड़कों को सबक सिखाने की जरूरत है। शाह की ओर से पेश वरिष्ठ वकील रेबेका जॉन ने कहा कि उच्च न्यायालय ने उन्हें मामले में मुख्य गवाहों के बयान दर्ज होने के बाद जमानत याचिका दायर करने की अनुमति दी थी। हालांकि, न्यायालय का रुख भांपते हुए उन्होंने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसके बाद उन्हें अनुमति दे दी गई। शाह (24) ने पिछले साल सात जुलाई को मुंबई के वर्ली इलाके में अपनी बीएमडब्ल्यू कार से एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी थी, जिसकी वजह से कावेरी नखवा (45) की मौत हो गई थी और उनके पति प्रदीप नखवा घायल हो गए थे। शाह को दो दिन बाद नौ जुलाई को गिरफ्तार कर लिया गया था।

### हाईकोर्ट ने कहा था- हादसे के समय आरोपी नशे में था

शाह ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 21 नवंबर के जमानत देने से इनकार करने वाले आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने माना था कि हादसे के समय शाह बहुत ज्यादा नशे में था। उसने स्कूटर को टक्कर मारने के बाद भी कार नहीं रोकी और पीड़ित को अपनी गाड़ी के नीचे घसीटता हुआ ले गया। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि घटना के समय और उसके बाद आरोपी का व्यवहार ऐसा नहीं है, जिससे उसे जमानत देने का भरोसा किया जा सके। टक्कर भले ही गलती से हुई हो लेकिन इसके बाद आरोपी तेज रफ्तार में भाग गया। आरोपी की आगे की हरकतें साफ दिखाती हैं कि वह गिरफ्तारी और कानूनी नतीजों से बचना चाहता था। ड्राइवर के साथ सीट बदलना, अपने पिता को फोन करना, सबूतों से छेड़छाड़ करने या गवाहों को प्रभावित करने की मंशा को दर्शाता है।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, मजदूरों का भविष्य और नए श्रम कानून व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। –संपादक

## ब्रीफ न्यूज

### आतंकी संगठनों के 200 से अधिक मददगार हिरासत में

**श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शनिवार को घाटी में चलाए गए एक व्यापक अभियान के तहत आतंकी संगठनों के लगभग 200 संदिग्ध मददगारों को हिरासत में लिया। पुलिस ने अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर श्रीनगर शहर सहित कश्मीर घाटी के कई इलाकों में आतंकियों के मददगारों के खिलाफ अभियान चलाया और कई स्थानों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान आतंकियों के लगभग 200 संदिग्ध मददगारों को हिरासत में लिया गया। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, ये मददगार आतंकवादियों को नकदी, आश्रय और अन्य बुनियादी ढांचा जैसी सहायता प्रदान करते थे।

# पंकज यूपी भाजपा के नए चौधरी

## सीएम समेत दोनों उप मुख्यमंत्री भी बने प्रस्तावक, आज समारोह में सौंपी जाएगी कमान

● पीडीए की काट में गैर-यादव पिछड़ा वर्ग को संदेश, कुर्मी समाज में मजबूत पकड़
7 बार सांसद, केंद्रीय मंत्री का अनुभव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचारः** यूपी भाजपा को नया अध्यक्ष मिल गया है। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी की ताजपोशी तय हो गई है। शनिवार को उन्होंने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में अध्यक्ष पद के लिए चार सेट में नामांकन दाखिल किया। उनके खिलाफ किसी अन्य नेता ने नामांकन नहीं किया, जिससे उनका निर्विरोध निर्वाचन सुनिश्चित हो गया। औपचारिक घोषणा रविवार को डॉ. राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय विवि विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में केंद्रीय चुनाव अधिकारी और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल द्वारा की जाएगी। वह शनिवार रात लखनऊ पहुंच गए हैं।

नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री योगी स्वयं पंकज चौधरी के प्रस्तावक बने। खास बात यह रही कि दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी प्रस्तावकों में शामिल रहे। इससे साफ संदेश गया कि संगठन और सरकार, दोनों स्तर पर पंकज चौधरी को पूर्ण समर्थन हासिल है। मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ महेंद्र नाथ पांडेय के अनुसार शनिवार तय समय में अध्यक्ष पद के लिए पंकज चौधरी का केवल एक नामांकन पत्र दाखिल हुआ। चार सेट में दाखिल नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी की समय सीमा पूरी हो गई, जिसके बाद निर्विरोध निर्वाचन की स्थिति साफ हो गई। उन्होंने बताया कि 80 सीटों पर राष्ट्रीय सदस्य पद के लिए भी नामांकन हुए हैं। कहीं चुनाव की नौबत नहीं आई है। सभी के चयन की घोषणाएं रविवार को होगी। महाराजगंज लोकसभा सीट से सात बार सांसद रहे पंकज चौधरी ने पार्षद के रूप में राजनीति की शुरुआत की थी। संगठन और चुनावी राजनीति में उनकी रणनीतिक समझ को लेकर उन्हें 'पूर्वांचल का चाणक्य' भी कहा जाता है। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि पंकज चौधरी के नेतृत्व में संगठन को नई धार मिलेगी और वर्ष 2026 के पंचायत चुनावों से लेकर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव तक पार्टी को मजबूती मिलेगी।

**लखनऊ:** भाजपा राज्य मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष के लिए नामांकन दाखिल करते पंकज चौधरी (**सबसे दाएं**)। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी और दोनों उप मुख्यमंत्री भी उपस्थित रहे।

### अनुशासन व समर्पण से निभाएंगे जिम्मेदारी : पंकज

पंकज चौधरी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव संगठनात्मक लोकतंत्र की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व, प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के प्रति आभार जताते हुए कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे वह पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ निभाएंगे।

### भाजपा के चौथे प्रदेश अध्यक्ष जो कुर्मी समाज से

पंकज चौधरी उत्तर प्रदेश भाजपा के ऐसे चौथे प्रदेश अध्यक्ष होंगे, जो कुर्मी समाज से आते हैं। इससे पहले विनय कटियार, ओम प्रकाश सिंह और स्वतंत्र देव सिंह इस समुदाय से अध्यक्ष रह चुके हैं। प्रस्तावकों की सूची भी स्मृति ईरानी, स्वतंत्र देव सिंह, सूर्य प्रताप शाही, एके शर्मा, दारा सिंह चौहान, कमलेश पासवान और असीम अरुण शामिल हैं। माना जा रहा है कि यह चयन समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा–दलित–अल्पसंख्यक) समीकरण की काट के रूप में गैर–यादव पिछड़ा वर्ग को मजबूत संदेश देता है।

### राष्ट्रीय परिषद सदस्य के लिए भी निर्विरोध चुनाव

शनिवार को राष्ट्रीय परिषद के 80 सदस्यों के लिए भी नामांकन हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा स्मृति ईरानी, दारा सिंह चौहान, साध्वी निरंजन ज्योति, अजय मिश्रा टेनी समेत सभी प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए। ये सभी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में मतदाता होंगे। केंद्रीय पर्यवेक्षक विनोद तावड़े की मौजूदगी और केंद्रीय नेतृत्व की सक्रियता से स्पष्ट है कि प्रदेश संगठन को नया अध्यक्ष सर्वसम्मति और पूरी केंद्रीय मोहर के साथ मिला है।

# कोलकाता में मेसी के कार्यक्रम में तोड़फोड़, आयोजक हिरासत में

कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में तोड़फोड़ करते दर्शक। ● एजेंसी

● मुख्यमंत्री ने माफी मांग दिए जांच के आदेश
फुटबॉल खिलाड़ी मेसी पहुंचे थे एक इवेंट में
आयोजकों को वापस करने होंगे टिकट के पैसे

कोलकाता, एजेंसी

महान फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी के कार्यक्रम के दौरान शनिवार को यहां साल्ट लेक स्टेडियम में मची अफरा-तफरी कानून-व्यवस्था के बड़े मामले में तब्दील हो गई, जिसमें पुलिस ने कुप्रबंधन के आरोप में मुख्य आयोजक सताद्रु दत्ता को हिरासत में ले लिया, वहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए और फुटबॉल के इस दिग्गज खिलाड़ी को देखने से वंचित रह गए प्रशंसकों से माफी मांगी।

मेसी का विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन का बहुप्रचारित दौरा 2011 के बाद इस मैदान पर उनकी यह पहली उपस्थिति थी लेकिन यह एक अव्यवस्थित घटना बन गई। प्रशंसकों की भीड़ द्वारा सुरक्षा घेरा तोड़ने, तोड़-फोड़ और पुलिस के हस्तक्षेप से यह आयोजन फीका पड़ गया। इस कार्यक्रम को फुटबॉल के महानतम वैश्विक सितारों में से एक के उत्सव के रूप में प्रचारित किया गया था। मेसी तीन दिनों के भारत दौरे पर है जिसकी शुरुआत कोलकाता से हुई। घटना के बाद राज्य पुलिस के डीजी ने कहा कि सरकार ने जांच के लिए एक कमेटी बनाई है। जो टिकट बिके थे, आयोजकों को वापस करने होंगे।

### 50,000 दर्शक थे मैदान में

विश्व कप विजेता कप्तान मेसी अपने लंबे समय के साथी लुई सुआरेज और अर्जेंटीना के टीम के साथी रोड्रिगो डी पॉल के साथ सुबह करीब 11.30 बजे स्टेडियम पहुंचे। यहां 50,000 दर्शक मौजूद थे। वह आयोजकों, मशहूर हस्तियों और सुरक्षा कर्मियों की भीड़ में घिर गए, जिससे गैलरी में बैठे सामान्य दर्शक एक झलक देखने के लिए तरसते रह गए। कई ने शिकायत की कि वह विशाल स्क्रीनों पर भी साफ दिखाई नहीं दे रहे थे।

# वोट चोरी मामले में भाजपा के पूर्व विधायक समेत सात पर आरोप पत्र दायर

● आलंद विस सीट पर चुनाव में हुई गड़बड़ी में एसआईटी ने 22000 पन्नों की चार्जशीट तैयार की

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक में 2023 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान आलंद निर्वाचन क्षेत्र में वोट चोरी की जांच कर रही एसआईटी ने सात लोगों को नामजद करते हुए आरोप पत्र दायर किया है, जिनमें भाजपा के एक पूर्व विधायक, उनका बेटा और करीबी सहयोगी शामिल हैं। एसआईटी ने बेंगलुरु में प्रथम अतिरिक्त मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट के समक्ष यह आरोप पत्र दायर किया। आरोप पत्र कथित रूप से 5,994 मतदाताओं के नाम हटाने के प्रयासों से संबंधित है।

सीआईडी के सूत्रों के अनुसार, 22 हजार से अधिक पन्नों के आरोप पत्र में मतदाताओं के नाम हटाने के लिए कथित तौर पर अपनाई गई कार्यप्रणाली का विस्तृत विवरण दिया गया है। आरोप पत्र में आलंद से चार बार विधायक रहे सुभाष गुट्टेदार, उनके बेटे हर्षानंद गुट्टेदार, निजी सचिव टिप्पेरुद्रा, कलबुर्गी में स्थित डेटा सेंटर के तीन ऑपरेटर अकरम पाशा, मुकर्रम पाशा और मोहम्मद अश्फाक तथा पश्चिम बंगाल के बापी आद्या नामक व्यक्तियों के नाम शामिल हैं। इस मामले में बापी आद्या को गिरफ्तार किया गया था। उस पर अमेरिका के एक प्लेटफॉर्म से जुड़ी वेबसाइट ओटीपी बाजार संचालित करने का आरोप है, जो ओटीपी बाईपास सुविधा प्रदान करती थी। बाद में आद्या को जमानत पर रिहा कर दिया गया।

### पूर्व विधायक का बेटा बोला- उनके पिता व उन्हें फंसाया जा रहा

शनिवार को हर्षानंद ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें और उनके पिता को झूठे मामले में फंसाया गया है। इस बीच, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बेंगलुरु में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि ब है। उन्होंने बताया कि रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में वोट चोरी के खिलाफ बड़ी रैली का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हजारों लोग हिस्सा लेंगे।

# मां के पास सो रही बच्ची को ले गया भेड़िया

● बहराइच के गोड़हिया मजरे जरूआ की घटना
● 13 घंटे बाद ही शूटरों ने भेड़िया को मार गिराया

**बहराइच।** क्षेत्र में भेड़ियों के आतंक ने जनजीवन प्रभावित सा कर दिया है। एक घटना से निजात मिलती नहीं कि दूसरी आतंकित कर दे रही है। नया मामला स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोड़हिया नंबर चार के मजरे जरूवा का है।

जहां शनिवार को तड़के घर के बरामदे में मां के बगल में सो रही एक साल की बच्ची को भेड़िया उठा ले गया। बच्ची के चीखने पर मां की नींद खुल गई और उसने शोर मचाया। इस पर लाठी-डंडे लेकर परिजन और ग्रामीणों ने उसका पीछा किया। भेड़िया गन्ने के खेत में छिप गया। तभी वन विभाग के शूटरों ने घटना के करीब 13 घंटे बाद भेड़िया को मार गिराया। बच्ची की तलाश के दौरान घटनास्थल से करीब डेढ़ किमी दूर गन्ने के खेत के किनारे मानव शरीर के अवशेष मिले। पुलिस व कैसरगंज रेंजर भी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए थे।

बच्ची की फाइल फोटो

# ईरान ने नोबेल विजेता को किया गिरफ्तार

**दुबई।** ईरान ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को गिरफ्तार कर लिया है। उनके समर्थकों ने यह जानकारी दी है। मोहम्मदी के नाम पर स्थापित एक संस्था ने कहा कि उन्हें राजधानी तेहरान से लगभग 680 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित मशहद में उस समय हिरासत में लिया गया था जब वह एक मानवाधिकार वकील की शोकसभा में भाग लेने गई थीं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि अधिकारी मोहम्मदी को तुरंत जेल वापस भेजेंगे या नहीं, जहां वह सजा काट रही थीं।

# नोएडा-ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस-वे पर स्पीड लिमिट 75 किमी प्रति घंटा निर्धारित

● 15 दिसंबर से 15 फरवरी 2026 तक के लिए बदलेंगे गए नियम
● कोहरे के कारण वाहनों की रफ्तार पर लगेगी लगाम

**नोएडा।** गौतम बुद्ध नगर जिले की यातायात पुलिस ने सर्दी में कोहरे के दौरान होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से प्रमुख सड़कों और एक्सप्रेस-वे पर गति सीमा कम करने के संबंध में शनिवार को यातायात संबंधी परामर्श जारी किया।

परामर्श के अनुसार, संशोधित गति सीमा 15 दिसंबर 2025 से 15 फरवरी 2026 तक लागू रहेगी। यमुना एक्सप्रेस-वे पर हल्के वाहनों के लिए अधिकतम गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा और भारी वाहनों के लिए 60 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर हल्के मोटर वाहनों को अधिकतम 75 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने की अनुमति होगी, जबकि भारी मोटर वाहनों के लिए गति सीमा घटाकर 50 किलोमीटर प्रति घंटे कर दी गई है। अधिकारियों के अनुसार इन दो महत्वपूर्ण एक्सप्रेस-वे पर हल्के वाहनों के लिए अधिकतम गति सीमा 100 किलोमीटर प्रति घंटा और भारी वाहनों के लिए 80 किमी प्रति घंटा है।

**खतरनाक** | शाम 7 बजे दिल्ली में 448 तक पहुंचा एक्यूआई, सीएक्यूएम ने निर्माण और ध्वस्तीकरण गतिविधियों पर लगाया प्रतिबंध

# विकराल हुआ दिल्ली–एनसीआर में प्रदूषण, ग्रैप–4 लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली, एनसीआर में प्रदूषण के स्तर में तेजी से वृद्धि होने के बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने शनिवार को सभी निर्माण और ध्वस्तीकरण गतिविधियों पर प्रतिबंध सहित सबसे सख्त ग्रैप के चौथे चरण को लागू कर दिया है।

सुबह के वक्त तीसरे चरण को लागू किया गया था, लेकिन शाम 6.30 बजे स्थिति विकराल होने पर आईएमडी और आईआईटीएम द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमानों की समीक्षा करने के लिए एक आपातकालीन बैठक आयोजित की। इसमें पाया गया कि दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई), जो सुबह 10 बजे 'गंभीर' श्रेणी में 401 था, बहुत कम हवा की गति, स्थिर वातावरण और प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण लगातार बढ़ता रहा। समिति ने बताया कि एक्यूआई शाम 4 बजे 431, शाम 5 बजे 436, शाम 6 बजे 441 और शाम 7 बजे 448 तक पहुंच गया। इसमें कहा गया है कि ये स्थितियां, साथ ही रात के दौरान शांत हवा और धुंध या कोहरा छाए रहने की संभावना है, जिससे क्षेत्र में प्रदूषक की सांद्रता बढ़ जाएगी। इसलिए ग्रैप के चौथे चरण में दिल्ली-एनसीआर में सबसे सख्त प्रतिबंध लागू किए गए हैं।

### बाराखंभा रोड पर एक्यूआई-506 पहुंचा, ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध

राजधानी में चारों तरफ बुरी तरह से धुंध की चादर छाई हुई है और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का स्तर खतरनाक तरीके से बढ़ता जा रहा है। शनिवार शाम को आनंद विहार क्षेत्र के आसपास एक्यूआई 488 पहुंच गया, वहीं बाराखंबा रोड पर 506 दर्ज किया गया। इस चरण के तहत, आवश्यक वस्तुओं या आवश्यक सेवाओं को ले जाने वाले ट्रकों को छोड़कर, दिल्ली में ट्रकों का प्रवेश प्रतिबंधित होंगी। दिल्ली में पंजीकृत डीजल भारी मालवाहक वाहनों (बीएस–4 और उससे नीचे) के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। दिल्ली और सबसे अधिक प्रभावित एनसीआर जिलों में प्राथमिक कक्षाओं के छात्रों के साथ–साथ उच्च कक्षाओं के छात्रों के लिए भी स्कूलों को 'हाइब्रिड' मोड (ऑनलाइन और भौतिक) में कक्षाएं संचालित करने होंगे।

**चारे के बजट में हेराफेरी पर होगी एफआईआर : लखनऊ।** प्रदेश में गोवंश चारे के बजट में हेराफेरी करने और टेंडर में पारदर्शिता का पालन न करने का संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार ने जिम्मेदार अफसरों, कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की हिदायत दी है।


**न्यायालय श्रीमान् अपर जिलाधिकारी महोदय बदायूं**

वाद सं.- 320 सन् 2025

नियत तिथि- 23.12.2025

वाद अन्तर्गत धारा 30 राजस्व संहिता 2006 ग्राम शरह बरौलिया, परगना बिसौली, तहसील बिल्सी जिला बदायूं

1. हरवीर सिंह 2. प्रवेन्द्र कुमार 3. दिपेन्द्र सिंह पुत्रगण तेजेन्द्र पाल सिंह निवासीगण ग्राम शरह बरौलिया परगना बिसौली, तहसील बिल्सी जिला बदायूं ..........वादीगण

बनाम

1. गांव सभा शरह बरौलिया, परगना बिसौली, तहसील बिल्सी, जिला बदायूं 2. सरकार उ.प्र. द्वारा श्रीमान् जिलाधिकारी महोदय, बरेली 3. राजू पुत्र श्री बहोरी लाल 4. श्रीमती रामश्री पत्नी स्व. बहोरीलाल 5. श्रीमती विमलेश पत्नी कुंवरपाल 6. मदनलाल पुत्र श्री मोहन 7. रामकुमार पुत्र श्री खेतल 8. लाल सिंह पुत्र श्री भूपाल 9. नन्हींदेवी पत्नी श्रीराम 10. राजपाल पुत्र श्री बहोरी 11. श्रीमती श्यामवती पत्नी बहोरी 12. कुलदेव पुत्र लाजन सिंह 13. प्राजलसिंह पुत्र श्री कुलदीप 14. श्रीमती उर्मिला देवी पत्नी श्री कुलदीप 15. सुरेन्द्रपाल सिंह पुत्र श्री सियाराम 16. बाबू सिंह पुत्र सियाराम 17. नरेन्द्र पाल सिंह पुत्र श्री विद्यारतन 18. ब्रजपाल सिंह पुत्र श्री विद्यारतन 19. रनवीर सिंह पुत्र श्री महावीर 20. मृगेन्द्रपाल सिंह पुत्र श्री महावीर 21. श्रीमती शान्ती देवी पत्नी श्री महावीर 22. सन्जू सिंह पुत्र श्री चेतेन्द्र पाल सिंह 23. रामकिशोर पुत्र श्री चेतेन्द्र पाल सिंह 24. दुगैथ सिंह पुत्र श्री चेतेन्द्र पाल सिंह 25. श्रीमती राजवती पत्नी श्री चेतेन्द्र पाल सिंह 26. काली चरन पुत्र श्री रामसेवक निवासीगणः- ग्राम शरह बरौलिया परगना बिसौली तहसील- बिल्सी जिला बदायूं


# संगठन के भीतर संतुलन साधने वाले नेता के रूप में उभरे पंकज

## पार्षद से प्रदेश अध्यक्ष तक, आम कार्यकर्ता को शिखर छूने का अहसास

## वर्ष 1989 में गोरखपुर नगर निगम से पार्षद के रूप में शुरू हुआ था सफर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचारः** नगर निगम के पार्षद से लेकर केंद्र सरकार में मंत्री और अब उत्तर प्रदेश भाजपा की कमान तक पहुंचने वाले पंकज चौधरी की ताजपोशी ने संगठन के आम कार्यकर्ता में नई ऊर्जा भर दी है। ऐसे समय में, जब भाजपा पंचायत चुनाव 2026 और विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों में जुटी है, संगठन ने उस चेहरे पर भरोसा जताया है, जिसने जमीन से जुड़कर राजनीति सीखी और हर पड़ाव पर संगठन के प्रति निष्ठा निभाई।

दिल्ली में चली लंबी मैराथन बैठकों के बाद उनके नाम पर मुहर लगी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रस्तावक बनना इस बात का संकेत है कि भाजपा संगठन पूरी एकजुटता के साथ आगे बढ़ रहा है। पंकज चौधरी की राजनीतिक यात्रा भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा की कहानी है। वर्ष 1989 में गोरखपुर नगर निगम से पार्षद के रूप में शुरू हुआ, उनका सफर उसी वर्ष नवगठित महराजगंज जिले तक पहुंच गया। तभी से महराजगंज उनकी राजनीति का केंद्र बन गया। वर्ष 1991 में उन्होंने 10वीं लोकसभा में पहली बार प्रवेश किया और 1996 व 1998 में लगातार जीत दर्ज कराई। 1999 और 2009 में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन पंकज चौधरी का संगठन से जुड़ाव कभी कमजोर नहीं हुआ। 2014 से वे लगातार सांसद हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे हैं। संगठन के भीतर पंकज चौधरी की पहचान संतुलन साधने वाले नेता की रही है। सात बार सांसद रहे पंकज चौधरी की कुर्मी समाज में मजबूत पकड़ भाजपा के लिए बड़ा सामाजिक आधार है, जिसे विपक्ष के पीडीए फार्मूले की प्रभावी काट के रूप में देखा जा रहा है। गोरखपुर-महाराजगंज क्षेत्र से प्रदेश अध्यक्ष का चयन कर भाजपा ने स्पष्ट संदेश दिया है कि संगठन क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन दोनों को साधकर आगे बढ़ेगा।

भाजपा कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नामांकन करने पहुंचे पंकज चौधरी।

### चुनावी रणनीति को धार देने की चुनौती

भाजपा नेतृत्व को भरोसा है कि पंकज चौधरी संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर पार्टी को चुनावी मोड में ले जाएंगे। उनकी जिम्मेदारी बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक कार्यकर्ताओं में उत्साह भरना और आगामी चुनावों की रणनीति को धार देना भी उनकी प्राथमिकता होगी। रविवार को पीयूष गोयल द्वारा औपचारिक घोषणा के साथ ही प्रदेश भाजपा में एक नए, ऊर्जा से भरे दौर की शुरुआत मानी जा रही है।

### बड़े भाई से लेकर मां तक जिला पंचायत अध्यक्ष

महराजगंज की जिला पंचायत राजनीति में पंकज चौधरी का प्रभाव एक मिसाल के तौर पर देखा जाता है। बड़े भाई स्व. प्रदीप चौधरी के पहले जिला पंचायत अध्यक्ष बनने से लेकर माता उज्ज्वला चौधरी के दो बार अध्यक्ष रहने और बाद में समर्थित चेहरों की लगातार जीत तक, जिला पंचायत पर उनकी पकड़ बनी रही। सत्ता में रहते या विपक्ष में, जिला पंचायत पर नियंत्रण बनाए रखना उनके संगठनात्मक कौशल और जमीनी पकड़ का प्रमाण है।

# नए साल में मिलेगा नया राष्ट्रीय अध्यक्ष और बनेंगे नए मंत्री

- खरमास बाद योगी मंत्रिमंडल में फेरबदल, भूपेंद्र सिंह चौधरी बन सकते मंत्री, केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी होगा फेरबदल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचारः** भाजपा को नया प्रदेश अध्यक्ष मिलने के साथ ही सियासी हलचल अब सरकार और संगठन दोनों स्तर पर तेज हो गई है। खरमास समाप्त होते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल में फेरबदल और विस्तार लगभग तय माना जा रहा है। यह बदलाव खरमास बाद मकर संक्रांति के आसपास हो सकता है। इसके साथ ही नये साल में भाजपा को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलने और केंद्र सरकार में भी मंत्रिमंडल फेरबदल की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं।

भाजपा नेतृत्व संगठनात्मक बदलाव के बाद सरकार को पूरी तरह चुनावी मोड में लाने की तैयारी में है। 2026 के पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए संगठन और सरकार दोनों में नई ऊर्जा भरने की रणनीति पर काम चल रहा है। इसी क्रम में योगी मंत्रिमंडल का पुनर्गठन केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि पूरी तरह राजनीतिक और चुनावी दृष्टि से संतुलित होगा। सूत्रों के मुताबिक, मौजूदा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी का मंत्रिमंडल में शामिल होना लगभग तय है। इसके अलावा एक-दो राज्य मंत्रियों को कैबिनेट मंत्री का दर्जा देने पर भी विचार चल रहा है, जबकि कुछ मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है। फेरबदल में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि पश्चिम, पूर्वांचल, बुंदेलखंड और अवध सभी क्षेत्रों को साधा जा सके।

**सपा के बागियों पर भी नजर :** मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाओं में समाजवादी पार्टी से अलग होकर भाजपा के समर्थन में आए विधायकों को लेकर भी मंथन चल रहा है। पूजा पाल और मनोज पांडेय के नाम प्रमुखता से चर्चा में हैं। जनवरी 2026 से पहले संगठन और सरकार दोनों स्तर पर बड़े राजनीतिक फैसले होते दिख रहे हैं।

### एक और उप मुख्यमंत्री का फॉर्मूला चर्चा में

राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी है कि उत्तर प्रदेश को एक और उप मुख्यमंत्री मिल सकता है। इस रेस में साध्वी निरंजन ज्योति का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है। वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पुत्र और नोएडा से विधायक पंकज सिंह को भी मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की अटकलें हैं। यदि ऐसा होता है, तो इसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश और शहरी वोट बैंक को साधने की बड़ी कवायद माना जाएगा।

### सहयोगी दलों को भी प्रतिनिधित्व

मंत्रिमंडल विस्तार में भाजपा के साथ-साथ एनडीए के सहयोगी दलों को भी हिस्सेदारी दिए जाने के संकेत हैं। राष्ट्रीय लोकदल और अपना दल (एस) से एक-एक विधायक को मंत्री पद की शपथ दिलाई जा सकती है। इससे गठबंधन को जमीनी स्तर पर मजबूती देने और सहयोगी दलों में संदेश देने की रणनीति मानी जा रही है।

### छह नए चेहरों की गुंजाइश

वर्तमान में योगी सरकार में कुल 54 मंत्री हैं, जबकि संवैधानिक रूप से 60 मंत्रियों तक की अनुमति है। ऐसे में करीब छह नए चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। सूत्रों का कहना है कि कुछ मौजूदा मंत्रियों का प्रदर्शन संतोषजनक न होने पर उन्हें हटाया भी जा सकता है। इसका उद्देश्य सरकार की कार्यशैली में नई धार और चुनावी संदेश दोनों देना है।


**कार्यालय ग्राम पंचायत टाडा सादात वि.खं. नवाबगंज बरेली**

**निविदा सूचना**

समस्त पंजीकृत फर्मों एवं विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पं. टाडा सादात वि.खं. नवाबगंज बरेली वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न कार्यो को कराए जाने हेतु रेता, सीमेन्ट, ईट, बजरी रोडा व आदि सामान की सामग्री आवश्यकता रूप से सीलबन्द निविदा ग्राम पंचायत कार्यालय पर दि. 14.12.2025 को 10 बजे 16.12.25 दोपहर 2 बजे पंचायत घर कार्यालय टाडा सादात में खोली जायेगी। निविदा की स्वकृति अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा।

| क्र.सं. | कार्य का नाम | अनु. लागत |
|---|---|---|
| 1. | जुलदिकार के घर से भूरा के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य | 690000 |

सचिव-विपिन सक्सेना | ग्राम प्रधान-हुस्न बानो

**ग्राम पंचायत मानपुर अहियापुर वि.खं. क्यारा, बरेली**

**निविदा सूचना**

समस्त पंजीकृत फर्म/ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मानपुर अहियापुर में निम्नलिखित कार्य कराए जाने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

| क्र.सं. | कार्य का नाम | अनुमानित लागत | योजना का नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | नेता जी की दुकान से राम निवास लाला के घर तक सी.सी. निर्माण | 399834/- | मनरेगा |
| 2. | कल्लू के घर से राम रतन के घर तक सी.सी. निर्माण कार्य | 396440/- | मनरेगा |

उपरोक्त कार्य हेतु पंजीकृत फर्मो से कार्य स्थल निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु सीलबन्द निविदायें दिनांक 14.12.2025 से 18.12.2025 तक आमंत्रित की जाती है दिनांक 19.12.2025 को निविदाएं पंचायत कार्यालय पर खोली जायेगी।

उर्मिला देवी-ग्राम प्रधान | शेर सिंह-सचिव


# महराजगंज मॉडल से सपा को चुनौती देंगे चौधरी

- हरिशंकर तिवारी, वीरेंद्र शाही अखिलेश सिंह व हर्षवर्धन जैसे दिग्गजों को दे चुके हैं मात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचारः** प्रदेश की राजनीति में भाजपा ने संगठन की कमान ऐसे नेता को सौंपी है, जिसने चुनावी शतरंज पर बार-बार यह साबित किया है कि सत्ता किसी की भी हो, 'किंग' वही बनेगा, जिसे वह चाहें। भाजपा उसी महराजगंज मॉडल को प्रदेश स्तर पर उतारकर समाजवादी पार्टी को सीधी चुनौती देने की तैयारी में है। लेकिन पंकज चौधरी को महराजगंज से आगे निकल कर पूरे प्रदेश की राजनीति में 'चाणक्य' की भूमिका वाला नेता साबित करना बड़ी चुनौती होगी।

पंकज चौधरी का राजनीतिक कद इस बात से ही समझा जा सकता है कि उन्होंने हरिशंकर तिवारी, वीरेंद्र शाही, अखिलेश सिंह और हर्षवर्धन जैसे पूर्वांचल के दिग्गज नेताओं को लोकसभा चुनाव में पराजित किया है। पूर्वांचल की राजनीति में जिन नामों के सामने चुनाव लड़ने से नेता कतराते रहे, पंकज चौधरी ने उन्हीं को रणनीति और सामाजिक संतुलन के दम पर मात दी। जिला पंचायत चुनावों में पंकज चौधरी की सियासी पकड़ सबसे ज्यादा चर्चा में रही है। प्रदेश में सत्ता बसपा, सपा और भाजपा के बीच बदलती रही, लेकिन उनके गृह जनपद में जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर भाजपा का कब्जा आज तक बना हुआ है। जिला पंचायत के गठन के बाद पहली बार पंकज चौधरी के भाई प्रदीप चौधरी अध्यक्ष बने। इसके बाद दो बार उनकी मां उज्जवला चौधरी ने जीत दर्ज कीं। वर्ष 2010 में जब जिला पंचायत अध्यक्ष की सीट का आरक्षण बदला और प्रदेश में बसपा की सरकार थी, तब भी पंकज चौधरी की राजनीतिक गणित ने भाजपा को जीत दिलाई। धर्मा देवी को अध्यक्ष बनाकर उन्होंने यह साबित किया कि सत्ता बदलने से समीकरण नहीं बदलते। इसके बाद वर्ष 2015 में, सपा सरकार के दौर में, पंकज चौधरी ने शह-मात के जोड़-तोड़ से प्रभुदयाल चौहान को जितवाकर पूरे प्रदेश में भाजपा की इकलौती जिला पंचायत अध्यक्ष की सीट अपने खाते में डाली। यहीं से प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में पंकज चौधरी की 'चाणक्य नीति' की चर्चा शुरू हुई।

वर्ष 2020 में भाजपा के रविकांत पटेल जिला पंचायत अध्यक्ष बने और यह सीट अब तक पूरी तरह भाजपामय बनी हुई है। यह सिलसिला महराजगंज की राजनीति को भाजपा के लिए मॉडल बना चुका है, जिसे अब प्रदेश स्तर पर लागू करने की तैयारी है।

लखनऊ : भाजपा कार्यालय पर नामांकन की जानकारी देते महेंद्र नाथ पांडेय, साथ में विनोद तावड़े, मुख्यमंत्री योगी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद व ब्रजेश पाठक आदि।

# भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर पूर्वांचल का रहा दबदबा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचारः** भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर अब तक पूर्वांचल का दबदबा रहा है। करीब साढ़े चार दशक के सफर में पश्चिमांचल को गिनती के मौके ही मिल सके हैं। पूर्वांचल से पहले अध्यक्ष माधव बाबू से लेकर स्वतंत्रदेव सिंह तक 10 लोगों ने कमान संभाली, जबकि पश्चिमांचल से अध्यक्ष बनने वालों में केवल कल्याण सिंह, लक्ष्मीकांत और भूपेंद्र चौधरी रहे।

पार्टी के पहले प्रदेश अध्यक्ष बनने का गौरव पूर्वांचल के सिद्धार्थनगर निवासी माधो प्रसाद त्रिपाठी उर्फ माधव बाबू को मिला। उन्होंने 1980 से 1984 तक संगठन की कमान संभाली। पश्चिमांचल से आने वाले कल्याण सिंह को 1984 से 1990 तक प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। इसके बाद एक बार फिर संगठन की कमान पूर्वांचल के नेताओं के हाथों में चली गई। 1990 से 91 से तक एक वर्ष के लिए अवध क्षेत्र से सीतापुर के राजेंद्र कुमार गुप्ता एक बार राज्य इकाई के अध्यक्ष रहे। वे 1977 से 1996 तक सीतापुर से लगातार छह बार विधायक भी रहे और कल्याण सिंह की सरकार में वित्त मंत्री के रूप में भी कार्य किया। उनका निधन 2003 में हो गया था। इसके बाद कलराज मिश्र (गाजीपुर) 1991 से 1997 तक सबसे अधिक समय तक अध्यक्ष रहे और फिर एक साल 10 माह के लिए वर्ष 2000 में अगस्त से जून 2002 तक दूसरी बार अध्यक्ष बनने वाले भाजपा के इकलौते नेता है। 1997 से 2000 तक राजनाथ सिंह (चंदौली), इसके बाद ओम प्रकाश सिंह (मिर्जापुर), स्वतंत्रदेव सिंह (मिर्जापुर) जैसे नेता प्रदेश अध्यक्ष बने।


**कार्यालय जिला पंचायत शाहजहांपुर**

पत्रांकः 1012/जि.पं.माघ मेला/2025-26 | दिनांकः 11.12.2025

**अति अल्पकालीन निविदा सूचना**

संशोधित निर्माण नियमावली के क्रम में जिला पंचायत, सिंचाई विभाग एवं लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि जिला पंचायत शाहजहांपुर द्वारा माघ मेला राय नगरिया ढ़ाईघाट 2025-26 दिनांक 30.12.2025 से प्रारंभ होकर 07.02.2026 तक आयोजित किया जायेगा। मेले में विभिन्न व्यवस्थाओं एवं अन्य निर्माण कार्यो हेतु दिनांक 20.12.2025 को दोपहर 02:00 बजे निम्नवत् कार्यो की निविदायें आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन को शाम 4:30 बजे कार्यालय जिला पंचायत शाहजहांपुर में निविदा समिति द्वारा ठेकेदार के समक्ष खोली जाएगी। उपरोक्तानुसर पंजीकृत ठेकेदार (जिनका पंजीकरण श्रम कार्यालय शाहजहांपुर में हैं) दिनांक 19.12.2025 को शाम 4:30 बजे तक निर्धारित निविदा शुलक जमा कर टेंडर क्रय कर सकते हैं। इच्छुक ठेकेदार को कार्य के सम्मुख अंकित 2% धरोहर धनराशि (एन.एस.सी./टी.डी.आर./एफ.डी.आर.) निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा जो अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत शाहजहांपुर के नाम बंधक रहेगी। निविदाएं स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अध्यक्ष जिला पंचायत शाहजहांपुर को होगा अन्य शर्ते कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है।

| क्र. | कार्य का नाम (मेला स्थल पर) | अनु. लागत | धरोहर धनराशि | निविदा शुल्क | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | माघ मेला ढ़ाईघाट पर गोताखोर व अन्य लेवर की व्यवस्था। | 6.11 | 12300 | 1200 | 1 सप्ताह |
| 2 | माघ मेला ढ़ाईघाट पर EP स्विसकाटेज, शामियाना एवं अन्य सामग्री की आपूर्ति व स्थापना | 6.68 | 13400 | 1200 | 1 सप्ताह |
| 3 | माघ मेला ढ़ाईघाट पर पर टेंट एवं अन्य सामान की व्यवस्था। | 7.77 | 15600 | 1200 | 1 सप्ताह |
| 4 | माघ मेला ढ़ाईघाट पर पलमासा भागा से मार्ग निर्माण | 8.47 | 17000 | 1200 | 1 सप्ताह |
| 5 | माघ मेला ढ़ाईघाट पर अस्थाई किचन, टायलेट, वैरिकेटिंग हैंडपंप, टेंट लगाने के कार्य | 5.48 | 11000 | 1200 | 1 सप्ताह |
| 6 | माघ मेला पर लाईट एवं सी.सी.टी.वी. कैमरा की व्यवस्था कार्य। | 8.44 | 16900 | 1200 | 1 सप्ताह |
| 7 | माघ मेला ढ़ाईघाट पर 11 राउटी, 05 काजुल पाल, 01 लग्जरीकाटेज की आपूर्ति | 8.69 | 17400 | 1200 | 1 सप्ताह |
| 8 | ब्लाक ददरौल टिकरी में 20 मी. अवशेष इंटरलॉकिंग कार्य | 1.10 | 2200 | 275 | 1 सप्ताह |
| 9 | ब्लाक भावलखेड़ा ग्राम नियामतपुर में 300 मी. खडंजा | 5.40 | 10800 | 1200 | 1 सप्ताह |
| 10 | ब्लाक ददरौल ग्राम कपेड कटका में अवशेष 25 मी. इंटरलॉकिंग कार्य | 1.38 | 2800 | 275 | 1 सप्ताह |

नोटः- क्रमांक-7 पर अंकित कार्य की निविदा उपरोक्त पंजीकृत ठेकेदारों के अतिरिक्त टेंट व्यवसायी एवं आपूर्तिकर्ता भी निविदा हेतु पात्र होंगे।

**संजय सिन्हा (अभियन्ता)**
**जिला पंचायत, शाहजहांपुर**

**महावीर सिंह यादव (अपर मुख्य अधिकारी)**
**जिला पंचायत, शाहजहांपुर**


### एएनटीएफ को मिलेंगे 150 नए जांबाज

**अमृत विचार, लखनऊ :** अवैध नशे के कारोबार पर निर्णायक प्रहार के लिए योगी सरकार एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) को और मजबूत करने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एएनटीएफ में 150 से अधिक नए पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। वर्तमान में एएनटीएफ में अधिकतर कर्मी प्रतिनियुक्ति पर तैनात हैं, जिन्हें अब रेग्युलर किया जाएगा।


**कार्यालय ग्राम पंचायत सहतेपुर वि.खं. निगोही जनपद शाहजहांपुर**

**अति अल्पकालीन निविदा सूचना**

समस्त अधिकृत फर्म/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड निगोही शाहजहांपुर वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत सहतेपुर में गौशाला निर्माण इंटरलॉकिंग कार्य को कराऐ जाने हेतु कार्यस्थल पर निम्न सामग्री महीन रेता, मौरंग, बजरी, ईट की रोडी, ईट अव्वल जी.आई.शीट लोहे की कैंची लोहे की जाली, ईट, खडंजा सरिया इंटरलॉक टाइल्स आदि की आवश्यकता है। सामग्री की कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु सम्बन्धित ग्राम पंचायत के कार्यालय पर निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस पर ग्राम पंचायत कार्यालय पर प्राप्त की जा सकती है। मोहरबन्द निविदायें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर रखे टेण्डर बॉक्स में इस निविदा के प्रकाशन के बाद तीन दिवस तक डाली जा सकती है। जो उसी दिन 3:00 बजे सम्बन्धित प्रधान/सचिव द्वारा अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं के प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

| क्र. | कार्य का नाम | सामग्री की अनु. लागत (लाख में) |
|---|---|---|
| 1 | ग्राम पंचायत सहतेपुर के रोहिला में गौशाला का निर्माण कार्य | 9.99 लाख |
| 2 | ग्राम सहतेपुर में धनीराम के घर से बन्धू लाल के घर तक नाली व इंटरलॉकिंग का कार्य। | 3.99 लाख |

पवन कुमार (ग्राम प्रधान) | सचिव

**कार्यालय जिला पंचायत पीलीभीत**

पत्रांकः 1366(i)/नि.अनु./जि.पं./2025-26 | दिनांकः 12.12.2025

**ई-निविदा सूचना**

कार्यालय निविदा सूचना संख्या-1145/नि.अनु./जि.पं./2025-26 दिनांक 30.11.2025 द्वारा 21.11.2025 तक 96 परियोजनाओं की आमंत्रित की गयी ई-निविदायें तथा 1147/नि.अनु./जि.पं./2025-26 दिनांक 30.11.2025 द्वारा आमंत्रित 112 परियोजनाओं की मैनुअल निविदाओं को अपरिहार्य कारणोंवश तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जा चुका है तथा पुनः शासनादेश सं.- 1488/33-2-2020-80 जी/2000 दिनांक 24 जुलाई 2020 पंचायती राज अनुभाग-2 उ.प्र. शासन के अनुपालन में समस्त जिला पंचायतों में पंजीकृत ठेकेदारों के अतिरिक्त राज्य सरकार के सिंचाई विभाग एवं लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि पंचम राज्य वित्त आयोग एवं पन्द्रहवां वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत प्राप्त अनुदान के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2025-26 की स्वीकृत 207 परियोजनाओं के निर्माण कार्य हेतु कार्यालय ई-निविदा सूचना संख्या- 1365/नि.अनु./जि.पं./2025-26 दिनांक 12.12.2025 द्वारा दिनांक 26.12.2025 को अपरान्ह 02 बजे तक ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है जिन्हें दिनांक 26.12.2025 को ही अपरान्ह 03:00 बजे से कार्यालय जिला पंचायत पीलीभीत में गठित समिति द्वारा ऑनलाइन खोला जायेगा। ई-निविदा दिनांक 20.12.2025 से दिनांक 26.12.2025 को अपरान्ह 02 बजे तक वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है। ई-निविदाओं की तकनीकी एवं वित्तीय बिड ऑनलाइन खोलने के उपरान्त न्यूनतम निविदादाता द्वारा अपने समस्त मूल अभिलेख कार्यालय में प्रस्तुत किये जायेंगे। निविदादाता द्वारा वांछित मूल अभिलेख/स्वप्रमाणित प्रपत्र प्रस्तुत न किये जाने पर शासनादेशानुसार कार्यवाही की जायेगी।

**मिठाई लाल**, अभियन्ता, जिला पंचायत, पीलीभीत | **धर्मेन्द्र कुमार**, अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, पीलीभीत | **डॉ. दलजीत कौर**, अध्यक्ष, जिला पंचायत, पीलीभीत


# ईडी ने जुटाए 454 फर्मों के दस्तावेज

- मुख्य आरोपी शुभम के घर से मिले कई अहम दस्तावेज, 450 करोड़ रुपये का लेनदेन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचारः** फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी मामले में प्रवर्तन निदेशाल (ईडी) ने तीन राज्यों के 25 ठिकानों पर शुक्रवार सुबह से छापेमारी कर रही थी। 36 घंटे से अधिक चली छापेमारी के दौरान कुल 454 फर्मों के दस्तावेज मिले हैं। जिनके सत्यापन का काम ईडी ने शुरू कर दिया है। इन फर्मों के माध्यम से करोड़ों रुपये की हेराफेरी की गई है।

मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल व उसके पिता भोला जायसवाल के वाराणसी के ठिकानों से ईडी के हाथ 189 फर्म के दस्तावेज लगे हैं। जांच में सामने आया कि इन फर्मों के माध्यम से शुभम व उसके पिता ने 450 करोड़ रुपये के लेनदेन किये हैं। जिसकी जांच ईडी कर रही है। ईडी के अधिकारियों मुताबिक मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल के घर से प्राडा और गुच्ची जैसे ब्रांड के बैग, राडो व ऑडेमर्स पिगुएट ब्रांड की महंगी घड़ियां, लग्जरी अन्य सामान मिले हैं। जिनकी कीमत आंकी जा रही है। जांच में सामने आया कि शुभम ने अपने घर के इंटीरियर कराने में दो करोड़ रुपये नकद खर्च किये थे। ईडी की टीम ने शुभम व उसके पिता भोला के रांची स्थित कार्यालय व गोदाम में छापेमारी की। इस दौरान 189 फर्मों के संबंधित दस्तावेज मिले हैं। शुरूआती जांच में सभी फर्जी पाये गये हैं। फोरेंसिक जांच के लिए सारे दस्तावेज भेजे गये हैं।

ईडी की छापेमारी में शुभम जायसवाल के चार्टर्ड अकाउंटेंट विष्णु अग्रवाल के घर से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए। इसमें 140 फर्मों का ब्योरा मिला। ईडी की जांच में सामने आया है कि शुभम जायसवाल, बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह, सहारनपुर के विभोर राणा व विशाल सिंह ने अपने आलीशान घरों में करोड़ों रुपये खर्च किए। अधिकारियों को शक है कि कफ सिरप की तस्करी से होने वाली बेशुमार काली कमाई को खर्च किया गया। सभी के घरों में इंटीरियर का महंगा काम कराया गया है।

# जनवरी में लांच होगी स्वच्छ वायु प्रबंधन परियोजना

- वायु प्रदूषण की बढ़ती चुनौती से निपटने को प्रदेश सरकार का बड़ा कदम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचारः** प्रदेश को स्वच्छ, स्वस्थ और पर्यावरणीय रूप से संतुलित राज्य बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा कदम उठाया है। वायु प्रदूषण की गंभीर चुनौती से निपटने के लिए योगी जनवरी में उत्तर प्रदेश स्वच्छ वायु प्रबंधन परियोजना (यूपीसीएएमपी) की शुरुआत करेंगे। यह परियोजना प्रदेश में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए अब तक की सबसे व्यापक और बहु-क्षेत्रीय पहल मानी जा रही है। परियोजना में मुख्य सचिव अध्यक्ष, संबंधित विभागों के प्रमुख सचिव व अपर मुख्य सचिव सदस्य होंगे।

इस परियोजना को लेकर बीते 3 नवंबर 2025 को नई दिल्ली में आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए), विश्व बैंक और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच परियोजना वार्ता सफलतापूर्वक संपन्न हुई थी। इसके बाद 10 दिसंबर 2025 को विश्व बैंक के निदेशक मंडल ने परियोजना को औपचारिक मंजूरी प्रदान की। शासी निकाय को परियोजना की संरचना, वित्तीय व्यवस्था और विशेष प्रयोजन वाहन के रूप में गठित यूपीसीएएमपी प्राधिकरण के माध्यम से क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी गई।

वायु प्रदूषण से निपटने के उद्देश्य से योगी सरकार विश्व बैंक के सहयोग से यूपीसीएएमपी परियोजना को लागू कर रही है। यह परियोजना आईआईटी कानपुर, आईआईटी दिल्ली और नॉर्वेजियन इंस्टीट्यूट फॉर एयर रिसर्च जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के वैज्ञानिक अध्ययनों पर आधारित है। इसमें ऑस्ट्रिया के आईआईएएसए द्वारा विकसित जीएआईएनएस मॉडल का उपयोग किया गया है।

## न्यूज ब्रीफ

### नवीनीकृत नहीं तो निष्क्रिय होंगे श्रमिक कार्ड

**अमृत विचार, लखनऊ :** उप्र. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि जिन निर्माण श्रमिकों का लेबर, श्रमिक कार्ड पिछले चार वर्ष या उससे अधिक समय से नवीनीकृत नहीं है, उन्हें 31 दिसंबर 2025 के बाद निष्क्रिय सूची में शामिल कर दिया जाएगा। निष्क्रिय सूची में आने वाले श्रमिक पंजीकृत श्रमिक की श्रेणी में नहीं माने जाएंगे और उन्हें किसी भी योजना का लाभ प्राप्त नहीं होगा। अपर श्रमायुक्त कल्पना श्रीवास्तव ने बताया कि बोर्ड ने श्रमिकों से अपील की है कि वे अपना लेबर, श्रमिक कार्ड नवीनीकरण नजदीकी सीएससी ई–डिस्ट्रिक्ट सेंटर, सीएससी e-gov सेंटर अथवा बोर्ड की वेबसाइट upbocw.in के माध्यम से अवश्य करा लें।

### भानवी सिंह को राहत मुकदमे पर अंतरिम रोक

**लखनऊ, अमृत विचार :** हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने पूर्व मंत्री रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भईया की पत्नी भानवी सिंह को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उनके विरुद्ध मानहानि व महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोपों में चल रहे मुकदमे की प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसी के साथ कोर्ट ने राजा भईया व भानवी सिंह की बहन साध्वी सिंह को नोटिस जारी करने का भी आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद होगी।

### मंदिरों से घंटे चोरी करने में पांच गिरफ्तार

**बुलंदशहर, एजेंसी :** जिले में मंदिरों से पीतल के घंटे चोरी करने के आरोप में पुलिस ने पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चोरी किए गए 96 घंटे और अवैध हथियार बरामद किये हैं। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पकड़े गए अभियुक्त सगीर, नाजिम, दिलदार, राजुद्दीन और अलीम बुलंदशहर के अलावा हाथरस और अलीगढ़ जिलों में भी मंदिर से घंटे चोरी कर चुके हैं।

### गोशाला में घुसा बाघ शोर करने पर भागा

**पीलीभीत, अमृत विचार :** माधोटांडा क्षेत्र में शनिवार सुबह उस समय दहशत फैल गई, जब एक बाघ गोशाला में जा घुसा। बाघ के घुसने से गोशाला के पशुओं में भगदड़ मच गई। माजरा देखकर केयर टेकर समेत अन्य ग्रामीणों ने शोर–शराबा किया, तब कहीं जाकर बाघ गोशाला से निकलकर जंगल सीमा पर लगी तार फेसिंग को फांदकर जंगल की ओर भाग निकला। घटना के बाद से ग्रामीणों में खासी दहशत है।

# बदायूं के दरगाह में रोहिंग्या की तलाश कमरों में ताला लगाकर भागे लोग

## शासन के निर्देश के बाद बांग्लादेशियों की शुरू की तलाश, चेक किए दस्तावेज

संवाददाता, बदायूं

**अमृत विचार :** शासन के निर्देश के बाद जिले में रोहिंग्या, बांग्लादेशी और अन्य राज्यों से आए लोगों की तलाश तेज हो गई है। शनिवार को जिला प्रशासन ने दरगाह पर बांग्लादेशियों की तलाश की। लोग अपने कमरों में ताला लगाकर भाग निकले। उनकी तलाश की जा रही है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि कोई भी बाहरी या संदिग्ध व्यक्ति नजर आए तो प्रशासन के इसी अनिवार्य रूप से सूचना दें।

शनिवार को सिटी मजिस्ट्रेट सुरेश पाल, एसपी सिटी विजयेंद्र द्विवेदी, सीओ सिटी रजनीश कुमार उपाध्याय पुलिस बल के साथ बड़े और छोटे सरकार की दरगाह पर पहुंचे। दरगाह के पदाधिकारियों

दरगाह पर ठहरे व्यक्ति से पूछताछ करते सिटी मजिस्ट्रेट सुरेश पाल, एसपी सिटी विजयेंद्र द्विवेदी और सीओ सिटी रजनीश कुमार उपाध्याय। ● अमृत विचार

● **बिना पहचान पत्र के रुके लोगों को वापस भेजा गया**

को बुलाकर अभियान के बारे में बताया। इसके बाद वहां के घरों का तलाशी अभियान शुरू किया। यहां मौजूद मिले लोगों से उनके बारे में जानकारी की। दरगाह में रुके हुए सभी लोगों से बारी-बारी से पूछताछ की। साथ ही उनके संबंधी दस्तावेजों की जांच की। उनकी आईडी और पहचान पत्र चेक किया। इसके अलावा दुकान संचालित करने वालों से भी दस्तावेज मांगे। दरगाह में कई कमरे ऐसे बने थे जहां ताला लगा हुआ था। या तो वहां कोई रहता नहीं, या फिर पुलिस को देखकर भाग गया होगा। वहीं कई लोग ताला लगाकर भाग निकले। कई लोग अवैध रूप से बिजली चला रहे हैं।

### टीम को दरगाह पर मिला बंद क्लीनिक

जानकारी में पता चला है कि दरगाह पर रहने वाले कुछ लोग बाहरी राज्यों हैं तो कोई शहर का निवासी ही है, जो इलाज कराने के लिए दरगाह पर रुके हुए हैं। टीम को दरगाह पर एक क्लीनिक भी मिला, जो काफी समय से बंद बताया जा रहा है। टीम ने बिना पहचान पत्र के रुके हुए लोगों को वापस लौटाया। एसपी सिटी ने अवैध रूप से रह रहे लोगों को जिले से बाहर जाने की चेतावनी दी है।

## मेटा की सूचना मिलने पर बच गई युवक की जान

**इटावा, अमृत विचार:** मेटा की सक्रियता, पुलिस मीडिया सेल व जसवंतनगर पुलिस की सूझबूझ से एक युवक की जान बच गई। मेटा ने उप्र पुलिस मुख्यालय की मीडिया मॉनीटरिंग टीम को इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई सुसाइड स्टोरी भेजी। टीम द्वारा सर्च करने पर उक्त सुसाइड स्टोरी इटावा की निकली। गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप पर युवक जान देने जा रहा था।

इंस्टाग्राम पर लगी स्टोरी में युवक ने अपनी फोटो के साथ रस्सी लगाकर लिखा था माफ करना आप सब लोग। छानबीन में पता चला कि स्टोरी पोस्ट करने वाला व्यक्ति थाना जसवंतनगर क्षेत्र का है। मौके पर पहुंची पुलिस ने आत्महत्या के लिए जा रहे युवक को पकड़ लिया। जसवंतनगर थानाध्यक्ष कमल ने कहा, लोकेशन के आधार पर मात्र 15 मिनट के अंदर युवक के निवास स्थान पर पहुंच गए। परिजनों से कहा युवक घर से बाहर निकला हुआ है। तलाश में जंगल की ओर जाते मिला। उसके हाथ में रस्सी थी।

# सेना में कमीशन राष्ट्र के प्रति आजीवन कर्तव्य की शुरुआत

मुख्य संवाददाता, देहरादून

**अमृत विचार:** थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने शनिवार को भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में 157वीं पासिंग आउट परेड (पीओपी) में नव-नियुक्त युवा अधिकारियों के उच्च स्तर के अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सहनशक्ति की प्रशंसा की। साथ ही उनसे भारतीय सेना की गौरवशाली परंपराओं का निर्वहन करने तथा निष्ठा और सम्मान के साथ राष्ट्र सेवा करने का आह्वान किया।

जनरल द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि सेना में कमीशन प्राप्त करना केवल प्रशिक्षण की समाप्ति नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति आजीवन कर्तव्य और निस्वार्थ सेवा की शुरुआत है। इस दौरान, 157वें रेगुलर कोर्स, 46वें टेक्निकल एंट्री स्कीम, 140वें टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स, 55वें स्पेशल कमीशंड ऑफिसर्स कोर्स और टेरिटोरियल आर्मी ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा 2023 कोर्स के कुल 525 अधिकारी कैडेट्स के साथ-साथ 14

● **थल सेना प्रमुख, जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने किया आईएमए में पीओपी समारोह को संबोधित**

मित्र राष्ट्रों के 34 विदेशी अधिकारी कैडेट्स को कमीशन प्रदान किया गया। यह कमीशनिंग न केवल भारत के रक्षा नेतृत्व को सुदृढ़ करती है, बल्कि मित्र देशों के साथ दीर्घकालिक सैन्य सहयोग को भी सशक्त बनाती है। इस गरिमामय समारोह के साक्षी गर्वित अभिभावक, परिजन, वरिष्ठ सैन्य अधिकारी तथा अनेक विशिष्ट अतिथि बने। परेड का समापन पारंपरिक अंतिम पग के साथ हुआ, जब युवा अधिकारी राष्ट्र की संप्रभुता, सम्मान और मूल्यों की रक्षा के संकल्प के साथ आगे बढ़े।

## अब एक के बाद एक एक्टिव होने जा रहे पश्चिमी विक्षोभ

**नैनीताल, अमृत विचार :** सर्द होते मौसम के बीच पश्चिमी विक्षोभ एक के बाद एक सक्रिय होने जा रहे हैं। हालांकि अभी पहाड़ों पर हिमपात की संभावना नहीं है, अलबत्ता उच्च हिमालयी चोटियों पर हिमपात होगा। 19 दिसंबर को सक्रिय होने जा रहा विक्षोभ उत्तर भारत के मैदानी भागों में छाई धुंध हटाने समेत हिमालयी राज्यों में खासा असर डालेगा।

पश्चिमी विक्षोभ को लेकर इस बार दो बड़ी वजह हैं, जिनमें एक पर्वतीय क्षेत्रों में हिमपात है तो दूसरी, देश की राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई महानगरों में छाया वायु प्रदूषण है, जो बारिश के धोए बिना छट नहीं सकता। इधर, दो दिन पहले सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ का असर प्रदेश के अधिकांश जिलों में बादलों के रूप में देखने को मिल रहा है, जबकि उत्तरकाशी, चमोली और बागेश्वर में हल्की बारिश की संभावना रविवार तक बने रहने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। मगर इसके बाद 18 व 19 दिसंबर आने वाले पश्चिमी विक्षोभों से मौसम में फेरबदल होने की बड़ी संभावना है।

# एनआईए अधिकारी की हत्या के मामले में कोर्ट का खंडित फैसला

प्रयागराज,एजेंसी

● **बिजनौर में एनआईए अधिकारी तंजील अहमद और उनकी पत्नी की गोली मार कर दी गई थी हत्या**

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के पुलिस उपाधीक्षक तंजील अहमद और उनकी पत्नी की बिजनौर में उनकी कार में गोली मारकर हत्या किए जाने के नौ साल पुराने मामले में खंडित फैसला दिया है। वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता ने आरोपी रैयान को बरी किए जाने के पक्ष में निर्णय दिया, जबकि इस पीठ के अन्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति हरवीर सिंह ने बिजनौर की अदालत के मई, 2022 के निर्णय को आंशिक रूप से बरकरार रखते हुए आरोपी की मृत्युदंड की सजा आजीवन कारावास में बदल दी। न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता ने कहा कि आरोपी के वकील ने गवाहों के बयान में महत्वपूर्ण चूक और विरोधाभास उजागर किया तथा आरोपी को बरी करने का निर्णय पारित किया।

उदाहरण के रूप में दिवंगत अधिकारी के भाई और बेटी ने प्राथमिकी दर्ज कराते समय हमलावरों के नाम उजागर नहीं किए थे। अलग अलग विचारों को देखते हुए इस मामले पर फिर से सुनवाई के लिए एक वृहद पीठ गठित करने के उद्देश्य से इसे मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली के पास भेज दिया गया है। इस मामले के दूसरे आरोपी मुनीर की मृत्यु हो चुकी है। तथ्यों के मुताबिक, अप्रैल, 2016 में एनआईए अधिकारी तंजील अहमद और उनकी पत्नी फरजाना, बिजनौर जिले के कस्बा सेवहरा में एक शादी में शामिल होने कार से गए थे। इसके अनुसार जब वे कार चला रहे थे तभी मोटरसाइकिल सवार दो हमलावरों रैयान और मुनीर ने कथित तौर पर उनकी कार ओवरटेक की और उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। इस घटना में तंजील की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि फरजाना ने 10 दिन बाद दम तोड़ दिया। निचली अदालत में तंजील के भाई रागिब मसूद, प्रत्यक्षदर्शी हसीब और तंजील की बेटी समेत कुल 19 गवाहों की गवाही हुई।

### खटीमा में युवक की हत्या के बाद आगजनी, लाठीचार्ज

**खटीमा, अमृत विचार :** खटीमा के रोडवेज परिसर में दो गुटों के बीच चाकूबाजी में युवक की हत्या के बाद स्थिति हिंसक हो गई। आक्रोशित लोगों ने हत्या आरोपियों की दुकान में आगजनी कर सड़कों पर प्रदर्शन कर जाम लगा दिया। बिगड़े हालात को काबू में लाने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। पुलिस ने बताया कि रोडवेज परिसर में शुक्रवार देर रात दो गुटों के बीच चाकूबाजी की घटना में 23 वर्षीय तुषार शर्मा की मौत हो गई थी।

**जिला आर्य प्रतिनिधि सभा बरेली**

आर्य प्रतिनिधि सभा उ.प्र. लखनऊ, 5 मीराबाई मार्ग लखनऊ द्वारा निर्देशित जिला आर्य प्रतिनिधि सभा बरेली का चुनाव निम्नानुसार निश्चित है, कृपया सभी जिले की 51 आर्य समाजों के 184 प्रतिनिधियों/मतदाताओं से अपील है कि किसी के बहकावे या विज्ञापन से भ्रमित न हो कर अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु अवश्य उपस्थित हों–

**दिनांक** – रविवार 14 दिसम्बर 2025

**स्थान** –आर्य समाज माडल टाउन,बरेली

**समय**–प्रात: 11 से 04 बजे तक

**आचार्य श्वेत केतु शर्मा**
चुनाव अधिकारी/पर्यवेक्षक
जिला आर्य प्रतिनिधि सभा बरेली
फोन नं –7906178915

# सैलानियों ने किए बाघ के दीदार

संवाददाता, भानपुर (लखीमपुर खीरी)

**अमृत विचार:** दुधवा राष्ट्रीय पार्क के नए सत्र में सैलानी लगातार टाइगर के दीदार कर रोमांचित हो रहे हैं। शनिवार की सुबह की पाली में दुधवा की किशनपुर रेंज में जंगल सफारी करने पहुंचे पर्यटकों को टाइगर दिखाई दिया है। इससे वह रोमांचित हो उठे।

शनिवार की सुबह जंगल सफारी की पहली पाली में 6.30 बजे करीब 12 दर्जन से अधिक गाड़ियों में देश एवं विदेश के पर्यटकों ने किशनपुर रेंज के जंगल में सफारी शुरू की थी। जंगल सफारी शुरू होने के कुछ ही देर बाद एक टाइगर जंगल के वाटर होल के पास पानी पीते दिखाई दिया। करीब 20 मिनट तक वाटर होल के पास टाइगर को पानी पीता देख सफारी करने पहुंचे पर्यटक रोमांचित होकर

वाटर होल में पानी पीता टाइगर।

जंगल सफारी करते पर्यटक।

● **दुधवा राष्ट्रीय पार्क में बाघ को देख पर्यटकों के खिले चेहरे**

टाइगर की फोटो व वीडियो बनाते नजर आए। जंगल सफारी करने पहुंचे बच्चे भी टाइगर को देखकर बहुत ही उत्साहित थे।

पहली बार जंगल सफारी करने पहुंची पर्यटक अंशिका शुक्ला ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ पहली बार जंगल सफारी करने आई हैं और पहली बार में ही बाघ का दीदार होना खुशी की बात है। लखीमपुर से तान्या यादव,परी यादव ने बताया कि अभी तक उन्होंने दुधवा व किशनपुर में चार बार जंगल सफारी कर चुकी है। लेकिन एक बार भी बाघ नहीं दिखा था। आज नजदीक से जंगल में बाघ को घूमते व पानी पीते देखकर जंगल सफारी सफल हो गई है।

## जाली दस्तावेजों से नियुक्ति, चार शिक्षकों पर रिपोर्ट

**प्रतापगढ़, एजेंसी:** जिले की पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नियुक्ति के आरोप में चार शिक्षकों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी वृजनंदन राय ने शनिवार को बताया कि महेशगंज स्थित शांभवी संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की प्रबंधक कलावती पाण्डेय ने शुक्रवार को तहरीर दी कि विद्यालय के प्रधानाचार्य पद से 2021 में सेवानिवृत्त होने से पहले हरिश्चन्दर शुक्ला ने 2017 में प्रबंधक का फर्जी हस्ताक्षर कर अपने बेटे शक्ति प्रकाश और अपनी परिचितों नंदनी देवी एवं खुशबू आदि की सहायक अध्यापक के पद पर नियुक्ति की थी।

## ऑनलाइन वक्फ संपत्ति रजिस्ट्रेशन में उप्र सबसे आगे

**लखनऊ, एजेंसी।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने वक्फ संपत्तियों के डिजिटल रजिस्ट्रेशन के मामले में देश में पहला स्थान हासिल किया है।

केंद्र सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा पिछली छह को शुरू किए गए उम्मीद पोर्टल पर पांच दिसंबर तक सभी वक्फ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन का आदेश जारी किया गया था। इस क्रम में उत्तर प्रदेश में कुल 92,832 वक्फ संपत्तियों का सफलतापूर्वक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन पूरा कर लिया है, जिसमें 86,347 सुन्नी और 6,485 शिया वक्फ संपत्तियां शामिल हैं। उम्मीद पोर्टल के देशव्यापी आंकड़ों के अनुसार, पूरे भारत में अब तक हुए कुल वक्फ संपत्तियों का डिजिटल रजिस्ट्रेशन में उत्तर प्रदेश का योगदान सर्वाधिक है।

# फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले गिरफ्तार

संवाददाता, जलालाबाद/शाहजहांपुर

**अमृत विचार:** पुलिस ने इलेक्ट्रानिक्स डिवाइस के माध्यम से आधार कार्ड व जन्म प्रमाण पत्र बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लैपटाप, प्रिंटर, स्कैनिंग डिवाइस, वेब केमरा आदि सामान बरामद किया है।

जलालाबाद प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार तोमर ने बताया कि तहसील प्रभारी अनुराग दूबे ने मुकदमा दर्ज कराया था कि आरती देवी के घर पर किसी अन्य व्यक्ति की आईडी इस्तेमाल कर कूटरचित आधार कार्ड व जन्म प्रमाणपत्र बनाए जाते है। पुलिस ने महिला के घर पर दबिश दी तो दो लोगों को आधार कार्ड व जन्म प्रमाणपत्र बनाते हुए पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी हरगोविंद निवासी मियापुर

पुलिस हिरासत में फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले दोनों आरोपी। ● अमृत विचार

● **लैपटाप, प्रिंटर आदि सामान बरामद, किराए के मकान में चल रहा था धंधा**

थाना बेहटा गोकुल जिला हरदोई व अर्पित पाण्डेय निवासी सहादत नगर थाना मझिला जिला हरदोई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लैपटाप, प्रिन्टर, स्कैनिंग डिवाइस, वेब कैमरा, यूएसबी कनेक्टर, एक मोबाइल, सात स्लिप आधार कार्ड आदि बरामद किया है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि अमन शाह निवासी उज्जैन की आईडी इस्तेमाल करके आधार कार्ड व जन्म प्रमाणपत्र अपडैट कर जेरनेट करते है तथा गूगल एप के माध्यम से किसी भी व्यक्ति के जन्म प्रमाणपत्र की पीडीएफ में एडिड कर किसी भी नाम पते से कूटरचित जन्म प्रमाणपत्र पांच मिनट में तैयार कर ग्राहक को दे देते है। एक आधार कार्ड तैयार करने के 200 रुपये तय होते है।

**बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर**

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch. Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389

**सुविधायें**
- सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
- रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
- ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
- दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रोसिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
- सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज
- दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
- गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिम डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन
- रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
- बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
- अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज
- रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व ऑपरेशन
- लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सुपर स्पेशलिटी सेन्टर
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
समय : प्रात: 10 12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक
लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर
7017678157, 8077790358
7417389433, 9897287601


**न्यूज ब्रीफ**

### आज 5 घंटे बंद रहेगी बिजली सप्लाई

**भुता, अमृत विचार :** रविवार को सुबह 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र भुता पर अनुरक्षण कार्य के चलते क्षेत्र के गांव में सुबह 11 से शाम चार बजे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी।

### मकान में पढ़ी जा रही नमाज रुकवायी

**भोजीपुरा, अमृत विचार :** एक मकान को मस्जिद का आकार देकर पढ़ी जा रही नमाज को पुलिस ने ग्रामीणों की शिकायत पर रुकवा दिया। पुलिस मस्जिद में लगे लाउडस्पीकरों को भी समेटकर ले गई। जानकारी के अनुसार भोजीपुरा थाना क्षेत्र के गांव दोहना पीतम राय की जयपुरिया गौंटिया में एक मकान को मस्जिद का आकार देकर नमाज पढ़ी जा रही थी। ग्रामीणों ने इस बात का विरोध किया तो उल्टे उन्हें धमकी दी गई। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत शुक्रवार को हिंदू युवा वाहिनी के मंडल अध्यक्ष से की थी। मंडल अध्यक्ष ने यूपी पुलिस को ट्वीट कर कार्रवाई की मांग की थी। भोजीपुरा प्रभारी निरीक्षक ने अधिकारियों के निर्देश पर शुक्रवार को परमीशन तलब की तो मौलाना मस्जिद की परमीशन नहीं दिखा सके। पुलिस ने मस्जिद में लगे लाउडस्पीकरों को उतार लिया है।

### घर में घुसकर किया जानलेवा हमला

**मीरगंज, अमृत विचार :** थाना क्षेत्र के गहवरा गांव में शुक्रवार को घर में घुसकर परिवार पर जानलेवा हमला किया गया। गांव के रमेश, तेजपाल और विकास पर राम बहादुर के घर में घुसकर मारपीट करने का आरोप है। इस हमले में राम बहादुर गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने रमेश तेजपाल और विकास के विरुद्ध संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# हाईवे पर ट्रक पलटा, फंसे वाहन

## गन्ने की खोई से भरा था ट्रक, हाईवे की सड़क पर चल रहा है मरम्मत का काम

संवाददाता, फरीदपुर

शाहजहांपुर हाईवे पर फरीदपुर में पूर्वी बाईपास पर लगे जाम में फंसे वाहन। ● अमृत विचार

**अमृत विचार :** शनिवार को शाम 4 बजे पूर्वी बाईपास कंजावाली ज्यारत के निकट गन्ने की सूखी खोई से भरा एक ट्रक पलट गया। इससे हाईवे की एक लेन पूरी तरह बाधित हो गई।

पचौमी गांव के निकट चल रहे सड़क निर्माण कार्य में पचौमी से फरीदपुर तक वाहनों के पहिए देर रात तक रेंगतें रहे। पुलिस जाम खुलवाने को मशक्कत कर रही थी। शाम होते-होते इस कदर जाम लग गया और फरीदपुर के कंजा वाली ज्यारत तक वाहनों की लाइनें लग गई। समाचार लिखे जाने तक पुलिस जाम खुलवाने में जूझ रही थी वाहनों को रोक रोक कर निकाला जा रहा था।लखनऊ दिल्ली हाईवे के बीच फरीदपुर के पास दो किमी तक कोई कट नहीं है। ऐसे में एनएचएआई सड़क में एक तरफ की मरम्मत करा रहा है। इस वजह से एक लेन पर ही यातायात चलता है। हाईवे पर ट्रैफिक अधिक होने से यहां शाम के बाद वाहनों की संख्या बढ़ती है तो एक लेन में दोनों तरफ के आवागमन होने से जाम लगता है इससे वाहनों की लंबी कतारे लग जाती हैं। इस समय गन्ने का सीजन चल रहा है। फरीदपुर के पास द्वारकेश चीनी मिल में दूर दूर से गन्ना आता है। ऐसे में कोई ट्रक पलट गया तो इससे भी सड़क बंद हो जाती है। पिछले दिनों गन्ने का ट्रक पलटने से सड़क पर गन्ना फैल गया था। तभी काफी देर तक जाम लगा रहा था। शाहजहांपुर के डीएम भी यहां लगने वाले जाम में फंस चुके हैं।

# मुकदमे में गवाही देने पर जान से मारने की धमकी

संवाददाता, नवाबगंज

**अमृत विचार :** दुष्कर्म के एक पुराने मुकदमे में गवाही देने से रोकने के लिए पीड़िता और उसके पति को जान से मारने की धमकी देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर अपनी और अपने पति की जान माल की सुरक्षा की गुहार लगाई, एसएसपी के आदेश पर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नवाबगंज थाना क्षेत्र कीमूल निवासी पीड़िता ने बताया कि 11 अप्रैल 2019 की रात करीब 11 बजे जब वह घर से बाहर गई थी, तभी गांव के ही शनि ने उसका मुंह दबाकर तमंचा दिखाया और दुष्कर्म किया। पिता ने घटना का मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़िता ने बताया कि दुष्कर्म का मुकदमा न्यायालय में गवाही में चल रहा है। आरोप है कि इसी को लेकर आरोपी शनि लगातार फोन पर गवाही देने पर जान से मारने और वीडियो इंटरनेट पर वायरल करने की धमकी दे रहा है। पीड़िता का आरोप है कि 3 दिसंबर को दोपहर आरोपी शनि अपने भाई वीरपाल पुत्र सियाराम के साथ उसके घर पहुंचा और जमकर शोर-शराबा किया। दोनों ने पीड़िता और उसके पति को खुलेआम जान से मारने की धमकी दी और मुकदमे में समझौता न करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी।

पीड़िता ने खुद के साथ ही अपने पति की जान को खतरा बताते हुए एसएसपी से कार्यवाही की मांग की जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## सरेआम मारपीट में 12 लोगों पर रिपोर्ट

**आंवला, अमृत विचार :** कस्बे में एक लड़के को रोककर सरेआम मारपीट करने के मामले में वीडियो वायरल हो गयी। पीडित के पिता ने दो नामजद और 8-10 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कस्बे के मोहल्ला अनुपुरा मौर्य की पुलिया निवासी जावेद खां ने बताया कि उसका बेटा अदनान खां कस्बे के ही एक कालेज में पढता है। तीन दिन पूर्व शाम 7 बजे उसका बेटा कस्बे में सामान लेने गया था। इसी बीच कस्बे के मोहल्ला गंज में वहां के ईशान, फरदीन और आठ, दस अज्ञात लोगों ने उसे रोककर बुरी तरह मारा पीटा।

# सराफ को नकली सोना थमाकर 65 हजार ठगे

संवाददाता, नवाबगंज

**अमृत विचार:** नगर के मोहल्ला चाणक्यपुरी बीजामऊ रोड के रहने वाले सर्राफ व्यापारी के साथ दो ठगों ने नकली सोना देकर 65 हज़ार रुपए की ठगी कर ली। भूपराम सर्राफ ने थाने में घटना की तहरीर देकर ठगी करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

भूपराम सर्राफ द्वारा दी गई तहरीर में बताया कि 12 दिसंबर को देर शाम थाना बरखेड़ा के रहने वाले दो युवक उसके पास आए और असली सोना बताकर उसे गिरवी रखने के बहाने 65 हजार रुपये ले लिए। युवकों द्वारा दिए गए सोने पर शक होने पर भूपराम ने शनिवार को उसकी जांच कराई, जिसमें वह पूरी तरह नकली निकला। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से नकली सोना थमाकर उसके साथ धोखाधड़ी की और 65 हजार रुपये हड़प लिए। ठगी का एहसास होते ही पीड़ित ने थाने पहुंचकर घटना की तहरीर दी। पुलिस ठगों की तलाश में जुटी है।

### ठग ने युवती को फर्जी मेसेज भेजकर 10 हजार रुपये ठगे

**नवाबगंज, अमृत विचार :** एक ठग ने एक युवती को फेक मैसेज भेज उससे 10 हजार रुपए अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। जब उसने अपने बैंक खाते का बैलेंस चेक किया तो उसे ठगी का एहसास हुआ। जिससे परेशान युवती साईबर क्राईम में आन लाईन शिकायत दर्ज करायी है। नवाबगंज थाना क्षेत्र के बिथरी गांव में सविता दुबे शनिवार को कस्बे में आयी हुई थी। इसी बीच किसी ठग ने उन्हें फोन कर बताया कि आपके भाई दीपक ने आपके नम्बर पर रुपए डालने को कहा था। मैंने आपके नम्बर पर 25 हजार रुपए डाल दिए हैं। उनमें से आप 15 हज़ार रुपये दीपक को दे देना बाकी 10 हज़ार रुपये एक दूसरे नंबर पर डाल दो। जब उसने अपने मोबाइल में मैसेज चेक किया तो उसमे 25 हजार रुपए खाते में आने का मैसेज थे। जिसे सच मानते हुए उसने उसके दिए बार कोड पर 10 हजार रुपए भेज दिये। जब उसके खाते से रुपए कटने के बाद शेष रुपयों का मैसेज आया तो उसे अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ। जिससे परेशान सविता ने साईबर क्राईम में आनलाईन शिकायत दर्ज करायी है। थाने में भी पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज की है। आनलाइन ठगी के बढ़े मामलों को लेकर पुलिस के पास केसों की संख्या बढ़ती जा रही है। वहीं वह जनता को ऐसे ठगो से बचने के लिए जागरुक भी कर रही है।

## केवाईसी के नाम पर खाते से उड़ाए रुपये

**भुता, अमृत विचार:** थाना क्षेत्र के गांव लाडपुर खटैली निवासी अनीश ने बताया उसके मोबाइल पर अनजान नंबर से फोन आने के बाद खाते की केवाईसी नहीं होने की बात कही गई। स्वयं को आंगनबाड़ी केन्द्र से बोलने की बात कही। इसके बादउनके यूपीआई पर पांच बार क्लिक कराकर खाते से 87,964 रुपये निकाल लिये। खाते से रुपये कटने का मैसेज आने पर अनीस को ठगी का अहसास हुआ। उसने दोबारा मोबाइल फोन मिलाकर बात करनी चाही लेकिन फोन बंद था। पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज करा दी है।


Lifelines OF BAREILLY — MEDICAL — अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

**फोकस नेत्रालय**
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

**डॉ. नितिन अग्रवाल**
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

**डॉ. प्रेम गंगवार**
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये नि:शुल्क सम्पर्क करें। | अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

**प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ**
**डा. दीक्षा गंगवार**
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट)
(के.जी.एम.यू. लखनऊ)
नि:शुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें +91 78952 78992
समय : प्रात: 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक
पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली

**डॉ. हारिस अंसारी**
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
**डॉ. एम. खान हॉस्पिटल**
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286


## ताले तोड़कर लाखों का सामान चोरी

**कैंट, अमृत विचार :** थाना क्षेत्र के एक गांव में स्थित राजकीय इंटर कॉलेज के दरवाजों के ताले तोड़कर लाखों का सामान चोरी कर लिया गया। प्रधानाचार्य ने शनिवार को अज्ञात चोर के खिलाफ चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

क्यारा के गांव उमरसिया स्थित राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य केहरि लाल ने बताया, कि 12 दिसंबर को सुबह जब विद्यालय खोला तो प्रधानाचार्य कक्ष, स्टाफ कक्ष, प्रयोगशालाओं व अन्य कई कमरों के ताले टूटे थे। कमरों में रखा हुआ सामान व स्कूली पंजिकाएं तथा दस्तावेज गायब थे। प्रयोगशालाओं की टंकियां, प्रयोग सामग्री व अन्य कमरों के वॉश बेसिन समेत शौचालयों की टंकियां भी गायब थीं।

# हिंदू समाज को दावत खिलाई, फतवा जारी

**भोजीपुरा, अमृत विचार :** बहावी मत को मानने वाले एक व्यक्ति की बेटी की शादी में हिंदू समाज को दावत खिलाने से सुन्नी जमात के लोग नाराज हो गए। मौलानाओं ने व्हाट्सएप ग्रुप पर फतवा जारी कर सुन्नी जमात के लोगों को दावत खाने रोक दिया। इससे पीड़ित ताहिर अली का करीब छह लाख रुपये का नुकसान हुआ है। पीड़ित ने एसएसपी से शिकायत की है। एसएसपी ने भोजीपुरा प्रभारी निरीक्षक को जांच के आदेश दिये हैं।

जानकारी के अनुसार मोहम्मदपुर जाटान निवासी ताहिर अली की बेटी की शादी 3 दिसंबर को थी। ताहिर ने 1 दिसंबर को गांव और मिलने वाले हिंदू समाज के लोगों के लिए दावत खिलाई। 2 दिसंबर को मुस्लिम समाज के लोगों की दावत के लिए खाना बनवाया। आरोप है कि क्षेत्र के कुछ कट्टरपंथियों ने व्हाट्सग्रुप पर भड़काऊ बातें लिखीं। इसका पालन नहीं किया तो फतवा जारी कर मुस्लिम समुदाय को दावत में जाने से रोक दिया। इससे सैकड़ों लोगों के लिए बनवाया गया खाना धरा रह गया और उसे लाखों रुपये का नुकसान हुआ। ताहिर ने एसएसपी को शिकायती पत्र सौंपा।

**न्यूज डायरी**

### राजकीय स्कूल के वार्षिकोत्सव में हुआ पुरस्कार वितरण समारोह

**राजपुर/अलीगंज,अमृत विचार :** राजकीय स्कूल बसंतपुर मझगवां के वार्षिकोत्सव में छात्र-छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। मुख्य अतिथि बसंतपुर के प्रधान महिपाल सिंह यादव ने वार्षिकोत्सव का शुभारंभ किया। छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक पेश किये। लोक नृत्य, गायन, नाटक एवं आकर्षक रंगोली भी बनाई गई। जिसे मुख्य अतिथि समेत अभिभावकों ने भी सराहा। खेलकूद, वाद-विवाद, निबंध सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रधानाध्यापिका डॉ. संगीता पाल ने विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को सफल बनाने में रुचि सिंह, विभा एवं डौली डी. सिंह आदि रहीं।

### नवोदय प्रवेश परीक्षा में 667 परीक्षार्थियों में से 222 ने छोड़ी

**शेरगढ़, अमृत विचार :** लाजपत राय इंटर कॉलेज में जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में सुचिता के साथ संपन्न हुई। इस दौरान कुछ परीक्षार्थियों ने प्रश्न पत्र को सरल तो कुछ ने कठिन बताया। शनिवार को आयोजित प्रवेश परीक्षा में 284 बच्चों के आवेदनों के सापेक्ष 178 परीक्षार्थी ही परीक्षा में शामिल हुए जबकि 106 बच्चे परीक्षा को अलविदा कह गए। **रिठौरा में** , जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में 116 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। प्रवेश परीक्षा के लिए विद्यालय के केन्द्र पर 373 परीक्षार्थी पंजीकृत थे लेकिन 257 छात्र-छात्राओं ने ही नवोदय विद्यालय के कक्षा छह में प्रवेश के लिए परीक्षा दी। इस दौरान केंद्र व्यवस्थापक आशीष कुमार सिंह, डा. हरमीत सिंह, राजपाल सिंह, रघुवीर सरन, कुसुम गंगवार, सोमेश,आकाश गंगवारआदि रहे।

### मानस स्थली में क्रिकेट टूर्नामेंट में केपीएस बना विजेता

**बरेली, अमृत विचार :** मामानस स्थली आवासीय विद्यालय के दशरथ स्टेडियम में आयोजित इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रोमांच और उत्साह से भरपूर रहा। फाइनल में कृष्णा पब्लिक स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सोबती पब्लिक स्कूल को 120 रनों के बड़े अंतर से पराजित कर विजेता का खिताब अपने नाम किया।

फाइनल मैच का उद्घाटन मानस स्थली ट्रस्ट के अध्यक्ष सत्येंद्र प्रकाश गोयल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। मैच के समापन पर उन्होंने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान कर बधाई दी। मैच में सोबती पब्लिक स्कूल ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए कृष्णा पब्लिक स्कूल की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 182 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से आयुष सिंह ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 58 गेंदों पर 60 रन बनाए। अंश सिंह ने 35 गेंदों पर 42 रन की उपयोगी पारी खेली, जबकि रूद्र ने 21 गेंदों पर 15 रन का योगदान देकर टीम के स्कोर को मजबूती प्रदान की। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सोबती पब्लिक स्कूल की टीम 20 ओवर में मात्र 62 रन ही बनाए। एसबीएस की ओर से मोहम्मद हाजमा ने 56 गेंदों पर 36 रन बनाए।

# ट्रेन हादसे में युवक की गई जान, साथी घायल

- पालम स्टेशन पर हादसे में बेहटा बुजुर्ग के युवक आए चपेट में
- पांच बेटियों का पिता दिल्ली में रेड़ी लगाकर परिवार पालता था

संवाददाता, बिशारतगंज

मृतक सुमेरी

**अमृत विचार :** थाना क्षेत्र के बेहटा बुजुर्ग गांव निवासी एक युवक की दिल्ली के पास ट्रेन हादसे में मृत्यु हो गई, जबकि उसका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की खबर से गांव में मातम का माहौल है।

गांव निवासी नेतराम कश्यप के अनुसार, उनका छोटा भाई सुमेरी कश्यप (35 वर्ष) दिल्ली में रेड़ी लगाकर काम करता था। शुक्रवार शाम खाना खाने के बाद वह टहलने के लिए घर से बाहर निकला। इसी दौरान फोन पर बात करते हुए वह पालम रेलवे स्टेशन की ओर पहुंच गया। तभी अचानक पीछे से आ रही तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बताया गया कि गांव का ही नन्नू उसे तलाशते हुए स्टेशन पहुंचा, जिसने सुमेरी को बचाने की कोशिश की लेकिन वह भी ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल युवक को दिल्ली से लाकर बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। शनिवार को शव गांव लाए जाने के बाद सुमेरी का अंतिम संस्कार किया गया। सुमेरी के पीछे उसकी पांच बेटियां हैं।

### किशोरी को प्रेमजाल में फंसाकर ले गया युवक

**नवाबगंज, अमृत विचार :** युवक ने एक दलित किशोरी को अपने प्रेमजाल में फंसाकर ले गया और उसके साथ दुराचार किया। किशोरी के पिता ने थाने में तहरीर दी तो पुलिस के डर से आरोपी किशोरी को उसके घर के पास छोड़कर फरार हो गया। नवाबगंज थाना क्षेत्र की परिवार के साथ किशोरी रहती थी। घर में ही किशोरी की दुकानें बनी हुई है जिसमें थाना जहानाबाद पीलीभीत निवासी युवक टायर पंचर की दुकान चलाता था दुकान चलाते चलाते आरोपी के किशोरी से संपर्क हो गए और युवक ने किशोरी को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। परिजनों को जानकारी होने पर उन्होंने दुकान खाली करा ली। लेकिन आरोपी छुपछुप कर किशोरी से मिलता रहा। आरोप है 3 दिन पूर्व आरोपी युवक किशोरी को अपने साथ ले गया और दुराचार किया किशोरी का गायब देखकर किशोरी के पिता ने थाने में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।


अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
**क्लासीफाइड**
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

**सूचना**
हमने अपने पुत्र मोहम्मद फरीद से उसके दुर्व्यवहार के कारण सम्बंध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में वह अपने लेन-देन, कृत्यों आदि का स्वयं जिम्मेदार होगा । हमारा व हमारे परिवार का कोई वास्ता नहीं होगा। **इरशाद शाह पुत्र मोहब्बत शाह, नगीना पत्नी इरशाद शाह निवासीगण-आलमपुर गजरौला,थाना बिथरी चैनपुर, बरेली ।**

**वैधानिक सूचना :-** समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

## क्या है घोषणा

केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने 21 नवंबर को घोषणा की कि चार संहिताएं जल्द ही पूरे देश में लागू हो जाएंगी :

- वेतन संहिता, 2019
- औद्योगिक संबंध संहिता, 2020
- सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020
- व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशा संहिता, 2020 (OSHWC)

# मजदूरों का भविष्य और नए श्रम कानून

पांच साल से ज्यादा की प्रक्रिया के बाद भारत ने चार नए श्रम संहिताओं को लागू कर दिया है। ये संहिताएं 29 पुराने कानूनों को समाप्त कर देंगी, जो ब्रिटिश काल से लेकर यूपीए सरकार तक फैले हुए थे। सरकार का कहना है कि ये सुधार मजदूरों की औपचारिकता, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा देंगे। एक ऐसा कदम, जो कृषि कानून सुधारों की तरह राजनीतिक विरोध का शिकार हो रहा है, लेकिन वास्तव में मजदूरों के लंबे समय से लंबित हितों को मजबूत करेगा। मेरी राय में, ये संहिताएं कुछ चुनौतियां लाती हैं, लेकिन कुल मिलाकर सरकार की दृष्टि से मजदूरों की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को मजबूत करती हैं। नियोक्ताओं को लचीलापन देकर रोजगार सृजन को बढ़ावा देती हैं, जबकि पुराने कानूनों की जटिलताओं को दूर करती हैं। आइए, तथ्यों और कानूनी आधार पर नजर डालते हैं।

आलोक तिवारी
वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ

## क्या है देरी का कारण

श्रम समवर्ती सूची का विषय है, इसलिए केंद्र और राज्यों को समन्वित नियम बनाने पड़ते हैं। केंद्र ने 2020 में ड्राफ्ट नियम जारी कर दिए थे, लेकिन जुलाई 2025 तक कुछ राज्य जैसे पश्चिम बंगाल और लक्षद्वीप पिछड़ गए। दिल्ली और तमिलनाडु ने भी कुछ संहिताओं में देरी की। सरकार का मानना है कि ये देरी मुख्य रूप से राज्यों की सुस्ती से हुई, लेकिन अब केंद्र की सक्रियता से प्रक्रिया तेज हुई है-एक उदाहरण कि कैसे केंद्र 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' के सिद्धांत पर चल रहा है।

## प्रमुख बदलावः मजदूरों के लिए अवसरों का विस्तार

- सरकार का दावा है कि ये संहिताएं रोजगार को औपचारिक बनाएंगी, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करेंगी और अनुपालन को सरल करेंगी, जो अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के मानकों से मेल खाते हैं।
- **मुख्य फीचर्सः** अनिवार्य नियुक्ति पत्र इस कानून के बाद सभी नियोक्ताओं को सभी मजदूरों को अनिवार्य रूप से नियुक्ति पत्र देना होगा, जो पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा।
- **गिग वर्कर्स को सुरक्षाः** उबर, स्विगी जैसे प्लेटफॉर्म वर्कर्स को ईपीएफ, ईएसआई और दुर्घटना बीमा का प्रावधान-एक सकारात्मक कदम है, जो 40 करोड़ असंगठित मजदूरों को जोड़ेगा। ये संहिताएं संविधान के अनुच्छेद-43 (जीविका मजदूरी) और अनुच्छेद-39 (समान वेतन) के अनुरूप हैं, जो मजदूरों के हितों की रक्षा करते हैं।
- **राष्ट्रीय स्तर पर न्यूनतम श्रम वेतन :** कोई राज्य केंद्र द्वारा निर्धारित मजदूरी दर से कम नहीं दे सकेगा। हां उससे ज्यादा दे सकते हैं और वेतन निश्चित रूप से प्रत्येक माह की 7 तारीख तक देना होगा, जो क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करेगी। अध्ययनों से पता चलता है कि ऐसे सुधार उत्पादकता बढ़ाते हैं और औपचारिक रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करते हैं।
- **महिलाओं के लिए खुला द्वार :** महिलाओ को रात की शिफ्ट और सभी कामों (खदानें सहित) में समान भागीदारी का रास्ता ही नहीं खोलता है, समान वेतन की बात भी करता है और ट्रांसजेंडर भेदभाव पर रोक लगता है, जो महिलाओं की कार्यबल भागीदारी को बढ़ाएगा, जैसा कि मातृत्व लाभ संशोधन अधिनियम-2017 में 26 सप्ताह की छुट्टी देने से परिलक्षित हुआ था। महिलाओ से भेद-भाव पर 50000 रुपये का जुर्माना।
- बेसिक वेतन कुल CTC का कम से कम 50 प्रतिशत देना होगा। इससे पीएफ /ग्रेच्युटी की राशि बढ़ेगी, लेकिन घर ले जाने वाले वेतन में कमी आएगी। सरकार का तर्क है कि इसके द्वारा वह लंबे समय में रिटायरमेंट सुरक्षा मजबूत करना चाहती है, क्योंकि पीएफ और ग्रेच्युटी की राशि बढ़कर मिलेगी।
- छोटी इकाइयों (300 से कम मजदूर) को कई प्रावधानों से छूट दी गई है, जिससे करोड़ों मजदूर, जो 300 से कम संख्या वाले संस्थान में काम करेंगे, वे न्यूनतम वेतन, सुरक्षा और सामाजिक लाभ से वंचित रह जाएंगे। आलोचना है कि ये संहिताएं असंगठित क्षेत्र को औपचारिक बनाने की बजाय अनौपचारिकता को बढ़ावा देंगी।
- कानूनी आधार पर, ये संहिताएं राष्ट्रीय श्रम आयोग (2002) की सिफारिशों पर आधारित हैं, जो 4-5 कोड बनाने का सुझाव देती थीं। आंकड़ों से, ईएसआईसी का विस्तार 566 से 740 जिलों तक हुआ है और सदस्यता 13.5 करोड़ से 50 करोड़ तक बढ़ी है-ये सुधार मजदूरों को वास्तविक लाभ पहुंचाएंगे। फैक्ट्री लाइसेंस की थ्रेशोल्ड बढ़ाने से छोटी इकाइयों को राहत मिलेगी, लेकिन सरकार का कहना है कि इससे करोड़ों मजदूर न्यूनतम वेतन और सुरक्षा के दायरे में आ जाएंगे, जिससे ठेका मजदूरी को विनियमित कर फिक्स्ड-टर्म कर्मचारियों को स्थायी लाभ के अवसर मिल पाएंगे। कुल मिलाकर, ये बदलाव नियोक्ताओं के लिए आसानी लाते हैं, लेकिन मजदूरों के लिए सामाजिक सुरक्षा का जाल भी बिछाते हैं-खासकर जब 50 करोड़ मजदूरों को कवर किया जाएगा, जिसमें 90 प्रतिशत असंगठित क्षेत्र शामिल है।

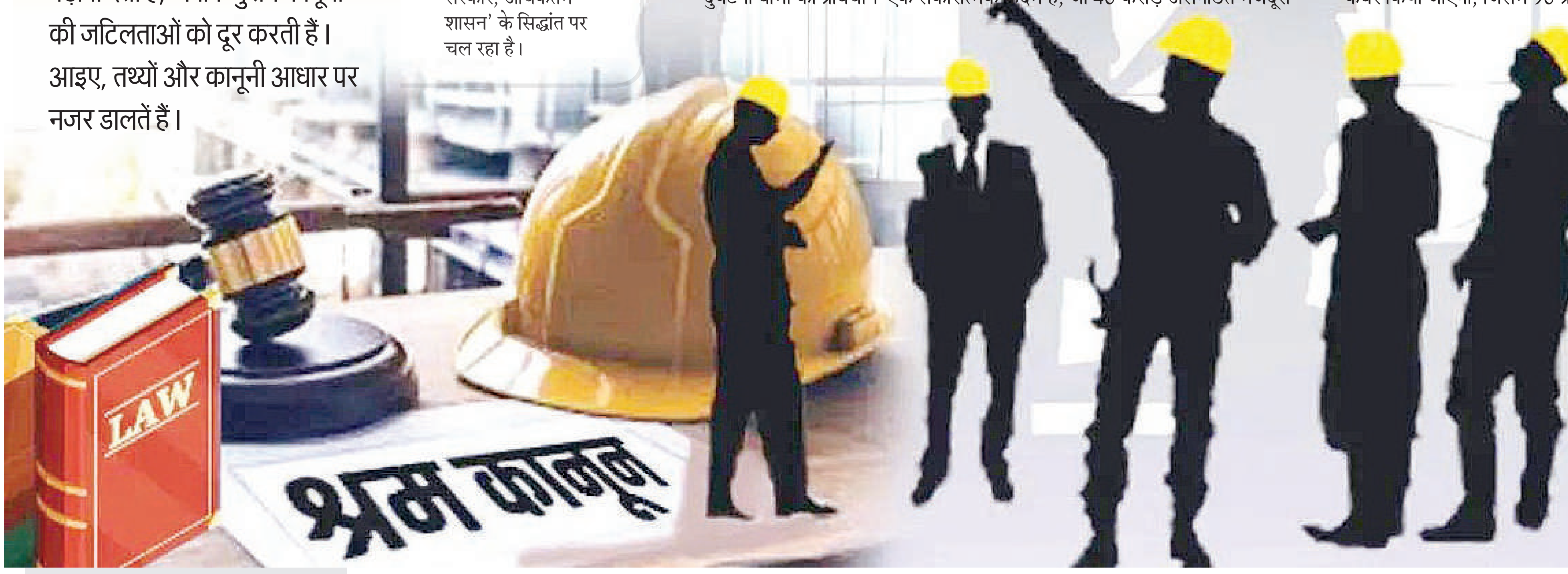


## नियोक्ताओं की प्रतिक्रिया निवेश और विकास का स्वागत

बड़ी कंपनियों के संगठन जैसे CII और FICCI ने इनका जोरदार समर्थन किया है। CII के निर्वाचित अध्यक्ष आर. मुकुंदन का कहना है कि ये कानून श्रम क्षेत्र की जटिल प्रक्रियाओं को सरल बनाएंगे, विवाद कम करेंगे और ज्यादा निवेश आकर्षित करेंगे, जो आर्थिक विकास को गति देगा।

एमएसएमई संगठन चिंतित हैं कि परिचालन खर्च 25 से 30 प्रतिशत तक बढ़ सकता है, लेकिन सरकार अवस्था परिवर्तनकालिक राहत और कम जुर्माने की दिशा में काम कर रही है। मेरी दृष्टि से, एमएसएमई की चिंता जायज है, लेकिन ये संहिताएं लंबे समय में छोटे व्यवसायों को भी मजबूत करेंगी, क्योंकि अनुपालन सरल होगा और 'इंस्पेक्टर राज' खत्म होगा।

## ट्रेड यूनियनों का विरोधः राजनीतिक या पुरातन

बीएमएस को छोड़कर कुछ केंद्रीय ट्रेड यूनियन (INTUC, AITUC, CITU आदि) इनका विरोध कर रही हैं, 2019 से 2025 तक हड़तालें कर। उनका तर्क है कि राज्य के न्यूनतम वेतन के अधिकार छीने जा रहे हैं, हड़ताल पर 14 दिनों का नोटिस और यूनियन पर सीमाएं लादी जा रही हैं, लेकिन सरकार का कहना है कि ये प्रावधान पुराने कानूनों की जटिलताओं को दूर करते हैं और हड़ताल का अधिकार बरकरार है-बस पारदर्शिता बढ़ाई गई है। कृषि सुधारों की तरह, ये विरोध राजनीतिक लगते हैं, जबकि संहिताएं मजदूरों को ई-श्रम पोर्टल और यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) जैसी सुविधाओं से जोड़ती हैं। महिलाओं की रात शिफ्ट में सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रावधान अनुच्छेद-42 (मातृत्व राहत) के अनुरूप ही हैं।

## प्राइवेट मेंबर बिल ने बढ़ा दी श्रमिक कानूनों पर चर्चा

इसी बीच संसद में एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने श्रमिकों को छुट्टी और व्यक्तिगत जीवन में तारतम्य से संबंधित एक प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया है और इस बिल की बहुत चर्चा भी हो रही है। यह बिल सवाल खड़े करता है कि क्या श्रमिकों की 8-10 घंटे की नौकरी सच में 8-10 घंटे तक रह गई है? या फिर वाट्सएप, ई-मेल और जूम मीटिंग्स ने कर्मचारियों को चौबीस घंटों का मजदूर बनाकर रख दिया है?

इसी सच्चाई और जीवन पर पड़ते इसके असर को सुधारने के लिए 5 दिसंबर को लोकसभा में पेश इस बिल ने देश की वर्क कल्चर पर एक नई बहस छेड़ दी है। इस बिल का उद्देश्य साफ है कि कर्मचारी काम के तय घंटे खत्म होने के बाद या छुट्टियों में ऑफिस से आए फोन कॉल, ई-मेल या मैसेज का जवाब देने के लिए कानूनी रूप से बाध्य न हो अर्थात उन्हें स्वतंत्रता हो कि वे अपनी छुट्टी के समय या ऑफिस के बाद के अपने पारिवारिक व्यक्तिगत समय में ऑफिस का कोई कार्य या संदेश ग्रहण न करें और इसके लिए उनके विरुद्ध कोई प्रशासनिक कार्यवाही भी प्रारंभ न की जा सके। यानी यह बिल कर्मचारी के वर्क-लाइफ बैलेंस को कानून की सुरक्षा देता है। इसके तहत एक Employees Welfare Authority बनाने का प्रस्ताव भी है।

यह बिल इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि डिजिटल दौर ने "ऑफिस" और "निजी जीवन" की सीमा लगभग मिटा दी है। आज का कर्मचारी नींद की कमी में जी रहा है, तनाव में काम कर रहा है और परिवार के बीच होते हुए भी अकेला महसूस कर रहा है, क्योंकि उससे हर समय ऑन-ड्यूटी रहने की अपेक्षा की जाती है। कई कर्मचारी ऑफिस समय के घंटों बाद भी काम से जुड़े रहते हैं। नतीजा मानसिक थकावट, बर्न-आउट, पारिवारिक समय की कमी और अकेलापन और स्वास्थ्य में बड़ी गिरावट। यह बिल कहता है कि कर्मचारी मशीन नहीं है, उसका भी निजी जीवन है।

वहीं इस बिल को लेकर उद्योग जगत की चिंताएं भी सामने हैं। IT, स्वस्थ्य विभाग और मीडिया क्षेत्र के कार्य 9 से 5 तक सीमित नहीं किए जा सकते हैं और 24 घंटे वाली आपातकालीन सेवाओ पर तो बंधन मरीजों के जीवन पर एक बड़ा खतरा उत्पन्न कर सकता। वहीं विदेशी ग्राहकों, नियत समय पूरी की जाने वाली परियोजनाओं तथा इमरजेंसी कार्यों के लिए यदि कर्मचारी फोन उठाने से ही मनाकर देगा तो क्या होगा? छोटी कंपनियां तो घाटे से बंद हो जाएंगी। असली सवाल यही है कि कानून तभी सफल होगा जब अनावश्यक दबाव रुकें, लेकिन जरूरत पड़ने पर ओवरटाइम, शिफ्ट सिस्टम और अतिरिक्त काम के भुगतान की व्यवस्था बनी रहे। फ्रांस, स्पेन, पुर्तगाल, बेल्जियम और आयरलैंड में राइट-टू-डिस्कनेक्ट कानून पहले से लागू है। वे देश पीछे नहीं गए-वहां प्रोडक्टिविटी भी बढ़ी और कर्मचारी संतुष्टि भी। काम जरूरी है, लेकिन इंसान की गरिमा और सेहत उससे भी ज्यादा जरूरी है।

## आगे की राहः संवाद से सफलता

केंद्र संशोधित ड्राफ्ट नियम दोबारा जारी कर 45 दिन की टिप्पणी अवधि देगा। कुछ विपक्षी राज्य विरोध कर रहे हैं, लेकिन सरकार भारतीय श्रम सम्मेलन बुलाने को तैयार है। नियोक्ता फैक्ट्री स्तर पर चर्चा चाहते हैं। मेरी राय में, बिना त्रिपक्षीय संवाद के चुनौतियां बनी रहेंगी, लेकिन सरकार की दृष्टि से ये संहिताएं मजदूरों के हितों को प्राथमिकता देती हैं, क्योंकि सच्ची सुधार प्रक्रिया मजदूरों की भागीदारी से ही संभव है। संहिताएं आधुनिक भारत की जरूरत भी हैं, लेकिन वर्तमान रूप में मजदूरों के हितों को कुछ-कुछ नजर अंदाज भी करती हैं। यदि क्रियान्वयन मजदूर-केंद्रित हुआ तो क्रांति हो सकती है, वरना असमानता का नया दौर शुरू। मजदूर खुद इसका फैसला लिखेंगे।

गठिया (आर्थराइटिस) आज की सबसे सामान्य और परेशान करने वाली स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। यह रोग केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं, मध्यम आयु के लोगों और कई बार किशोरों में भी देखा जाता है। आधुनिक परिवेश में बदलती जीवनशैली, गलत भोजन की आदत, कम शारीरिक गतिविधि और तनाव इसके प्रमुख कारण बनते जा रहे हैं। गठिया वह अवस्था है, जिसमें शरीर के किसी भी जोड़ में सूजन, दर्द, कठोरता और गतिशीलता में कमी आ जाती है। समय रहते उपचार न होने पर यह रोग व्यक्ति की दैनिक गतिविधियों कार्यक्षमता और जीवन की गुणवत्ता को बेहद प्रभावित कर सकता है।

# ठंडी हवा का जोड़ों पर असर

## कारण, लक्षण और आयुर्वेदिक राहत

गठिया दरअसल जोड़ों में होने वाली सूजनजनित अवस्था का सामूहिक नाम है। यह एक एकल रोग नहीं, बल्कि 100 से अधिक प्रकार के जोड़ों के विकारों का समूह है। प्रमुख रूपों में ऑस्टियोआर्थराइटिस (हड्डियों का घिसना), रूमेटाइड आर्थराइटिस (प्रतिरक्षा तंत्र द्वारा जोड़ों पर हमला), गठिया/गाउट (यूरिक एसिड बढ़ने से) तथा स्पॉन्डिलाइटिस (रीढ़ का गठिया) शामिल हैं। प्रत्येक रूप की अपनी विशिष्टता, कारण, लक्षण और उपचार पद्धति होती है। उदाहरण के लिए ऑस्टियोआर्थराइटिस उम्र, मोटापे, अत्यधिक शारीरिक श्रम या जोड़ पर अधिक भार डालने वाली गतिविधियां, जोड़ की पुरानी चोटें, आनुवांशिक कारण और हार्मोनल परिवर्तन से होता है, जबकि रूमेटाइड आर्थराइटिस प्रतिरक्षा तंत्र की त्रुटियों से उत्पन्न एक जटिल बीमारी है (शरीर की इम्यून कोशिकाएं बाहरी रोगाणुओं के बजाय जोड़ों की झिल्ली को ही शत्रु समझकर हमला करती हैं)। इसी कारण रूमेटाइड आर्थराइटिस को स्व-प्रतिरक्षी रोग कहा जाता है।

### गठिया के कारण

गठिया के कारण बहुआयामी हैं। बढ़ती उम्र सबसे सामान्य कारण है, लेकिन जीवनशैली भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अत्यधिक वजन जोड़ों पर दबाव डालता है और कार्टिलेज को जल्दी घिसाता है। गलत खान-पान, लंबे समय तक एक ही जगह बैठे रहना या शारीरिक श्रम की कमी भी जोड़ों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है। कुछ लोगों में यह समस्या अनुवांशिक भी हो सकती है। प्रतिरक्षा से जुड़े विकारों के कारण रूमेटाइड आर्थराइटिस जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। इसके अतिरिक्त ठंडा पानी, अचानक मौसम परिवर्तन, चोट, संक्रमण, विटामिन-डी और कैल्शियम का अभाव भी जोड़ों को कमजोर करता है।

### लक्षण और पहचान

गठिया के लक्षण शुरुआत में हल्के होते हैं, लेकिन धीरे-धीरे बढ़ते जाते हैं। सबसे आम लक्षणों में दर्द, सूजन, जकड़न, और जोड़ का लाल होना शामिल है। सुबह उठते समय जकड़न कई बार एक घंटा या उससे अधिक समय तक रहती है। कुछ रोगियों में जोड़ छूने पर गर्म महसूस होता है। चलते-फिरते समय दर्द बढ़ना, सीढ़ियां चढ़ने में कठिनाई, बैठने-उठने में दिक्कत और थकान भी सामान्य लक्षण हैं। रूमेटाइड आर्थराइटिस में कई बार पूरे शरीर में कमजोरी, हल्का बुखार तथा हाथ-पैरों की उंगलियों में विकृति भी उत्पन्न हो सकती है। यदि ये लक्षण नियमित रूप से बने रहें, तो विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श अनिवार्य है।

### कारण और निदान

आयुर्वेद गठिया को आमवात, संधिवात, वातरक्त आदि नामों से वर्णित करता है। आयुर्वेद के अनुसार जब शरीर में आम (अधपचा विषाक्त पदार्थ) बनता है और यह वात दोष के साथ मिलकर जोड़ों में जमा होता है, तब दर्द, सूजन और अकड़न पैदा होती है। निदान के लिए आयुर्वेद नाड़ी-परीक्षा, दोष-विचार, धातु और मल की स्थिति, तथा रोगी के आहार-विहार का विश्लेषण करता है। आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार वात दोष को शांत करना, आम को शरीर से निकालना और दोषों का संतुलन स्थापित करना ही उपचार का मूल आधार है।

### आयुर्वेदिक उपचार औषधि और जीवनशैली सुधार

आयुर्वेद में गठिया के उपचार का पहला चरण शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालना है। इसके लिए त्रिफला, अश्वगंधा, दशमूल, योगराज गुग्गुलु, महारसायन आदि औषधियों का उपयोग किया जाता है। हालांकि दवाइयां रोगी की अवस्था, उम्र, दोष और रोग की अवधि के अनुसार ही दी जाती हैं, इसलिए विशेषज्ञ परामर्श अनिवार्य है।

#### पंचकर्म चिकित्सा

- विशेषकर अभ्यंग, स्वेदन, बस्ति, पिंड स्वेद-जोड़ों की सूजन कम करने, रक्त संचार बढ़ाने और वात दोष को संतुलित करने में अत्यंत प्रभावी हैं।
- अभ्यंग (विशेष औषधीय तेल से शरीर का स्नेहन) जो रक्तसंचार बढ़ाकर कठोरता और दर्द को कम करता है।

#### स्वेदन (भाप चिकित्सा)

- जोड़ों में फंसी हुई वात को बाहर निकालने में अत्यंत सहायक।
- बाह्य बस्ति (बाह्य बस्ती और स्थानीय बस्ती)
- इन विशेष उपचारों में औषधीय तेल को जोड़ या रीढ़ पर एक निश्चित समय तक रखा जाता है।

#### यह उपचार

- ऑस्टियोआर्थराइटिस, संधिवात, घुटनों की जकड़न में अत्यंत प्रभावी माना जाता है।
- आंतरिक बस्ति (आंतरिक बस्ती-औषधीय एनीमा चिकित्सा) आयुर्वेद में गठिया का श्रेष्ठतम उपचार।
- औषधियों के अनुसार विशेष "कालेय बस्ति क्रम" तथा "अनुवासन बस्ति" दी जाती है।

#### पिंड स्वेद और नस्य

- कंधे, गर्दन और रीढ़ से जुड़े गठिया के रोगों में अत्यंत लाभदायक।
- आहार-विहार भी उतना ही महत्वपूर्ण है। गर्म, सत्वयुक्त भोजन, हल्की दालें, घी, हल्दी, अदरक, लहसुन, हरी सब्जियां और पर्याप्त जल सेवन उपयोगी हैं। दही, ठंडा पानी, जंक फूड, बैंगन, भारी-भरकम भोजन तथा रात का बचा हुआ खाना गठिया बढ़ाता है।

- योग-जैसे मार्जरी आसन, भुजंगासन, ताड़ासन, वृक्षासन जोड़ों को लचीला बनाते हैं। कुछ स्थितियों में आधुनिक निदान अत्यंत आवश्यक है। X-ray, MRI, RA Factor, ESR, CRP और Uric Acid Test रोग की प्रकृति समझने में मदद करते हैं। आधुनिक चिकित्सा लक्षणों को नियंत्रित करती है, जबकि आयुर्वेद मूल कारण की चिकित्सा करता है। दोनों का संतुलित उपयोग कई रोगियों के लिए अधिक प्रभावी सिद्ध होता है।

**रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल बरेली,** क्षेत्रीय समुदाय को आयुर्वेद आधारित सुरक्षित और प्राकृतिक चिकित्सा प्रदान करने के लिए विशिष्ट स्थान रखता है। यहां का आयुर्वेदिक OPD गठिया के रोगियों के लिए विस्तृत परामर्श उपलब्ध कराता है, जहां अनुभवी आयुर्वेदिक चिकित्सक परीक्षण, दोष मूल्यांकन और रोग के स्तर का विश्लेषण करते हैं। संस्थान में मौजूद पंचकर्म विभाग गठिया के उपचार में अत्यंत उपयोगी है। यहां अभ्यंग, स्वेदन, बस्ति, जानु बस्ति, कटि बस्ति, पिंड स्वेद जैसी विशेष थेरपी दी जाती हैं, जो दर्द, सूजन और जकड़न कम करने में सहायक हैं। इसके साथ ही, मरीजों को व्यक्तिगत रूप से आहार, जीवनशैली और योग अभ्यास की सलाह दी जाती है ताकि वे लंबे समय तक स्वस्थ रह सकें। समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर, ग्रामीण-शहरी जागरूकता कार्यक्रम और निःशुल्क जांच शिविर आयोजित कर समाज के उन लोगों तक भी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाता है, जो नियमित उपचार का खर्च वहन नहीं कर पाते। कॉलेज और अस्पताल की यह सामुदायिक सेवा गठिया जैसे बढ़ते रोग के नियंत्रण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

गठिया एक दीर्घकालिक और धीरे-धीरे बढ़ने वाली समस्या है, लेकिन समय पर निदान और संतुलित उपचार से इसे काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। आयुर्वेद शरीर के भीतर की विकृति को सुधारकर, दोष संतुलित कर जोड़ों की प्राकृतिक शक्ति बढ़ाकर दीर्घकालिक राहत प्रदान करता है।

# वज्रदंती आयुर्वेद की अत्यंत प्रभावी औषधि

दुनियाभर में कई आयुर्वेदिक औषधियां मौजूद हैं, जिनके बारे में हम नहीं जानते, लेकिन आयुर्वेद में उनका औषधि के रूप में उपयोग किया जाता है और वे भारत में कई जगह आसानी से उपलब्ध हैं। वज्रदंती एक कांटेदार, पीले फूल वाला झाड़ीदार पौधा है। यह पौधा अपनी पत्तियों और फूलों के कारण जाना जाता है, जिनमें छोटे-छोटे पीले, घंटी के आकार के फूल होते हैं। इसके पत्ते छोटे और नुकीले होते हैं। इसका वानस्पतिक नाम बारलेरिया प्रियोनाइटिस है। यह ज्यादातर बरसात के मौसम में देखने को मिलता है। आप इसे पहाड़ी इलाकों और नदी के किनारे अधिक पाएंगे।

अनामिका शुक्ला
लेखिका

आयुर्वेद में इसका नाम काफी चर्चित है। इसका सेवन कई प्रकार की बीमारियों से राहत प्रदान करता है। प्राचीन समय से यह पारंपरिक चिकित्सा में उपयोग किया जा रहा है। वज्रदंती बुखार, सांस संबंधी समस्याओं, दांतों और जोड़ों के दर्द में काफी मददगार माना जाता है। वज्रदंती एंटीसेप्टिक गुणों से भरपूर होता है, इसलिए यह त्वचा संबंधी विकारों को दूर करने में भी सहायक है। इसे पीला पियाबांसा के नाम से भी जाना जाता है, हालांकि संस्कृत में इसका नाम वज्रदंती ही है। मौसम समाप्त होने के बाद इसके फूल-पत्ते झड़ जाते हैं, लेकिन इसकी जड़ हमेशा जीवित रहती है, जिसका उपयोग वर्षभर किया जा सकता है। वज्रदंती ऐसा पौधा है, जिसकी छाल, पत्तियों, जड़ और फूल सभी का उपयोग काढ़ा या चूर्ण बनाकर किया जाता है। यह हर रूप में असरदार माना जाता है।

### घबराहट और तनाव कम करें

तनाव हमारे आधुनिक जीवन का हिस्सा बनता जा रहा है, जिसे दूर करना बेहद जरूरी है। इसे दूर करने के लिए आप वज्रदंती का सहारा ले सकते हैं। वज्रदंती की पत्तियों में पाए जाने वाला हाइड्रॉक्सीफ्लेवॉन नामक कैमिकल आपको चिंता और घबराहट से लड़ने में आपकी मदद करता है।

### दांतों में मददगार

वज्रदंती को दांतों की सेहत का ख्याल रखने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। कई कंपनियां वज्रदंती को दातों के मंजन बनाने के लिए भी इस्तेमाल करती हैं। आपने इससे बने मंजन के बारे में जरूर सुना होगा। वज्रदंती से बना चूर्ण या इससे बना मंजन आपके दांतों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होता है।

इसमें मौजूद एंटी डॉन्टालजिक गुण आपके दांतों में हो रही सड़न, मसूड़ों की सड़न और दांत से आ रहे खून को रोकने में बेहद कामगर साबित होते हैं। वज्रदंती की पत्तियों को पीसकर अपने दांतों पर रगड़ा जाए तो यह दांत का दर्द दूर करने के साथ-साथ दांत की चमक बरकरार रखने में भी मददगार होता है।

### गठिया में लाभप्रद

आर्थराइटिस जोड़ों में होने वाली एक जटिल समस्या है, जिसे आम भाषा में गठिया के नाम से भी जाना जाता है। इस समस्या में जोड़ों में अकड़न पैदा होने लगती है और असहनीय दर्द होता है। इसे दूर करने के लिए वज्रदंती एक बेहतर विकल्प है। वज्रदंती में एंटी आर्थराइटिक क्षमता होती है, जो गठिया के दर्द से आपको राहत दिलाता है। यही नहीं इसमें मौजूद क्लोरोफॉर्म और मेथानॉल आपके आर्थराइटिस को नियंत्रित रखने की क्षमता रखते हैं। माना जाता है कि आर्थराइटिस में मरीजों को इसके चूर्ण का सेवन करना चाहिए। यह आपकी शरीर में हो रही मस्कुलर स्वैलिंग को भी कम करते हैं।

### बालों के विकास में लाभदायक

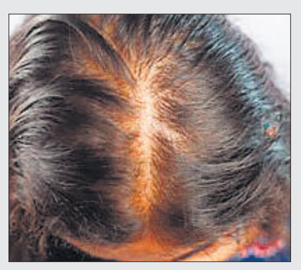

बालों का झड़ना आजकल आम बात है। दिन में कुछ बालों का टूटना तो एक सामान्य स्थिति है, लेकिन दिनभर में एक साथ कई बालों का टूटना एलोपेशिया का संकेत है। माना जाता है कि वज्रदंती एलोपेशिया को काबू करता है। इससे आपके टूटते बाल रुककर सामान्य स्थिति में आ सकते हैं। ऐसा माना जाता है कि शीशम के तेल में भी वज्रदंती के अंश का इस्तेमाल किया जाता है, जो बालों के विकास में आपकी मदद करते हैं।

### पेट के लिए फायदेमंद

वज्रदंती की पत्तियों में पाए जाने वाले गुण आपके पेट संबंधी विकारों के लिए काफी कारगर साबित होते हैं। कई लोग इसे बवासीर जैसे रोगों को ठीक करने के लिए भी इस्तेमाल करते हैं, जो आपके पेट में हो रही जलन और दर्द में राहत पहुंचाते हैं। यही नहीं यह शरीर में होने वाली सूजन और आंत संबंधी विकारों में भी यह काफी मददगार है।

### किडनी स्टोन दूर करें

वज्रदंती का उपयोग आपकी किडनी के लिए भी लाभदायक है। यह आपके शरीर में पानी की कमी को दूर करने में मदद करता है। शरीर में पानी की आपूर्ति होने से आपको बार-बार पेशाब आएगा और प्राकृतिक रूप से किडनी में बनी पथरी आसानी से निकलने में समर्थ हो जाती है। ये जानकारी के लिए है, वज्रदंती का सेवन किसी आयुर्वेदिक डॉ. की सलाह से ही करें।

## साप्ताहिक राशिफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

**मेष**
यह सप्ताह पूरी तरह से अनुकूल रहने वाला है। आपको सुख, सौभाग्य और स्वजनों से सभी प्रकार का सहयोग प्राप्त होगा। आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे होते हुए नजर आएंगे, जिससे आपके भीतर एक अलग ही उत्साह और उर्जा देखने को मिलेगी।

**वृष**
इस सप्ताह मनचाही सफलता पाने के लिए अपने काम को समय पर और बहुत सूझ-बूझ के साथ करने की जरूरत रहेगी, क्योंकि आपके विरोधी सक्रिय रहेंगे और आपको स्वजनों और शुभचिंतकों की समय पर मदद नहीं मिल पाएगी।

**मिथुन**
यह सप्ताह आपाधापी से भरा रह सकता है। इस सप्ताह आपको अपने सोचे हुए कार्यों को पूरा करने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में कार्य की अधिकता के चलते और खराब जीवनशैली के चलते आपकी सेहत प्रभावित हो सकती है।

**कर्क**
यह सप्ताह बेहद अनुकूल रहने वाला है। आप पर किस्मत मेहरबान नजर आएगी। नौकरीपेशा लोगों की मनचाही जगह पर तबादले या फिर मनचाहे प्रमोशन की कामना पूरी हो सकती है। इस सप्ताह कार्यक्षेत्र पर आपके उच्चाधिकारी आप पर पूरी तरह से मेहरबान रहेंगे।

**सिंह**
यह सप्ताह बेहद शुभ रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत से ही आपका अधिकांश समय स्वजनों एवं मित्रों के साथ मौज-मस्ती करते हुए बीतेगा। सप्ताह की शुरुआत में किसी धार्मिक या मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। कारोबार में बड़ी साझेदारी हो सकती है।

**कन्या**
यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। करियर-कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। यात्रा सुखद एवं लाभप्रद साबित होगी। यदि आप लंबे समय से किसी काम की शुरुआत करने की योजना बना रहे थे, तो आपकी यह योजना शुभचिंतकों और परिजनों के सहयोग से पूरी हो जाएगी।

**तुला**
यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में व्यवसाय से जुड़े लोगों को आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर नियंत्रण रखने की बहुत ज्यादा आवश्यकता रहेगी, क्योंकि इस दौरान इन दोनों के कारण ही आपके काम बनेंगे या बिगड़ेंगे।

**वृश्चिक**
यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। नतीजतन आपको इस सप्ताह करियर-कारोबार में अप्रत्याशित सफलता और लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह की शुरुआत से ही सोचे हुए कार्य मनमुताबिक होते हुए नजर आएंगे। यदि आप अविवाहित हैं, तो आपका विवाह तय हो सकता है।



**धनु**
इस सप्ताह किसी भी काम का बीड़ा उठाते समय खूब सोच-विचार करने की जरूरत रहेगी अन्यथा उसके अधूरे अथवा असफल हो जाने पर आपकी छवि पर दाग लग सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्यक्षेत्र में उन लोगों से विशेष रूप से सावधान रहने की जरूरत रहेगी, जो अक्सर आपका काम बिगाड़ने की जुगत लगाते रहते हैं।

**मकर**
यह सप्ताह मिलाजुला साबित होने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में आपके सामने कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं, जिनके कारण आपका बजट गड़बड़ा सकता है। इस सप्ताह आर्थिक और मानसिक परेशानियों से बचने के लिए धन एवं ऊर्जा का प्रबंधन करके चलें। सप्ताह के पूर्वार्ध में किसी अनजान भय को लेकर आपका मन चिंतित रहेगा।

**कुंभ**
यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ और सभी कार्यों में सफलता दिलाने वाला साबित होगा। किसी मित्र अथवा व्यक्ति विशेष की मदद से आपका लंबे समय से अटका काम पूरा होगा। इस सप्ताह आपको स्वजनों से सुख और सौभाग्य की प्राप्ति होगी। सभी कार्य समय पर और मन मुताबिक होने पर आपका मन प्रसन्न रहेगा।

**मीन**
यह सप्ताह बीते हफ्ते के मुकाबले कहीं ज्यादा शुभ और लाभप्रद साबित होगा। यदि आप बीते कुछ समय से किसी रोग या बीमारी के चलते शारीरिक एवं मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे, तो आपको इस सप्ताह उसमें काफी सुधार देखने को मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

## वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

### काकुरो 37

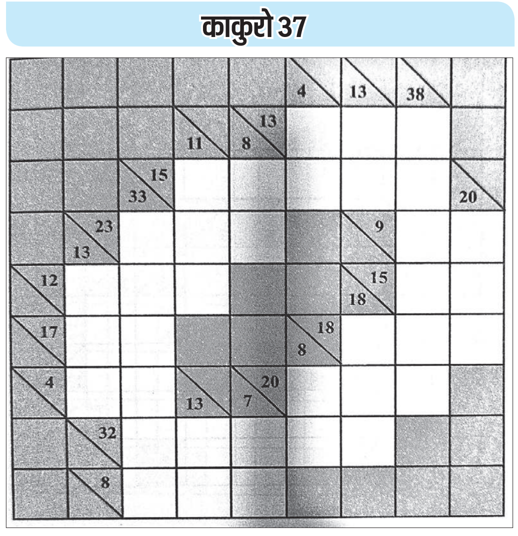

### काकुरो 36 का हल

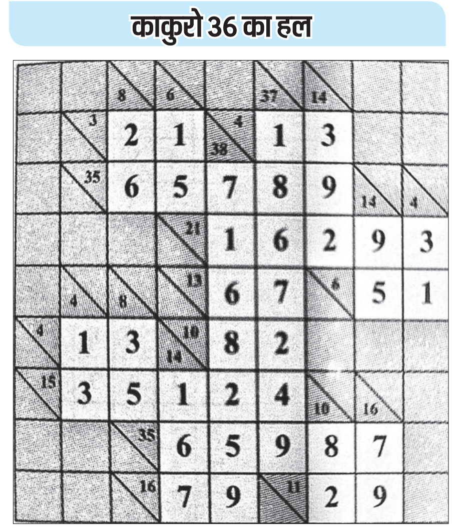

# शब्द संसार

## कहानी

# गलती से मिली सीख

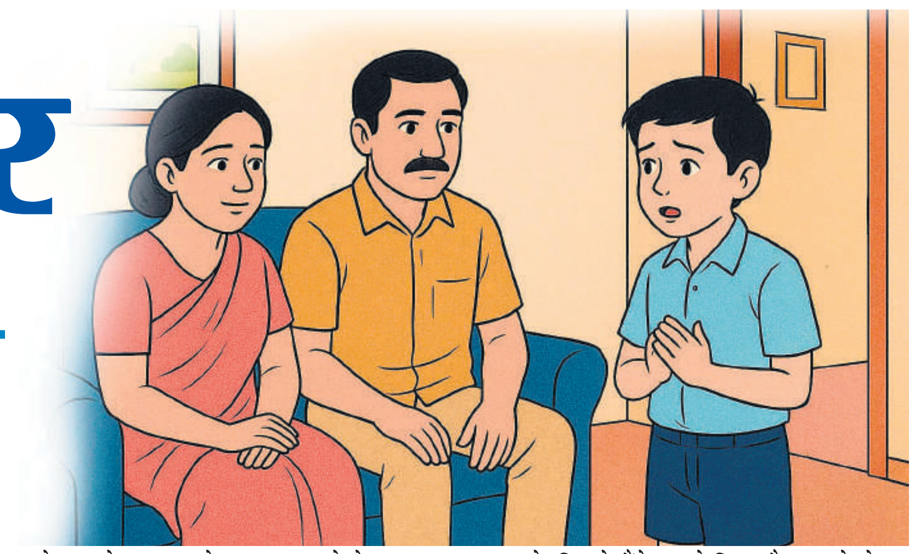

बात है सन् 1998 की और दीपावली का महीना। ग्यारह साल का शिवम सुबह-सुबह नहा-धोकर स्कूल के लिए तैयार हो रहा था। अचानक उसकी नजर अलमारी के पास पड़े पांच रुपये के सिक्के पर पड़ी। एक बार तो उसने अनदेखा सा कर दिया, लेकिन तभी उसके दिमाग में दोस्तों द्वारा तारीफें किए जाने वाले चित्र घूमने लगे। तारीफों में शिवम स्कूल में पटाखे लेकर पहुंचा था और यह देखकर उसके दोस्तों ने उसकी खूब वाहवाही की। इसी सोच ने शिवम को अलमारी से पांच रुपये उठाने के लिए मजबूर कर दिया।

शिवम चुपचाप घर से निकला और स्कूल जाते समय एक दुकान पर रुका। दुकान में पटाखों के साथ-साथ अन्य सामान भी सजाया हुआ था। शिवम ने दुकानदार को पांच रुपये देते हुए कहा कि एक हवाई, एक अनार और कुछ अन्य पटाखे लिफाफे में डाल दो। उस समय पांच रुपये में कम से कम पांच किस्म के पटाखे तो आ ही जाते थे। दुकानदार ने भी एक छोटा लिफाफा पटाखों से भरकर शिवम को दे दिया। पटाखे लेते हुए शिवम को पड़ोस के एक अंकल ने देख लिया। स्कूल ड्रेस में शिवम को पटाखे लेते देख अंकल ने हैरत भरे लहजे से पूछा, शिवम अभी तो स्कूल टाइम है, तो यह पटाखे लेकर कहां जा रहे हो? शिवम ने तुरंत उत्तर देते हुए कहा, "अंकल जी, यह मैंने घर के लिए खरीदे हैं। स्कूल की छुट्टी होने के बाद यहां बहुत रश होता है इसलिए अभी ही खरीद लिए।" शिवम ने इसके अलावा ज्यादा कुछ नहीं कहा और तुरंत वहां से निकल गया। स्कूल के रास्ते वह यही सोचता रहा कि यदि अंकल ने घर में माता-पिता को बताया तो मुझे बहुत मार पड़ेगी। शिवम घबरा गया, लेकिन स्कूल पहुंचते ही अपने दोस्तों के संग ऐसा मस्त हो गया मानो उसको और कुछ ध्यान ही न रहा हो।

शिवालिक अवस्थी
युवा लेखक

जैसा दृश्य शिवम ने सुबह तैयार होते हुए देखा था, पूरा वैसा दृश्य उसके सामने घटित हुआ।

शिवम के सभी दोस्तों ने शिवम के लाए हुए पटाखों को देखकर खूब वाहवाही की। एक-दो दोस्तों ने स्कूल के समय पर ही शिवम से पटाखों की मांग की, लेकिन शिवम ने स्कूल की छुट्टी होने तक का इंतजार करने को कहा। जैसे ही स्कूल की छुट्टी हुई, शिवम अपने दोस्तों के साथ पटाखे चलाने में मस्त हो गया। पटाखे चलाने के बाद सभी अपने-अपने घर को जाने लगे। अब शिवम को सुबह अंकल वाला वाक्या याद आने लगा। घर कैसे जाऊं? अंकल ने तो घर में सारी बात बता दी होगी। अब घर में पिटाई होगी। इस घटना से अब बचूं कैसे? ऐसे कई प्रश्न शिवम के दिमाग में घूमने लगे थे। सिर पर प्रश्नों का बोझ लिए शिवम घर पहुंच गया। घर पहुंचते ही उसे सब कुछ सामान्य सा प्रतीत हुआ। शिवम ने भी स्थिति भांप ली और चुपचाप अपनी मां के पास जाकर बैठ गया। शिवम ने सोचा कि सब कुछ ठीक है और अंकल ने घर में कुछ नहीं बताया है। यदि बताया होता, तो मां से डांट जरूर पड़ती। शिवम ने सब कुछ भूल जाने का सोचा। कुछ देर आराम करने के बाद वह खेलने चला गया। शाम होते ही वापस घर के अंदर आ गया। अब घर पर उसके पिता भी आ चुके थे। न जाने उसे क्यों ऐसा लग रहा था कि उसके पिता बस अभी पटाखों के संदर्भ में उससे कुछ पूछेंगे। अंकल ने कम से कम उसके पिता को तो जरूर बताया होगा, लेकिन शिवम के पिता का मूड आज ठीक था। शिवम के पिता ने मुस्कुराते हुए शिवम से उसकी पढ़ाई के विषय में पूछा। शिवम ने झट से अपने पिता के प्रश्न का उत्तर दिया।

थोड़ी देर बाद शिवम समझ चुका था कि सब कुछ ठीक है और अब उसे कोई खतरा नहीं है। रात होते ही शिवम की मां ने शिवम को खाना खाने के लिए आवाज दी। सभी ने साथ मिलकर खाना खाया। शिवम की मां बड़े प्यार से शिवम को खाना खिला रही थी। यह सब देख शिवम के पिता भी खुश हो रहे थे। शिवम अपने मां-बाप की आंखों में उसके प्रति प्रेम देख कर भावविभोर हो उठा। न जाने शिवम के मन में क्या भाव आया और आज की घटना को उसने अपने माता-पिता से बताने का निश्चय कर लिया। खाना खाने के तुरंत बाद उसने अपने पिता को अकेले देख उनसे डरते हुए कहा, पिता जी, वो दरअसल... हां हां शिवम बोलो क्या बात है? शिवम के पिता ने कहा। शिवम ने दबे स्वर में कहा कि "पिताजी आज मैंने अलमारी से पांच रुपये उठाए थे, जिनसे मैंने पटाखे लिए और पटाखे लेकर स्कूल चला गया।" यह सुनकर, शिवम के पिता को बहुत गुस्सा आया और उन्होंने शिवम को एक जोरदार थप्पड़ जड़ दिया। थप्पड़ की आवाज सुनते ही शिवम की मां भी वहां आ पहुंची। शिवम की चोरी करने वाली बात ने उसकी मां को भी बहुत दुख पहुंचाया। बात पांच रुपये की नहीं थी, बात थी तो चोरी की और आत्मसम्मान की।

शिवम जानता था कि यह बात बताने के बाद शिवम की बहुत पिटाई की जाएगी। शिवम सोच रहा था कि आज नहीं तो कल उसके अंकल भी घर में बता ही देंगे। शिवम के अंकल घर में बताते या न बताते, लेकिन शिवम अपने मन में बोझ सहन नहीं कर पा रहा था। अब बोझ या तो उसके स्वयं के विचारों से उतपन्न हुआ था या उसे अंकल से डर लग रहा था, यह तो शिवम ही जानता था, लेकिन अंजाम जानते हुए भी शिवम ने अपने माता-पिता को सब बता दिया। बेशक उम्र छोटी थी, लेकिन उस दिन शिवम को समझ आ चुका था कि अव्यवहारिक अथवा अनैतिक कार्यों को करने से शांति कभी प्राप्त नहीं हो सकती। घर में पता न चले इस बात की कोशिश शिवम ने भरपूर की, लेकिन अंततः माता-पिता के प्रेम ने ही शिवम की आंखें खोल दीं। उस दिन के बाद शिवम ने कोई चीज नहीं चुराई और अपने माता-पिता पर बनाया हुआ भरोसा कायम रखा।

## कुछ अलग

# आविष्कार जब शांति भंग करें

मनुष्य का दुर्भाग्य यह है कि जो सोचता है, उसे जी नहीं पाता। चेतना का अभियान पशुता से देवत्व की ओर है। आदमी पशु और देवता के बीच की कड़ी बनकर ठहरा हुआ है। मन से मनुष्य कभी-कभी देवता से भी आगे बढ़ जाता है। किंतु उसके शरीर में पाश्विक वृत्तियां अब भी भरी हुई हैं। मनुष्य की वास्तविक उन्नति तब होगी, जब बौद्धिक उन्नति के साथ उसके चरित्र की भी उन्नति हो। जिस सभ्यता में हम जी रहे हैं, उसका भी अभिशाप यही है कि उसका बुद्धि पक्ष जितना अधिक विकास पा गया है, उसके हृदय-पक्ष का उतना विकास नहीं हो पाया है। कहना तो यह चाहिए कि उसके इस सभ्यता में बुद्धि का जितना ही विकास होता है, हृदय का जल उतना ही कम होता जाता है। नगरों की जितनी बढ़ती होती है, ग्राम उतने ही अपेक्षित होते जाते हैं। होना यह चाहिए कि मनुष्य की मानसिक शक्तियां उसके हार्दिक गुणों दया, त्याग, परोपकार के अधीन रहें।

रानी प्रियंका वल्लरी
लेखिका

अधिक आवश्यक क्या है? मनुष्य का ज्ञान अथवा उसके आचरण में सुधार? आदमी का ज्यादा जानना या उसका भली जिंदगी बसर करना? कोरे ज्ञान की निंदा करते हुए महात्मा कबीर कहते हैं, 'पंडित से गदहा भला' जिन आविष्कारों से मनुष्य की शांति खतरे में पड़ती है, वे आविष्कार बुद्धि की आतिशबाजी के खेल हैं, उससे मनुष्य के गौरव में वृद्धि नहीं होती। अतः ऐसे आविष्कार को त्याग ही देना चाहिए।

## कविता/गीत

### टच में नहीं कोई

टच स्क्रीन के दौर में, टच में
नहीं है कोई। आंखें हैं ड्राई
सपने हवाई, फीलिंग भी
खोई-खोई।

स्क्रीन पर दिखते हजारों, वक्त
पर न आए कोई। अपनों से दूर
गैरों के पास, गैजेट्स ही बन
रहें हैं खास

भ्रम की ये बेल तुमने, क्यों कर
है यार बोई। लाइक्स कमेंट तो
हैं, पर टच में नहीं है कोई।

चुपचाप फोन लेकर, चेटिंग में
मस्त जमाना। सोचा न था कि
ऐसा, आएगा दौर सयाना।
बातें तो हो रही हैं, सम्मुख नहीं
है कोई,
टच स्क्रीन के दौर में, टच में
नहीं है कोई।

नरेन्द्र सिंह 'नीहार'
साहित्यकार

### डरा हुआ आदमी

डरा हुआ एक आदमी छड़ी
लेकर खड़ा है बीच बाजार
गाहे-बगाहे धमका रहा है
सभी को
हर आने जाने वाले को दिखा
रहा है आंखें
उन्हें, जो फूटी आंखों नहीं
सुहाते हैं उसे
खेत, खलिहान, फसल और
फैसले
सब कुछ बेच देना चाहता है वह
पत्थर भी, पत्थर के भीतर का
पानी भी
पानी की आस्था और श्रद्धा तो
बेच चुका
पहले ही बेच चुका मित्रवत
मित्रों को
अब वह बेचता है वे वस्तुएं
तमाम-तमाम
बेचारे गुमशुदा विचारों की
तरह
जिनके भीतर रहती थी कभी
कुछ ओस
और अब आशय आत्मसमर्पण
संपूर्ण डरता है, बहुत-बहुत
डरता है अकेले में
और बदल-बदल मुद्राएं
हंसता है
डरा हुआ एक आदमी।

राजकुमार कुंभज
कवि

### सपनों की उड़ान

मैं आई हूं अपना सपना लेकर,
उम्मीदों की चाहत को लेकर,
कुछ तो करना है अब मुझे भी,
तोड़कर हर रूढ़िवादी बेड़ियों
को,
आगे बढ़ते जाना है मुझे भी,
परिवार की एक उम्मीद
बनकर,
अपने सपनों को पूरा करना है,
सुनो! मुझे भी डॉक्टर
बनना है,
ये मेरी चाहत और मेरा
सपना है,
करूंगी मैं एक दिन अपना
सपना पूरा,
बनूं मैं उम्मीद की किरण और
सहारा,
आंखों में कुछ सपने और
हौंसला है,
सपनों की उड़ान और मंजिल
को पाना है।।

शिवानी
नवोदित कवयित्री

### नारी वही सुजान

देह प्रदर्शन होड़ में, भौंडा पहन
लिबास
छोड़ संस्कृति लाज को, तोड़
रही विश्वास
तजि मर्यादा नारि की, करती
मदिरा पान
किटी पार्टी जुआ को, समझें
अपनी शान
लांघ देहरी लाज की, ठोकर
पर रख ताज
बिना विचारे कर रही, दिन
प्रतिदिन प्रतिघात
संतति की दुश्मन बनी, हुई
सृष्टि विपरीत
करूणा, ममता अरु हया,
तजी रीति अरु प्रीति
ये सब गहना नारि के, जाने
सकल जहान
पत राखे जो आन की, नारी
वही सुजान।

प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव
गोण्डा

## लघुकथा

# तुमसे ही शुरू कहानी है

उस दिन शहर में हल्की-सी बारिश हो रही थी। बादल इतने नीचे थे कि लगता था, हाथ बढ़ाओ तो उंगलियों से छू लोगे। सड़कें गीली थीं, पेड़ों की पत्तियों से पानी टपक रहा था और हवा में गीली मिट्टी की वह खुशबू थी, जो हर दिल में कोई पुरानी याद जगाती है। मैं छतरी लिए सड़क पार करने ही वाली थी कि अचानक तुम सामने आ गए-जैसे भीड़ भरे शहर में किसी ने मेरी धड़कनों का नाम लेकर मुझे पुकारा हो। तुम मुस्कुराए, एक साधारण-सी मुस्कान, पर मेरे भीतर कुछ असाधारण घट गया था। यही वह पल था जब मन ने कहा, "तुमसे ही शुरू कहानी।"

निरुपमा सिंह
बिजनौर

हां! याद आया वो पल, जब हम पहली बार मिले थे। हमारी पहली बातचीत बहुत ही छोटी थी, पर खूबसूरत थी। "बारिश कितनी तेज है, है न?" और मैंने हंसकर कहा, "हां, पर कुछ चीजें इस मौसम में और भी सुंदर हो जाती हैं।" तुमने पलभर को नजरें झुका लीं, पर मैंने देख लिया था- तुम्हारी पलकें भीग गई थीं, बारिश से नहीं, उस एहसास से, जो अचानक हम दोनों को घेर रहा था। धीरे-धीरे बढ़ते मौसम का मिजाज और तुम्हारा मौन बहुत कुछ अनकहा सा कह गया था। इसके बाद तुम शहर के हर मोड़ पर दिखाई देने लगे- कभी पुस्तकालय में, कभी चाय की दुकान पर, कभी अचानक किसी पुराने गीत की तरह मेरे मन में बजने लगे थे। हम बातें करते रहे-धीरे-धीरे, संकोच से, लेकिन भीतर कोई नामहीन विश्वास उगने लगा था। तुम अपना हर दिन मेरे साथ थोड़ा बांटते थे और मैं अपनी हर शाम तुम्हारी जगह थोड़ा और बढ़ा देती थी। मन का आंतरिक स्वीकार फिर एक दिन तुमने कहा- "तुम्हारे साथ चलते-चलते जिंदगी आसान लगने लगी है।" "और मेरे बिना?" तुम हल्का-सा मुस्कुराए, "फिर वही पुराना अकेलापन, जो बारिश होते ही भीतर टपकने लगता है।" उस पल मैंने जाना-प्रेम कोई घोषणा नहीं, प्रेम वह सुरक्षा है, जहां कोई अपने डर भी रख सके और अपनी हंसी भी। पहली दूरी, पहला डर, पर कहानी सरल नहीं होती। एक दिन तुम अचानक कम मिलने लगे। कॉल्स छोटे, संदेश धीमे, और आवाज में वह चमक नहीं थी, जिसने मेरी दुनिया रोशन की थी। मैंने एक शाम पूछा-"क्या हुआ?" तुमने एक ठंडा सा उत्तर दिया- "कभी-कभी जो बहुत जरूरी हो, उससे ही हमें बहुत दूर जाना पड़ता है ताकि वह खो न जाए।" मैं उस वाक्य का अर्थ कई दिनों तक समझ नहीं पाई थी, लेकिन प्रेम यही तो है- कभी किसी के भीतर चल रहे युद्ध को समझने का नाम। सच्चाई का उजाला कुछ समय बाद तुमने सच बताया, तुम्हारी जिंदगी में जिम्मेदारियां बढ़ गई थीं। परिवार, काम, भविष्य-सब तुमसे उत्तर चाहते थे और तुम एक ही समय में हर दिशा में दौड़ रहे थे। मैंने तुम्हारा हाथ पकड़ा- "तुम जहां थकते हो, वहीं से मैं शुरू हो जाती हूं।" तुम हंसे, पर आंखों में हल्की नमी थी। उसी नमी में प्रेम का पूरा आकाश चमक रहा था। रुआंसी होकर मैंने कहा था कि फिर से लौटना..! मैं प्रतिक्षा करुंगी! आजीवन! धीरे-धीरे तुम फिर उसी मुस्कुराहट वाले हो गए, जिसने बारिश वाली सुबह मेरी कहानी शुरू की थी। हमने साथ चाय पी, साथ गलियां घूमीं, साथ ही में वो सपने देखे। एक दिन तुमने कहा- "तुम्हें पता है? कहानियां किसी से शुरू होती हैं, पर किसी पर खत्म नहीं। वे बस चलते रहती हैं जैसे हमारा यह साथ।"

मैंने मुस्कुराकर उत्तर दिया- "कहानी चाहे जहां जाए, पर इसकी शुरुआत तुम ही रहोगे।" आज भी जब बारिश होती है, मैं खिड़की पर बैठकर तुम्हें याद करती हूं। हर बूंद मुझे उस दिन की याद दिलाती है, जब जिंदगी ने मेरे नाम का पहला अक्षर तुम्हारी आंखों में लिखा था। कहानी अब भी चल रही है। नए अध्याय, नए मोड़, नए सपने-पर शीर्षक वही है-"तुमसे ही शुरू कहानी।"

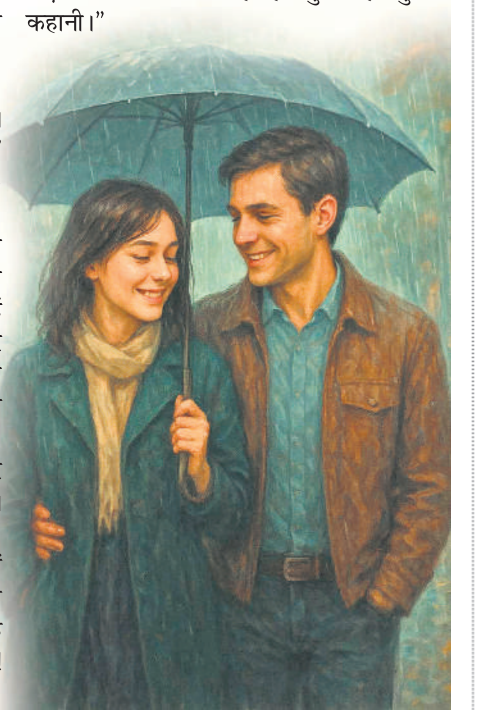

## समीक्षा

# विज्ञान के झरोखे से

बाल-साहित्य के समकालीन रचनाकारों में चर्चित रचनाकार शिखरचंद जैन उन रचनाकारों में हैं, जिनकी रचनाओं में बच्चों का वर्तमान हृदय बनकर धड़कता है। वे प्रायः अपने समकाल से नए-नए विषय चुनते हैं, उनके विषय में प्रामाणिक जानकारी और तथ्य जुटाते हैं फिर उन्हें इस भांति गढ़ते हैं कि वे बच्चों की समझ की मुट्ठी से फिसलें नहीं और अनजाने ही उन मुट्ठियों का फैलाव और क्षमता भी अपनी चरमसीमा तक विकसित होता रहे।

ऐसा करके वे रच देते हैं कई बाल कहानियां। कहानियां जो भीड़ में रहकर भी बच्चों का ध्यान खींच लेती हैं। यही रचनाओं की सफलता का बड़ा प्रमाण भी है कि आज का बच्चा उन्हें ढोता नहीं, खिलौनों की तरह उठाता है। ऐसा होते हुए भी ये केवल मनोरंजन नहीं देती, इनमें भरी होती हैं नई जानकारियां। वह भी ऐसे कि उन्हें रटना न पड़े, याद न रखना पड़े, बल्कि वे स्वयं ही याद रह जाएं। प्रस्तुत कृति में ऐसी सत्ताईस बाल कहानियां हैं। ये आज की कहानियां हैं, जिनमें जादू-टोना, परी, जिन्न, जादूगर नहीं है। रहस्य है, पर विज्ञान के झरोखे से आकाश ताकता। इस संकलन में सम्मिलित 'कीचड़ में तितली', 'फूलों के जिगरी दोस्त', 'इन्द्रधनुष के भाई' जैसी कहानियां चिरपरिचित घटनाओं और दृश्यों के कुछ अनदेखे पक्ष उद्घाटित करती हैं। इनकी कहानियों में विज्ञान चेतना नास्तिक नहीं बनाती वह सामाजिकता का पोषण करती हैं जीवन, समाज और परिवेश के प्रति आस्तिक बनाती हैं। इससे बाल पाठकों की पूरी एकाग्र ऊर्जा कहानी के विषय को आत्मसात करने लगती है। ये कहानियां संवादबहुल नहीं, सूचना समृद्ध हैं। कल्पनातत्व का अतिरेक नहीं है और भावुकता का अतिशय योग भी इनमें नहीं हैं। इन लक्षणों के कारण ये समकालीन सामान्य बालकथाओं से अलग दिखाई देती हैं। साहित्यदेवता उनके इस श्रम को नित्य नवीन उत्कृष्टता प्रदान करें और वे बाल-साहित्य का कोश अपनी रचना रत्नावलियों से चिरकाल तक भरते रहें यही आकांक्षा है।

पुस्तक : बाल सभा पार्क एवं अन्य बाल कहानियां
लेखक : शिखर चंद जैन
प्रकाशक : प्रखर गूंज प्रकाशन, नई दिल्ली
मूल्य : 300 रुपये
समीक्षक-गोपाल माहेश्वरी

## व्यंग्य

# समाधान

स्वर्गलोक के सिंहासन कक्ष में सुबह की सोने-सी चिलचिलाती किरणें अभी-अभी दीवारों पर बिखरी थीं कि दरवाजा धड़ाम से खुला। बाहर से घुसते हुए गुप्तचरों का दल ऐसा लग रहा था मानो हजार योजन दौड़कर आया हो। उनके चेहरों पर धूल, कपड़ों पर पसीने की रेखाएं और आंखों में चिंता का एक घना बादल तैर रहा था। सबसे आगे वाला गुप्तचर घुटनों के बल बैठ गया और सांसें रोककर बोला- "महाराज, भूलोक से बुरी खबर है। जंगलों के छोटे पौधे, घास-फूस सब सूख रहे हैं। पत्तियां पीली होकर झड़ रही हैं, मानो कोई प्रेतात्मा उनका जीवन रस चूस रही हो। इंद्रदेव को वर्षा के लिए धन आवंटित तो किया था न?"

धर्मराज ने भौंहें चढ़ाईं। उनकी दाढ़ी में चांदी की लकीरें चमक रही थीं और उनके बगल में चित्रगुप्त अपने खड़कते हुए कलम के साथ खड़े थे-जैसे हर शब्द को तुरंत खाते में दर्ज करने को तैयार हों। "हां," धर्मराज ने लंबी सांस भरी, "बीस लाख करोड़ का पैकेज जारी किया था। कुबेर की कुल संपदा का दस फीसदी। इतना धन तो पिछले त्रेता-द्वापर में भी नहीं बरसा होगा।" गुप्तचर के चेहरे पर और गहरी शिकन पड़ी। "तो फिर गड़बड़ी कहां हुई, महाराज?" धर्मराज ने एक हल्की-सी मुस्कान के साथ आदेश दिया, "इंद्रदेव को तलब किया जाए।" अगले ही क्षण दूर कहीं से गड़गड़ाहट सुनाई दी-जैसे बादलों की सेना तलवारें घसीटते हुए महल की ओर बढ़ रही हो। कुछ ही क्षणों में इंद्रदेव का तेजस्वी, परंतु व्याकुल रूप सिंहासन कक्ष में प्रकट हुआ। सफेद वस्त्रों से बिजली की चमक झिलमिला रही थी, मगर चेहरे पर थकान और घबराहट दोनों के चिह्न थे। उनके पीछे-पीछे दस आदमी आए, जिनके सिर पर लोहे के भारी बक्से लदे थे। बक्सों से स्याही और भोजपत्र की मिली-जुली महक आ रही थी-जैसे कोई पुरानी सरकारी लाइब्रेरी धूप में खुल गई हो।

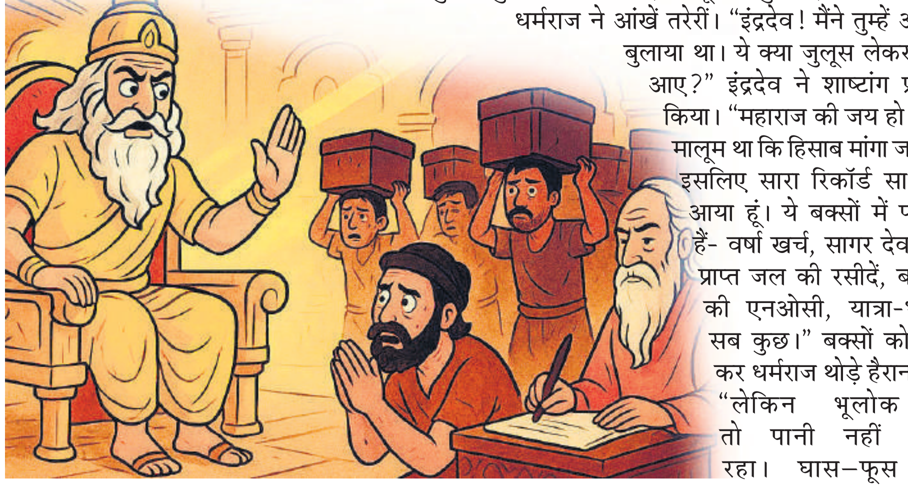

धर्मराज ने आंखें तरेरीं। "इंद्रदेव! मैंने तुम्हें अकेले बुलाया था। ये क्या जुलूस लेकर चले आए?" इंद्रदेव ने शाष्टांग प्रणाम किया। "महाराज की जय हो! मुझे मालूम था कि हिसाब मांगा जाएगा, इसलिए सारा रिकॉर्ड साथ ले आया हूं। ये बक्सों में फाइलें हैं- वर्षा खर्च, सागर देवता से प्राप्त जल की रसीदें, बादलों की एनओसी, यात्रा-भत्ता-सब कुछ।" बक्सों को देख कर धर्मराज थोड़े हैरान हुए। "लेकिन भूलोक में तो पानी नहीं बरस रहा। घास-फूस मर रहा है। हम तुम्हारी फाइलें खाकर बरसात लाएं क्या?" इंद्रदेव ने गहरी शर्म के साथ सिर झुकाया। "महाराज, मेरा काम पानी बरसाना था। वो मैंने किया है। यदि कोई गड़बड़ी पाई जाए, मैं सजा के लिए प्रस्तुत हूं।" धर्मराज ने चित्रगुप्त की ओर देखा। चित्रगुप्त ने अपने अभिलेखों की पन्नियां पलटते हुए कहा- "जांच करवाते हैं, महाराज।" चारों दिशाओं में गुप्तचर भेज दिए गए। दो दिन बाद-पहले गुप्तचर की हालत ऐसी थी मानो वह बादलों के पीछे-पीछे ही दौड़कर आया हो। "धरती के लोग कहते हैं-बादल गरजते बहुत हैं, बरसते कम। कई बार तो बस घूमकर निकल जाते हैं। किसान आसमान की तरफ देखते रह जाते हैं, पर बूंद नहीं गिरती।" दूसरा गुप्तचर दौड़ते हुए पहुंचा। "सागर देवता का कहना है- इंद्रदेव एक लीटर पानी लेते हैं और सौ लीटर की रसीद बनवाते हैं। बदले में हीरे-मोती बांटते हैं, जो बादल पानी लेकर आते भी हैं, पहले बैकुंठ में बरसते हैं-भूलोक को बचा-खुचा मिलता है।"

दिवाकर पांडेय चित्रगुप्त
बहराइच

तीसरा कुछ कहता, उससे पहले चौथा गुप्तचर लुढ़कते हुए आया- "जंगलों में बड़े पेड़-पीपल, बरगद, पाकड़-अपनी पत्तियों को नुकीला कर लेते हैं, सारा पानी खुद सोख लेते हैं। छोटे पौधों तक एक बूंद नहीं पहुंचती। उनकी जड़ें हवा में टंगी हुई हैं- जैसे कोई बच्चा मां की गोद तलाशता हो।" सिंहासन कक्ष में सन्नाटा छा गया। फाइलों की बरसात धर्मराज ने आदेश किया- "बक्से खोलो।" पहला बक्सा खुला- बादल देवता के ट्रेवल अलाउंस की रसीदें। "बादल संख्या 108-हिमालय से कन्याकुमारी-दूरीः 3000 योजन-कियायाः 500 स्वर्ण मुद्राएं।"

दूसरा-सागर देवता की रसीदें। "100 लीटर जल दिया-बदले में 1 मोती (5 रत्ती)।"

तीसरा, चौथा, पांचवां-हर जगह सालाना ऑडिट का ठप्पा। रिजर्व बैंक ऑफ बैकुंठ के गवर्नर के हस्ताक्षर। चित्रगुप्त ने घोषणा की- "कागज बिल्कुल सही हैं, महाराज।" धर्मराज ने थककर पूछा, "लेकिन भूलोक में पानी क्यों नहीं?" चित्रगुप्त ने दाढ़ी खुजलाई। "महाराज, समस्या फाइलों में नहीं, प्रजा में है। उन्हें पता नहीं कि उनके लिए कितना खर्च हुआ है। प्रजा को योजनाओं की जानकारी दी जाए- प्रेस कॉन्फ्रेंस होनी चाहिए। ग्राफ, चार्ट, पावरप्वाइंट।" धर्मराज खिलखिलाए। "ठीक है-प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी।" तीन दिन बाद स्वर्ग की पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस स्वर्ग का विशाल सभागार। सोने का मंच। हजारों देवता, अप्सराएं, गंधर्व। इंद्रदेव माइक थामे खड़े थे। उनके पीछे विशाल स्क्रीन पर स्लाइड्स चमक रहीं थीं-

स्लाइड 1ः वर्षा पैकेज-20 लाख करोड़ स्लाइड, 2ः पानी का स्रोत-सागर देवता (100 प्रतिशत प्रमाणित), स्लाइड 3ः बादलों की यात्रा- 5000 योजन प्रतिदिन, स्लाइड 4ः एनओसी-सभी बादलों से संलग्न इंद्रदेव गर्व से बोले-"देखिए! एक-एक बूंद का हिसाब है। हीरे-मोती? वो प्रोत्साहन राशि है। बैकुंठ में बारिश? वो प्राथमिकता!"

भूलोक के किसान लाइव देख रहे थे। एक किसान चिल्लाया- "हमें पानी चाहिए, रसीदें नहीं!" पर उसकी आवाज स्वर्ग तक नहीं पहुंची। प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म हुई। इंद्रदेव खुश होकर बोले- "महाराज, सब शांत हो गया।" धर्मराज ने खिड़की से बाहर झांका-भूलोक पर धूल उड़ी थी। घास सूखी थी। कुछ भी शांत नहीं था। चित्रगुप्त ने धीमे से कहा- "महाराज, प्रजा को रसीदें नहीं, पानी चाहिए।" धर्मराज ने गहरी सांस ली- "शायद।" अगले दिन स्वर्गलोक में नया आदेश जारी हुआ- "सही काम न करने के कारण पुराने कर्मचारियों और पूरी ब्यूरोक्रेसी को तत्काल प्रभाव से निष्कासित किया जाता है।" और उसी के नीचे छोटा-सा नोट- "नए टेंडर में धर्मराज के बेरोजगार संबंधियों को सभी विभाग सौंपे जाते हैं।" अंत में चित्रगुप्त ने कलम चलाते हुए टिप्पणी लिख दी- "सत्ता का सबसे सरल समाधान यही है, मेवा खाए तो अपना खाए, कोई गैर क्यों खाए?"

यह दौर वैचारिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संक्रमण का है, जहां पारंपरिक संस्थाएं नए प्रश्नों और चुनौतियों के सामने खड़ी हैं। इन्हीं चुनौतियों के केंद्र में है विवाह संस्था, जिसे लेकर आज बहसें तेज हो उठी हैं। एक ओर बदलाव की अनिवार्यता है, तो दूसरी ओर उन मूल्यों की रक्षा का आग्रह, जिन पर समाज की संरचना खड़ी है। स्त्री-पुरुष संबंधों, स्वतंत्रता, समानता और अधिकारों की नई व्याख्याएं सामने आ रही हैं, पर इनके बीच एक वर्ग ऐसा भी है, जो परंपरागत मान्यताओं को खारिज करते हुए विवाह जैसी संस्था पर सीधे प्रहार करने को ही समाधान मान रहा है। यह दृष्टि न केवल सामाजिक समरसता को चुनौती देती है, बल्कि परिवार, संबंध, उत्तरदायित्व और सांस्कृतिक धुरी को भी हिलाती है। समय के साथ विवाह संस्था में कई खामियां पैदा हुई हैं, जिनका मुख्य भार स्त्रियों ने उठाया है, लेकिन समाधान संस्था को तोड़ने में नहीं, बल्कि उसके सुधार में निहित है। शिक्षा, समानता, सुरक्षा, भागीदारी और गरिमा-ये वे स्तंभ हैं, जिन पर विवाह और परिवार की नई, स्वस्थ संरचना खड़ी हो सकती है। अत: आवश्यकता प्रहार की नहीं, बल्कि एक ऐसे संवेदनशील सुधार-विचार की है, जो समाज, संस्कृति और मानवीय भावनाओं को साथ लेकर चले।

# विवाह परंपरा, आधुनिकता और नारी गरिमा का संतुलन

वर्तमान दौर परिवर्तन और उथल-पुथल का दौर है। इस परिवर्तित दौर में हमारे मूल्यों, मान्यताओं, संवेदनाओं और अनुभूतियों में तेजी से बदलाव हो रहा है। बदलाव में तारतम्यता, बोध और लयबद्धता से इतर बिखराव और भटकाव की प्रकृति अधिक दिखाई देती है और इस बिखराव व भटकाव को समाज का एक वर्ग भरपूर आश्रय दे रहा है।

चिरकाल से हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक व्यवस्था प्रेम, विवाह, सहयोग, शुचिता के जिन आधार स्तंभों पर टिकी हुई है। एकाएक उनसे विद्रोह और विमुखता के स्वर एक वर्ग से उठने लगे हैं। पाश्चात्य मानकों और संस्कृति में रंगा यह वर्ग, विवाह और परिवार जैसी संस्थाओं को स्त्री की स्वतंत्रता, समानता और कैरियर मे ऊंची उड़ान के दृष्टिकोण से अनुपयुक्त मानते हुए हर मंच से अपनी आवाज बुलंद कर सहचर्य के आधुनिक रूप लिव-इन-रिलेशनशिप, यौन संबंधों में खुलापन, अश्लील आंदोलन जहां वस्त्रों के साथ भी निर्वस्त्र होने की कल्पना को तन पर स्वयं के अधिकार और स्वतंत्रता के नाम पर खुलेआम परोस रहे हैं।

बीना नयाल
स्वतंत्र लेखिका

यह दौर सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों के संक्रमण का दौर है, जहां आधिकाधिक स्वतंत्रता और अधिकारों का सामाजिक मान्यताओं, नैतिकता और स्त्री पुरुष के वैवाहिक संबंधों से सीधा टकराव हो रहा है और इस नवीन परिदृश्य में राज्य और न्यायकारी संस्थाओं द्वारा न्याय, नैतिकता और उत्तरदायित्व की समस्याओं के समाधान के रूप में लिव- इन-रिलेशनशिप, विवाह पूर्ण यौन आचरण की वैधता के संदर्भ में नए-नए कानून निर्मित करने की विवशता भी है। जब कोई संस्था या सामाजिक व्यवस्था बनाई जाती है और उसके इर्द-गिर्द नियमों और मूल्यों का ताना-बाना बुना जाता है, तो उसका उद्देश्य वर्तमान और भविष्य की बेहतरी ही होता है, परंतु समय के साथ व्यवस्था में खामियों के फलस्वरूप व्यवस्था के प्रति असंतोष और अविश्वास जैसे तत्व भी अपनी जगह बनाने लगते हैं, जो विवाह रूपी सामाजिक व्यवस्था में स्त्रियों के साथ हुआ।

संबंध की जो कल्पना और सामाजिक सांस्कृतिक विकास की जो भावना इस संस्था के माध्यम से की गई थी, वह पितृसत्तात्मक व्यवस्था की पोषक मात्र बनकर रह गई है। संविधान, कानून, न्यायिक अवधारणाओं और शिक्षा के प्रचार-प्रसार से स्थितियां काफी बदल रही है और यह बदलाव धीरे-धीरे इसी संस्था में महिलाओं की स्वतंत्रता, सुरक्षा, समानता और सह-अस्तित्व की गारंटी भी दे रहा है।

## शोषण, दमन और अत्याचार

- शोषण, दमन और अत्याचार यद्यपि अब भी विद्यमान है, परंतु अब स्त्री के साथ-साथ पुरुषों के प्रति भी हिंसा और असहयोग जैसी भावनाएं बढ़ रही हैं।
- विवाह के विकल्प के रूप में जिस लिव-इन व्यवस्था की पैरवी छद्म नारीवादियों द्वारा की जा रही है। वह उत्तरदायित्वपूर्ण सहचर्य के सामाजिक मान्य रूप से अनुउत्तरदायित्वपूर्ण स्वच्छंद भोगवादी सहचर्य की ओर पलायन मात्र है, जिसका दुष्परिणाम महिलाओं और बच्चों के मानसिक, भावनात्मक, शारीरिक स्वास्थ्य और सामाजिक और सांस्कृतिक पतन के रूप में आएगा।
- जब-जब समाज और संस्कृति पतन की ओर उन्मुख होगी तब-तब कला, साहित्य, सृजन और संभावनाएं भी अधोमुखी गति करेंगी।
- स्त्रियों की शारीरिक संरचना से संबंधित साधन और सुविधाओं के विषयों को पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण कर सोशल मीडिया रूपी चौराहे पर निर्वस्त्र करना कहीं से भी नारीवाद नहीं है, अपितु नारीवाद की आड़ में अपनी दमित अभिव्यक्तियों, कुंठाओं और निराशा को व्यापक वर्ग की समस्या बनाकर स्त्रियों और पुरुषों के मध्य बारीक शिष्ट आवरण को निर्वस्त्र करने जैसा है, जिसे एक अतिवादी वर्ग द्वारा भरपूर आश्रय दिया जा रहा है।
- नारी की स्थिति में यदि वाकई सुधार के पक्षधर हैं, तो नारी की शिक्षा, स्वावलंबन और सुरक्षा की गारंटी हेतु आंदोलन कीजिए।
- पुरुषवादी व्यवस्था के वर्चस्व के विरुद्ध परिवार व वैवाहिक संस्था में महिलाएं के निर्णय में भागीदारी, बराबरी, गरिमा और सम्मान की वकालत कीजिए। उन कानूनों और नियमों को लागू करने की मांग कीजिए, जो सामाजिक कुरीतियों, परंपराओं और अंधविश्वास के कारण उस रूप में लागू नहीं हो पा रही है, जिस रूप में वह लागू होनी चाहिए।
- सार्थक नारीवाद उसके गरिमामय जीवन, हर क्षेत्र में उसकी भागीदारी और उसकी भावनाओं की स्वीकृति की मांग करता है न की नग्न भोगवादी संस्कृति की मांग करता है।
- छद्म नारीवाद और भोगवादी संगठनों के अनगिनत प्रहार भी तब तक विवाह रूपी संस्था को जर्जर नहीं कर सकते जब तक स्त्रियों में प्रेम, संवेदनशीलता, सहजता, सुकोमल भावनाएं और सहयोग की भावनाएं व्याप्त रहेगी।

---

# सर्दियों में बालों को खुशबूदार बनाने का आसान उपाय : हेयर परफ्यूम

सर्दियां आते ही ठंडी हवाओं के साथ कुछ छोटी-बड़ी परेशानियां भी साथ चली आती हैं। उन्हीं में से एक है बालों की देखभाल। कड़ाके की ठंड में अक्सर महिलाएं बाल धोने से बचती हैं, क्योंकि ठंडे मौसम में सिर धोना न केवल कठिन लगता है, बल्कि बालों को सूखने में भी काफी समय लगता है। कई बार तो पांच-छह दिनों तक हेयर वॉश टलता ही रहता है और हमेशा यही दुविधा बनी रहती है कि आखिर किस दिन बाल धोए जाएं। इसी दौरान शादी-पार्टी का मौसम शुरू हो जाए, तो उलझन और बढ़ जाती है। निमंत्रण मिलते ही बाल धोना मजबूरी बन जाता है, लेकिन ठंड में गीले बालों का आधे घंटे तक भीगना किसी सजा से कम नहीं। हालांकि हेयर वॉश बालों की सेहत के लिए जरूरी है, लेकिन ऐसे समय में अगर बाल धोने का मन न हो और फिर भी आपको किसी समारोह में जाना हो, तो इसका सबसे सरल और प्रभावी समाधान है-हेयर परफ्यूम।

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

हेयर परफ्यूम आपके बालों को सुगंधित करने के साथ-साथ उन्हें फ्रेश लुक भी देता है। यह बालों से आने वाली बदबू को रोकता है और खासतौर पर रूखे, फ्रिजी और बेजान बालों पर बेहद असरदार साबित होता है। सवाल यह है कि हेयर परफ्यूम वास्तव में काम कैसे करता है और क्या यह बालों के लिए सुरक्षित है?

### हेयर परफ्यूम क्यों है फायदेमंद

हेयर परफ्यूम के बारे में सबसे बड़ी बात यह है कि इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होता। इसकी खुशबू बॉडी परफ्यूम की तुलना में हल्की होती है, इसलिए इसका अत्यधिक उपयोग भी हानिकारक नहीं है। ठीक उसी तरह जैसे आप शरीर पर परफ्यूम लगाती हैं, उसी तरह हेयर परफ्यूम बालों को ताजगी देने और महकाने के लिए उपयोग किया जाता है। यह न केवल बालों को सुगंधित करता है, बल्कि उनमें हल्का मॉइस्चर भी प्रदान करता है, जिससे बाल अधिक स्वस्थ, मुलायम और तरोताजा दिखाई देते हैं। हेयर परफ्यूम बालों को खूबसूरती प्रदान करने के साथ उनमें एक लग्जरी टच भी जोड़ देता है। खासकर जब आप किसी पार्टी, शादी या समारोह में जा रही हों, तो यह आपको आत्मविश्वास और ताजगी का अहसास कराता है।

### बॉडी परफ्यूम क्यों नहीं

कई महिलाएं जल्दबाजी में बालों पर बॉडी परफ्यूम ही स्प्रे कर देती हैं, लेकिन यह गलती बालों को नुकसान पहुंचा सकती है। बॉडी परफ्यूम में अल्कोहल की मात्रा अधिक होती है, जो बालों की नमी छीनकर उन्हें और भी रूखा, बेजान और फ्रिजी बना देती है। इसके विपरीत, हेयर परफ्यूम में अल्कोहल की मात्रा बहुत कम होती है और यह प्राय: पानी आधारित होता है। इस कारण यह बालों को भारी या चिपचिपा नहीं बनाता। यही वजह है कि हेयर परफ्यूम बालों के लिए अधिक सुरक्षित और उपयुक्त विकल्प माना जाता है।

### हेयर परफ्यूम लगाने का सही तरीका

- स्प्रे बोतल को बालों से 6-8 इंच दूर रखें।
- हल्का स्प्रे करें ताकि खुशबू समान रूप से फैले।
- जड़ों पर स्प्रे न करें, बालों की बीच की लंबाई और सिरों पर स्प्रे करना अधिक प्रभावी होता है।
- यह तरीका बालों को भारी होने से बचाता है और किसी प्रकार के चिपचिपे निशान भी नहीं छोड़ता।

### स्टोरेज और उपयोग की सावधानियां

- हेयर परफ्यूम को हमेशा किसी सूखी और ठंडी जगह पर रखें।
- इसे आप एक सप्ताह तक आराम से स्टोर कर सकती हैं।
- सर्दियों में ठंडे मौसम के कारण यह मिश्रण और भी अधिक समय तक टिक सकता है।

### घर पर बनाएं सुरक्षित और हर्बल हेयर परफ्यूम

बाजार में कई नामी ब्रांड्स हेयर स्प्रे उपलब्ध कराते हैं, लेकिन यदि आप प्राकृतिक और सुरक्षित विकल्प चाहती हैं, तो घर पर हर्बल हेयर परफ्यूम बनाना सबसे बेहतर रहेगा। यह न केवल किफायती होता है, बल्कि रसायन-मुक्त होने के कारण बालों के लिए भी सुरक्षित है।

### गुलाब की खुशबू वाला हेयर परफ्यूम

इस होममेड हेयर परफ्यूम से बालों में गुलाबों की रोमांटिक और मनमोहक खुशबू दिनभर बनी रहती है।

**बनाने की विधि :**

- 2 चम्मच गुलाब का तेल
- 1 चम्मच जोजोबा ऑयल
- 5 चम्मच गुलाब जल

इन सभी को स्प्रे बोतल में डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। पार्टी में जाने से पहले हल्का स्प्रे करें। इससे बालों में ताजगी, सुगंध और पोषण तीनों मिलेगा।

### गुलाब जल और विच हेजल स्प्रे

यदि आप हल्की और ताजगी भरी खुशबू पसंद करती हैं, तो यह परफ्यूम बेहतरीन है।

विधि :

- आधा चम्मच गुलाब जल
- 1 चम्मच विच हेजल
- 5 बूंदें गुलाब तेल

सभी सामग्री मिलाकर स्प्रे बॉटल में भर लें। बालों पर स्प्रे करें और हर मौके पर फ्रेश महसूस करें।

### लैवेंडर- जैस्मिन हाइड्रेटिंग हेयर परफ्यूम

यह परफ्यूम सुगंध के साथ बालों को हाइड्रेट भी करता है।

विधि :

- एक कप गुलाब जल
- 1 चम्मच एलोवेरा जेल (हल्का ब्लेंड किया हुआ)
- 10 बूंदें लैवेंडर एसेंशियल ऑयल
- 10 बूंदें जैस्मिन एसेंशियल ऑयल

सब कुछ अच्छी तरह मिलाकर बोतल में भर लें और फ्रिज में रखें। यह मिश्रण बालों को मुलायम और चमकदार बनाता है।

### वेनिला- ग्रेपफ्रूट फ्रेगरेंस हेयर परफ्यूम

अगर आप मीठी और सॉफ्ट सिट्रस खुशबू चाहती हैं, तो यह घर पर बना परफ्यूम शानदार है।

सामग्री :

- आधा कप गुलाब 4 बूंदें वेनिला अर्क
- 20 बूंदें ग्रेपफ्रूट एसेंशियल ऑयल
- 10 बूंदें जैस्मिन एसेंशियल ऑयल

सभी को मिलाकर बोतल में भर लें और फ्रिज में स्टोर करें।

---

खाना खजाना

# सरसों का साग

टेस्टी और हेल्दी सरसों का साग सर्दियों की सबसे पसंदीदा और पौष्टिक पंजाबी डिशों में से एक है। सरसों के ताजे पत्तों की खुशबू, पालक या बथुये का संतुलित स्वाद और देसी घी का तड़का-सब मिलकर इसे एक बेहतरीन पारंपरिक रेसिपी बनाते हैं। आयरन, कैल्शियम और फाइबर से भरपूर यह साग न सिर्फ शरीर को गर्म रखता है, बल्कि इम्यूनिटी भी बढ़ाता है। खास बात यह है कि इसे बनाना बेहद आसान है। सिर्फ पत्तों को साफ कर पकाना, हल्का-सा तड़का लगाना और स्वाद बढ़ाने के लिए मक्खन मिलाना। चाहे ग्रेवी वाला पसंद करें या थोड़ा सूखा, यह हर तरीके में लाजवाब लगता है। गरमा-गरम मक्के की रोटी, गुड़ और सफेद मक्खन के साथ इसका स्वाद दोगुना हो जाता है। सर्दियों में एक बार जरूर बनाकर देखें- दिल और पेट दोनों खुश हो जाएंगे।

नीलम कोडवानी
फूड ब्लॉगर

### सामग्री

- 500 ग्राम सरसों का साग, बारीक कटा हुआ 250 ग्राम पालक
- 1 मध्यम प्याज, बारीक कटा हुआ
- 2-3 लहसुन की कलियां, बारीक कटी हुई
- 1-2 हरी मिर्च, बारीक कटी हुई
- आधा चम्मच जीरा
- आधा चम्मच हल्दी पाउडर
- 1 चम्मच धनिया पाउडर
- आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- आधा चम्मच गरम मसाला पाउडर
- आधा चम्मच नमक
- 2 बड़े चम्मच तेल या घी
- 1 बड़ा चम्मच मक्खन (वैकल्पिक)
- आधा कप पानी
- 2 चम्मच मक्के का आटा
- हरा धनिया, सजाने के लिए

### बनाने की विधि

सरसों के साग और पालक को अच्छी तरह धोलें और बारीक काट लें। इसके बाद एक पैन में तेल/घी गरम करें। जीरा, प्याज, लहसुन, हरी मिर्च डालकर भुनें। हल्दी, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालें। फिर साग और पालक डालें, फिर आधा कप पानी डालें और ढककर 15-20 मिनट पकने दें। बीच-बीच में चलाते रहें। (कुकर में भी पका सकते हैं) जब साग नरम हो जाए और पानी सूख जाए, उसके बाद गरम मसाला, 2 चम्मच मक्के का आटा, मक्खन डालें और 2 मिनट और पकाएं।

इसके बाद लहसुन लाल मिर्च का तड़का लगाएं और हरे धनिया से सजाएं। गरमा गरम मक्के की रोटी या परांठे के साथ परोसें।

टिप्सः- साग को ज्यादा स्वादिष्ट बनाने के लिए पालक या बथुआ मिला सकते हैं। ग्रेवी पसंद हो, तो थोड़ा पानी रख सकते हैं, सूखा साग भी अच्छा लगता है। सरसों का साग थोड़ा कड़वा होता है, इसलिए आखिर में मक्खन डालना अच्छा रहता है।

## न्यूज ब्रीफ

### ओटीएस में सर्वर डाउन, नहीं हुआ रजिस्ट्रेशन

**मीरगंज, अमृत विचार** : बिजली बिल राहत योजना के सर्वर में तकनीकी खराबी के कारण उपभोक्ता घंटों लाइन में खड़े रहे। दूरदराज के ग्रामीण उपभोक्ता निराश होकर लौट गए। कई जगहों पर रजिस्ट्रेशन में देरी से लोगों में असंतोष रहा। शनिवार को बिजली निगम का सर्वर ठप पड़ गया, जिससे कामकाज पर काफी असर पड़ा। योजना का लाभ लेने पहुंचे बकायेदार उपभोक्ता घंटों इंतेज़ार करते रहे तकनीकी गड़बड़ी के चलते रजिस्ट्रेशन नहीं हो सका।

### मानवाधिकार एसो. के जिलाध्यक्ष बने संजय

**कैंट, अमृत विचार** : राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन ने थाना कैंट क्षेत्र के चौबारी निवासी एडवोकेट संजय सिंह को बरेली का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ कुलदीप कुमार मिश्रा ने शनिवार को नियुक्ति पत्र जारी करते हुए यह जिम्मेदारी दी है।

### सांड ने बुजुर्ग को पटका मचा हड़कंप

**क्योलड़िया, अमृत विचार** : घरेलू काम से बाजार आए बुजुर्ग को सांड ने पटक दिया। इससे बुजुर्ग घायल हो गए। ग्रामीणों ने हल्ला मचाकर सांड को भगाया और घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है। भदपुरा ब्लाक के गांव नकटी नरायनपुर के तुलाराम( 65) गांव से क्योलाडिया की बाजार में घरेलू काम से आए थे। बैंक के सामने से गुजरते समय आवारा सांड ने सड़क पर बुजुर्ग को पटक दिया।इससे तुलाराम जख्मी हो गये। ग्रामीणों ने हल्ला बोलकर बुजुर्ग को सांड से बचाया। 112 डायल पुलिस को सूचना पर आई पुलिस ने एंबुलेंस से बुजुर्ग को अस्पताल भेजा ग्रामीणों ने बताया कि एक माह में आवारा सांड ने भगवान दास, रामदेव मास्टर, ओमप्रकाश, उर्मिला देवी, राजकुमार, राम बहादुर आदि को घायल कर चुका है। आवारा सांड से नागरिकों में दहशत कायम है। ग्रामीणों की मदद से आवारा सांड को पकड़ कर गांव मधुनगला की गोशाला में भेजा गया है।

### जेठ पर छेड़छाड़ का आरोप, छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट

**कैंट, अमृत विचार** : एक साल पहले हुई शादी में मनमाफिक दहेज नही मिलने पर ससुरालवालों ने महिला का गला दबाकर मारने का प्रयास किया। महिला ने जेठ पर छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए एसएसपी से शिकायत की। एसएसपी के आदेश पर कैंट पुलिस ने शुक्रवार रात को पति समेत 6 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की हैं। थाना क्षेत्र के गांव भौआपुर निवासी चांदनी पुत्री रामेश्वर ने बताया, कि उसकी शादी एक साल पहले शाहजहांपुर के थाना तिलहर क्षेत्र के गांव रोजगारी निवासी ओम शंकर के साथ हुई थी। महिला का आरोप है पति ओम शंकर, सास, ससुर मटरु लाल, ननद चांदनी, जेठ धर्मेंद्र व जेठानी लक्ष्मी कम दहेज का ताना देकर प्रताड़ित करते हुए दहेज में मोटरसाइकिल की अतिरिक्त मांग करने लगे। असमर्थता जताने पर मारपीट करते। महिला ने बताया, कि उसका पति शराब का आदी है, हर समय नशे में रहता है। जिसकी वजह से जेठ उस पर बुरी नजर रखने लगा। कई बार छेड़छाड़ की। विरोध करने पर जेठ धर्मेंद्र व पति ओम शंकर ने महिला का गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया। चीखने की आवाज पर आस पड़ोस के लोग आ गए। इस पर आरोपियों ने महिला को घर से निकाल दिया। महिला ने मामले की शिकायत एसएसपी अनुराग आर्य से की। पुलिस ने सभी छह लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

# तो अभी नहीं पड़ रही सर्दी, 22 के बाद जलेंगे अलाव

## आंवला पालिका ने रैन बसेरा को बना दिया गोदाम, एडीएम सभी ईओ को दे चुके हैं तुरंत रैन बसेरों को शुरू करने के निर्देश

संवाददाता, आंवला

कूड़ा-कचरा जलाकर आग तापते लोग। ● अमृत विचार

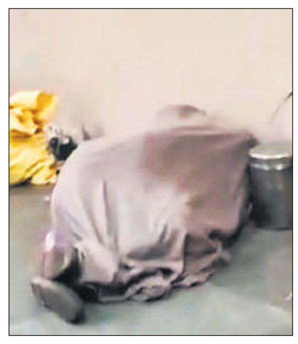
रेलवे स्टेशन पर खुले में सोते हुए राहगीर

आंवला रेलवे स्टेशन के सामने रैन बसेरा में भरे लकडियों के ढेर। ● अमृत विचार

**अमृत विचार :** नगर पालिका परिषद आंवला अधिकारियों के आदेशों को ठेंगा दिखा रही है। रेलवे स्टेशन के सामने यात्रियों के लिए बनाया गया रैन बसेरा एक बार फिर लकड़ियों के गोदाम में बदल गया है, जबकि बीते वर्ष डीएम और मंडलायुक्त ने इसे चालू रखने के निर्देश दिए थे। नगर पालिका की इस लापरवाही ने सर्द रातों में यात्रियों और श्रद्धालुओं को आसमान के नीचे रात गुजारने पर मजबूर कर दिया है।

रेलवे स्टेशन के सामने बने आठ कमरों वाले रैन बसेरे में अब अलाव की लकड़ियां भरी पड़ी हैं और भवन के दरवाज़े महीनों से बंद हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब स्टेशन पर मुसाफिरों की संख्या बहुत कम थी। तब भी पूर्व चेयरमैन ने यहां रैन बसेरा चलाया था। लेकिन अब जब मनौना धाम के श्रद्धालुओं और बाहरी यात्रियों की संख्या कई गुना बढ़ गई है। तब यह सुविधा बार-बार बंद कर दी जाती है। बीते वर्ष 5 नवंबर के अंक में अमृत विचार ने उक्त समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। जिसका संज्ञान लेकर मंडलायुक्त और डीएम ने रैन बसेरा आरम्भ करने के निर्देश दिए थे। पालिका ने 20 कम्बल, 15 गद्दे, 12 तख्त, आर ओ, सीसीटीवी कैमरे की खरीद कर करीब 3 लाख रुपये खर्च करके यह रैन बसेरा शुरू किया था। बीते वर्ष मात्र डेढ़ माह के भीतर करीब 1000 मुसाफिरों ने इसमें आश्रय लिया था। जिससे यह जिले का सबसे अधिक उपयोग वाला रैन बसेरा बन गया था। परंतु सर्दी समाप्त होते ही पालिका ने इसे फिर से बंद कर दिया और भवन में लकड़ी भर दी।

वर्तमान में पालिका की ओर से ताड़गंज मोहल्ला स्थित रैन बसेरा संचालित किया जा रहा है। जिसकी लोगों को जानकारी तक नहीं है। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन से काफी दूर होने के कारण ताडगंज के रैन बसेरा में बीते एक वर्ष भर में मुश्किल से 100 लोगों ने ही शरण ली थी। अधिशासी अधिकारी जितेन्द्र कुमार का कहना है कि अभी ठंड नहीं पड़ रही है। ठंड बढ़ने पर रैन बसेरा शुरू करा दिया जाएगा। जरूरतमंद ताड़गंज वाले रैन बसेरे में रुक सकते हैं।

चेयरमैन सैय्यद आबिद अली ने कहा कि वर्तमान में भवन में लकड़ी रखी हुई है। आवश्यकता पड़ने पर रैन बसेरा दोबारा संचालित कराया जाएगा। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) बरेली ने सभी नगर निकायों को निर्देशित किया है कि शीत लहर से बचाव हेतु सभी नगरों में रैन बसेरे तुरंत शुरू कराए जाएं और खुले में सोने वालों को इनमें पहुंचाने की जिम्मेदारी ईओ सुनिश्चित करें। लेकिन आंवला में हकीकत यह है कि प्रशासनिक पत्रों और आदेशों का कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है और ठंड की मार झेलते मुसाफिर रेलवे प्लेटफॉर्म, दुकानों की ओट और बस अड्डे के कोनों में रात काटने को मजबूर हैं।

### कचरा जलाकर तापा

आंवला कस्बे के मोहल्ला कच्चा कटरा शिवमंदिर के समीप कुछ लोगों ने ठंड से बचने के लिए आस पास से कूडा करकट और सूखे गोवर को एकत्रित कर तापते मिले। मोहल्ले के रामशंकर, शिवदयाल, राधेश्याम मौर्य, आदि ने बताया कि अलाव न जलने के कारण सर्दी से बचने के लिए कुछ न कुछ तो करना पडेगा।

### पालिका ने लकड़ी खरीदने के लिए जारी किया टेंडर

**आंवला, अमृत विचार :** शीतलहर और घने कोहरे के बीच आम लोग ठिठुर रहे हैं। सड़क पर चलने से लेकर वाहन चलाने तक में दिक्कतें बढ़ गई हैं। लेकिन आंवला नगर पालिका के लिए अभी ठंड औपचारिक रूप से शुरू ही नहीं हुई है। नगर में अभी तक सरकारी अलाव की शुरुआत तक नहीं की गयी है। जबकि लोग कागज, प्लास्टिक और कूड़ा-कचरा जलाकर शर्दी से बचने को मजबूर हैं। पालिका ने लकड़ी खरीदने के लिए नया टेंडर तो जारी कर दिया है। जो 22 दिसंबर को खोला जाएगा। लेकिन बीते साल की सरकारी लकड़ी रेलवे स्टेशन के सामने बने रैन बसेरा परिसर में भारी मात्रा में पड़ी हुई है। इसके बावजूद पालिका ने नए टेंडर खुलने का इंतजार बताते हुए अलाव व्यवस्था शुरू नहीं की है।अधिशासी अधिकारी जितेन्द्र कुमार का कहना है कि अभी सर्दी अधिक नहीं है। 22 दिसंबर को टेंडर खुलने के बाद अलाव जलवा दिए जाएंगे। ऐसे में पालिका का यह रुख गरीब, निराश्रित और राहगीरों के साथ सरासर नाइंसाफी माना जा रहा है।

### दहेज के लिए विवाहिता से मारपीट इलाज के दौरान मौत

**भमोरा, अमृत विचार :** 15 दिन पूर्व ससुरालियों द्वारा दहेज में 2 लाख की मांग करते हुए विवाहिता से मारपीट कर गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। शुक्रवार को इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई।

थाना फतेहगंज पूर्वी के गांव बाकरगंज निवासी किशन पाल ने बताया कि उसने अपनी पुत्री शीतल देवी (27) की शादी 7 वर्ष पूर्व थाना क्षेत्र के गांव ककरी निवासी सुनील सागर से की थी। कुछ समय ठीक रहने के बाद दो बच्चों को जन्म दिया लेकिन ससुराल वाले दहेज कम मिलने के ताने दिये करते थे। 28 नवंबर को पति सुनील सागर,ससुर मुनीश सागर, सास,देवरा राजा बाबू, चचिया ससुर भगवान दास व मोहित ने दो लाख रुपये मायके से लाने को लेकर बेटी के साथ जमकर मारपीट की बेहोशी की हालत में बल्लिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती कर भाग गए। सूचना पर पहुंचे परिजनो ने थाना पुलिस को तहरीर दे 6 के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा बेटी को बरेली एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां लंबे चले इलाज के दौरान शुक्रवार देर रात शीतल देवी ने दम तोड़ दिया।

# गन्ना भुगतान की मांग पर छह दिन से धरना जारी

गन्ना भुगतान को धरने में मौजूद सुनीता गंगवार व किसान। ● अमृत विचार

संवाददाता, नवाबगंज

**अमृत विचारः** तहसील परिसर में गन्ना भुगतान की मांग को लेकर दिया जा रहा धरना शनिवार को छठे दिन भी जारी रहा। भारी ठंड में चल रहे इस अनिश्चित कालीन धरने को लेकर जिला प्रशासन द्वारा अभी भी कोई पहल न किए जाने से किसानों में भारी आक्रोश नज़र आ रहा है।

धरने पर सामाजिक संस्था पैनी नज़र की अध्यक्ष सुनीता गंगवार एड ने जहां राजनीतिक दलों पर हमला किया वहीं उन्होंने क्षेत्र के किसानों से अपने हक के लिए जागरूक होने और धरने में शामिल होने का आवाहन किया।

किसान नेताओं ने अपना समर्थन देते हुए प्रदेश की योगी सरकार को किसान विरोधी बताया। धरने पर सपा के युवा नेता टीटू गंगवार ने स्थानीय प्रशासन से हस्तक्षेप कर जल्द से जल्द किसानों का भुगतान कराए हैं की मांग की। धरने पर क्षेत्र पंचायत सदस्य अर्जुन सिंह गंगवार, रामरतन गंगवार, वहीद अहमद, ब्रह्मानंद गंगवार, बृजेश गंगवार, सरदार सेवा सिंह, संतोष कुर्मी, हरीशंकर गंगवार आदि किसान नेता शामिल रहे।

# गायन में अक्षी व नृत्य में अनुष्का विजेता

कार्यालय संवाददाता, बरेली

रिदम प्रतियोगिता के समापन पर प्रतिभागी। ● अमृत विचार

● रुहेलखंड विश्वविद्यालय की रिदम प्रतियोगिता का समापन

**अमृत विचारः** रुहेलखंड विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक केंद्र की ओर से आयोजित वार्षिक रिदम प्रतियोगिता का शनिवार को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ समापन हो गया। एकल गायन की प्रतियोगिता में अक्षी भटनागर ने प्रथम, यश गौर ने द्वितीय और अलामिन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।स

एकल नृत्य में अनुष्का ठाकुर प्रथम , कनक गुप्ता द्वितीय व अक्षिता पाराशरी तृतीय, फोटोग्राफी में अखिलेश गंगवार प्रथम, महक फातिमा द्वितीय व आलोक पटेल तृतीय, वाद्य यंत्र संगीत में पियूष पाल प्रथम, यश कौर द्वितीय और नंदिनी जौहरी तृतीय, पोस्टर और पेंटिंग प्रतियोगिता में साक्षी प्रथम, जुबेर अहमद द्वितीय व सिमरन सक्सेना तृतीय, मेहंदी में इंदु पटेल प्रथम, अनुराधा द्वितीय और ओसीका तृतीय स्थान प्राप्त किया गया। कार्यक्रम में सत्र 2025-26 के लिए स्टूडेंट कल्चरल काउंसिल का गठन भी किया गया। अध्यक्ष पीयूष पाल को, उपाध्यक्ष दीपांशु दीप को, सचिव अक्षिता पाराशरी को, संयुक्त सचिव अथर्व भटनागर को, कोषाध्यक्ष महक फातिमा को बनाया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. केपी सिंह, कुलसचिव हरीश चंद, सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. ज्योति पांडेय, डॉ. इंद्रप्रीत कौर, डॉ. सौरभ वर्मा, डॉ. रीना आदि रहे।

**18 समितियों का गठन कर बनाए सन्वयकः** विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के संचालन के लिए 18 समितियों का गठन कर समन्वयकों की नियुक्ति भी की गई। इनमें डांस क्लब की समन्वयक अनुष्का ठाकुर, संगीत क्लब के यश गौर, ड्रामा क्लब के श्रेय रस्तोगी, योग क्लब के आभाश्री, मीडिया क्लब की महक फातिमा, अनुराधा, साक्षी पटेल, फोटोग्राफी शॉर्ट फिल्म मेकिंग के अखिलेश गंगवार, साहित्यिक समिति की लवी सिंह, शिवम गंगवार, आकाश गुप्ता, इवेंट मैनेजमेंट के अथर्व भटनागर, स्टेज डेकोरेशन की मेधावी वर्मा और एंकरिंग आदि के लिए पंखुड़ी कंचन नियुक्त की गईं।

# बिशारतगंज में टूटी सड़कों की मरम्मत को लगाई गुहार

संवाददाता, बिशारतगंज

बदहाल सड़क। ● अमृत विचार

**अमृत विचारः** नगर पंचायत बिशारतगंज को बरेली के मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली वार्ड नंबर 8 की एक मात्र सड़क गड्ढों और जलभराव के कारण जर्जर हो चुकी है। जिससे रोजाना आवागमन करने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने सड़क की दुर्दशा और आए दिन होने वाले हादसों को लेकर एसडीएम आंवला से शिकायत की है। लोगों का आरोप है कि जर्जर सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और पानी भरा रहने से वाहन अक्सर फिसल जाते हैं। जिससे हादसों की आशंका बनी रहती है। बीते सप्ताह इसी सड़क पर एक ई-रिक्शा पलट गया था। जिसमें सवार बच्चों में से एक के हाथ की हड्डी टूट गई। शिकायतकर्ताओं के अनुसार ईओ से कई बार फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई। लेकिन वह न तो कार्यालय में मिले न ही फोन उठाया। आरोप लगाया कि बार-बार शिकायत के बावजूद सड़क की मरम्मत को लेकर कोई पहल नहीं की गई है। पुराना बाजार को बलेई मार्ग से जोड़ने वाली सड़क, जो जैतपुर मार्ग से भी जोड़ती है। वह भी गड्ढों और खराब निर्माण के कारण लंबे समय से बदहाल पड़ी है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि दोनों मार्गों का तत्काल निरीक्षण करा कर गड्ढों को भरवाया जाए । ताकि दैनिक आवाजाही करने वाले लोगों, स्कूली बच्चों और ई-रिक्शा से सफर करने वालों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

# श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का किया भावपूर्ण वर्णन

संवाददाता, कैंट

श्रीमद् भागवत कथा में पूर्व विधायक पप्पू भरतौल शामिल हुए। ● अमृत विचार

**अमृत विचार :** बाबा ब्रह्मदेव सेवा ट्रस्ट द्वारा सदर कैंट में श्रीराम लीला स्थल पर चल रही श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के पांचवें दिन कथा व्यास पूज्य स्वामी अनंताचार्य द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की मनोहारी बाल लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया गया। श्रोता भाव-विभोर होकर नंदलाल के बाल स्वरूप का स्मरण करते रहे।

कथा में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोपरांत गोकुल में किए गए विभिन्न बाल चरित्रों का विस्तार से वर्णन हुआ। माखन चोरी की लीला, ग्वाल बालों के साथ खेल-कूद और यमुना तट की बाल लीलाओं ने वातावरण को आनंदमय बना दिया।

कथाव्यास ने बताया कि श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि भक्ति, वात्सल्य और ईश्वर की करुणा का जीवंत संदेश हैं। इन लीलाओं के माध्यम से भगवान ने यह दर्शाया कि वे अपने भक्तों के प्रेम के वश में हो जाते हैं। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेश कुमार मिश्रा उर्फ पप्पू भरतौल, पूर्व महानगर अध्यक्ष भाजपा पुष्पेंदु शर्मा, शशिकांत जायसवाल, श्रीधर शुक्ला, सभासद डॉ वैभव जायसवाल, राजकुमार शर्मा, कृपाशंकर पाल, आनंद नारायण साहू, लालमन, मनोज पुरी, देवता प्रसाद तिवारी, अनिल छोटे, दिव्यांश जायसवाल, विष्णु, सुरेश तिवारी, गिरीश जायसवाल आदि रहे।

# मकान बंटवारे के विवाद में हमला

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

● परिवारजनों के बीच हुए विवाद ने लिया हिंसक रूप,मामला कोर्ट में विचाराधीन, रिपोर्ट दर्ज

● जबरन निर्माण कराने पर टोका तो साथियों के साथ चचिया ससुर ने की मारपीट

**अमृत विचार :** लोधी नगर मोहल्ले में बंटवारे को लेकर चल रहे पुराने विवाद ने हिंसक रूप ले लिया।आरोप है कि एक महिला और उसके दो बेटों पर लाठी-डंडों व ईटों से हमला किया गया,एक आरोपी द्वारा तमंचा निकालकर जान से मारने की धमकी भी दी गई।मामले में पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।पीड़िता मालती सिंह निवासी मोहल्ला साहूकारा ने पुलिस को बताया कि लोधीनगर स्थित पैतृक मकान में उनके हिस्से को लेकर मामला कोर्ट में विचाराधी है। इसके बावजूद बुधवार को उनके चचिया ससुर केदार सिंह ने उनके हिस्से के मकान पर जबरन निर्माण कार्य शुरू करा दिया। जब उन्होंने अपने हिस्से में दीवार निर्माण के लिए मजदूर बुलाकर काम शुरू कराया तो केदार सिंह अपने साथ अभिजीत सिंह,अभिषेक सिंह, मोहन सिंह और दीपू को लेकर आ गये और निर्माण कार्य रोक दिया। तभी मोहन सिंह ने ईट उठाकर मालती सिंह के सिर पर मार दी, जिससे वह घायल हो गई। मां को बचाने आए उनके बेटे विक्रम को अभिजीत सिंह और अभिषेक सिंह ने लाठी-डंडों से पीटा जिससे विक्रम सिंह घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। केदार सिंह,मोहन सिंह और दीपू ने दूसरे बेटे विजय सिंह पर भी हमला कर उसे घायल कर दिया। थाना प्रभारी अभिषेक कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर पुलिस ने घायलों का मेडिकल करा सभी नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

# लंपी वायरस की आहट से पशु पालन विभाग अलर्ट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● विभाग ने कंट्रोल रूम बनाने के साथ हेल्पलाइन नंबर किया जारी

**अमृत विचार :** गोवंशीय पशुओं में लंपी वायरस की संभावित दस्तक से पशु पालन विभाग सतर्क हो गया है। बीमारी की रोकथाम के लिए व्यापक टीकाकरण अभियान शुरू कर दिया गया है। निगरानी के लिए नोडल अधिकारी और कंट्रोल रूम बनाकर हेल्पलाइन नंबर 9935826035 और 1962 जारी किए हैं।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनमोहन पांडेय ने बताया कि लंपी वायरस गोवंशीय पशुओं के लिए अत्यंत घातक है और समय पर उपचार न मिलने की स्थिति में पशुओं की मृत्यु भी हो सकती है। टीकाकरण के लिए वैक्सीन को सभी पशु अस्पतालों में उपलब्ध करा दिया गया है। अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है। विभाग गांव-गांव जाकर पशुपालकों से संपर्क कर उन्हें लंपी वायरस के लक्षणों और बचाव के उपायों की जानकारी दे रहा है। अभियान के लिए डॉ. ओपी वर्मा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सीवीओ ने पशुपालकों से अपील की है कि बीमार गोवंश को बाहर चराने न भेजें और उन्हें स्वस्थ पशुओं से अलग रखें। मच्छर-मक्खी रोधी दवाओं का छिड़काव करें। साथ ही नीम की पत्तियों या गूगल का धुआं देने, बुखार के लक्षण दिखने पर तुरंत दवा देने और पशुओं को फिटकरी या लाल दवा मिले पानी से दिन में दो बार स्नान कराने की सलाह दी गई है। किसी भी संदिग्ध स्थिति में तत्काल पशु चिकित्सक से संपर्क करें।

# खेत की मिट्टी बीमार ...किसान संभल कर करें उर्वरक का इस्तेमाल

● जिले में 30 हजार मृदा नमूनों की जांच में मिली जीवाश्म कार्बन और नाइट्रोजन की कमी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

प्रयोगशाला में मिट्टी की जांच करते प्राविधिक सहायक श्यामू। ● अमृत विचार

**अमृत विचार :** जिले में रासायनिक खाद की बढ़ती खुराक ने मिट्टी के प्राकृतिक तत्वों को कमजोर कर दिया है। इसका खुलासा मृदा नमूनों के परीक्षण रिपोर्ट में हुआ है। मिट्टी में जीवांश कार्बन के साथ नाइट्रोजन की कमी मिली है, जिससे पौधों की वृद्धि रुक जाती है और उत्पादकता घट जाती है।

खेत की मिट्टी किस प्रकार की है, उसकी क्षमता किस स्तर पर है आदि बिंदुओं पर जानकारी के लिए केंद्र सरकार की ओर से सॉइल हेल्थ कार्ड स्क्रीम (मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना) शुरू की गई है। योजना के तहत विभाग किसानों के खेत की मिट्टी का सैंपल लेकर उसकी जांच कराता है। जिले में खरीफ और रबी सीजन में 30 हजार मृदा जांचने का लक्ष्य निर्धारित था। इसमें खरीफ में 21 हजार और रबी में नौ हजार नमूने लिए गए। इनकी जांच में जीवाश्म कार्बन और नाइट्रोजन 80 से 90 प्रतिशत कम पाया गया। लैब से मिली जानकारी के मुताबिक इनकी कमी से पौधों की ग्रोथ रुक जाती है और उत्पादकता भी घटने लगता है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे हरी और जैविक खाद का अधिक इस्तेमाल करें और मिट्टी की जांच कराकर ही उर्वरक का उपयोग करें। इससे मिट्टी की सेहत में सुधार होगा और उत्पादकता बढ़ेगा।

सहायक निदेशक नरेंद्र पाल बताते हैं कि मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाए रखने के लिए समय- समय पर शिविर लगाकर किसानों को जागरूक किया जाता है। मृदा नमूनों की जांच कर उर्वरक के सही इस्तेमाल की जानकारी दी जाती है। किसान चाहें तो स्वयं अपने खेत की मिट्टी कृषि भवन स्थित प्रयोगशाला में जांच के लिए लाकर जांच करवा सकते हैं।

### ये बरतें सावधानियां

खेतों में पराली को न जलाएं, इससे भूमि के कीट मित्र मर जाते हैं, कृषि वैज्ञानिकों से मिट्टी की नियमित जांच कराते रहें, कीटनाशक, खरपतवार का प्रयोग कृषि वैज्ञानिकों की सलाह पर करें, रसायनिक खादों की जगह बायो और जैविक खाद का इस्तेमाल करें।

### जीवाश्म कार्बन की कमी से प्रभावित होती है मिट्टी में नमी रोकने की क्षमता

मिट्टी में जीवाश्म कार्बन की कमी से मिट्टी में नमी रोकने की क्षमता कम हो जाती है। सिंचाई की आवश्यकता बढ़ जाती है। इसकी कमी से मिट्टी आसानी से बहती या उड़ती है। इससे उपजाऊ परत नष्ट हो जाती है और उत्पादकता घटती है। इसके लिए किसानों को जैविक और हरी खाद का अधिक इस्तेमाल करना चाहिए। पराली को जलाने के बजाय खेत में डालकर जुताई करना चाहिए। यह मिट्टी में कार्बन वापस लाने का उपयुक्त तरीका है।

### मिट्टी में नाइट्रोजन की कमी से रुकता है पौधों का विकास

प्राविधिक सहायक श्यामू बताते हैं कि मिट्टी में नाइट्रोजन की कमी से पौधे पीले पड़ने लगते हैं और उनका विकास रुक जाता है। अनाज की बालियां छोटी रह जाती हैं और प्रोटीन कम बनता है। इसके लिए जैविक खाद और रासायनिक खाद के रूप में यूरिया का इस्तेमाल करें या यूरिया घोल का छिड़काव करें। मिट्टी की जांच कराना भी जरूरी है। गोबर की खाद का अधिक इस्तेमाल करें। चना, सोयाबीन और मटर की खेती मिट्टी में नाइट्रोजन स्थिर करती हैं।

### फसल चक्र अपनाएं किसान तो सुधर सकती है सेहत

सहायक निदेशक मृदा परीक्षण नरेंद्रपाल का कहना है कि खेती में फसल चक्र का अपनाया जाना जरूरी है। लगातार परंपरागत ढंग से गेहूं-धान की खेती करने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम होती जाती है। यदि खेतों में मूंग, उड़द की फसल पलट दी जाए तो जीवाश्म कार्बन की उपलब्धता हो जाएगी। फसल चक्र के अभाव में नाइट्रोजन की उपलब्धता पर भी विपरीत असर पड़ रहा है। किसान सनई, ढैंचा की खेती भी नहीं कर रहे हैं। जैविक खाद से कल्चर बनता है। इसके अलावा खेतों में जिप्सम का भी उपयोग नहीं किया जा रहा है।

प्रेम हरि को रूप है,
त्यौं हरि प्रेम स्वरूप।
एक होइ द्वै यो लसै,
ज्यौं सूरज अरु धूप॥

रसखान कहते हैं, ईश्वर साक्षात प्रेम स्वरूप हैं यानी प्रेम हरि का ही रूप हैं। प्रेम और परमात्मा में कोई अंतर नहीं होता। जैसे कि सूरज और धूप में कोई अंतर नहीं है, वैसे ही ईश्वर और प्रेम एक ही हैं।



# भगवद् गीता में हैं विश्व दर्शन की सारी अनुभूतियां

गीता एक बार फिर से अंतर्राष्ट्रीय चर्चा में है। इसी माह आगे पीछे एक साथ दो घटनाएं हुईं। एक बार फिर गीता की चर्चा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो रही है। गीता भारतीय दर्शन का प्रतिनिधि दर्शन है। प्रधानमंत्री ने रूस के राष्ट्रपति को गीता भेंट की है। पुतिन यहां भारत यात्रा पर आए हुए थे। मोदी इसके पहले चीन, अमेरिका, जापान आदि के राष्ट्र प्रमुखों को गीता की प्रति भेंट कर चुके थे। इधर एक मजेदार घटना हुई। कोलकाता में गीता को लेकर विशाल सम्मेलन हुआ। कुछ समय पहले संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को ने गीता को प्रतिष्ठित ग्रंथ घोषित किया था। गीता कर्म प्रेरणा का ग्रंथ है। गीता विशालकाय महाभारत का हिस्सा है, लेकिन महाभारत के भीष्म पर्व के मूल कथानक से इसकी पर्याप्त संगति है।

ऋग्वेद के रचनाकाल के समय से लेकर आज तक समय का बड़ा फासला है। गीता में ऋग्वेद का दर्शन और अनुभूतियां हैं। अथर्ववेद का कालसूक्त गीता में भयानक काल होकर प्रकट हुआ है। अर्जुन ने श्रीकृष्ण से पूछा, 'हे भगवान, आप उग्र रूप वाले कौन हैं?' कृष्ण ने उत्तर दिया, 'कालोअस्मि लोकोक्षय प्रवृत्ते- मैं काल हूं और लोकों को समाप्त करने के लिए, प्राण लेने के लिए प्रवृत्त हूं।' गीता में विश्व दर्शन की लगभग सारी अनुभूतियां हैं। महात्मा गांधी गीता पर मोहित थे। उन्होंने अपने अखबार 'यंग इंडिया' में लिखा था, "जब निराशा मेरे सामने आ खड़ी होती है और जब बिल्कुल एकाकी मुझको प्रकाश की कोई किरण नहीं दिखाई देती, तब मैं गीता की शरण लेता हूं। कोई न कोई श्लोक मुझे ऐसा दिखाई पड़ जाता है कि मैं विषम विपत्तियों में भी मुस्कुराने लगता हूं। मेरा जीवन विपत्तियों से भरा रहा और यदि वे मुझ पर अपना कोई दृश्यमान अमिट चिह्न नहीं छोड़ सके, तो इसका श्रेय भगवद् गीता की शिक्षाओं को ही है।" गांधीजी की बात भावनात्मक है, लेकिन तथ्य भी यही है कि गीता प्रभावित करती है और सुख-दख में समान भाव की दृष्टि का विकास करती है।

प्रसिद्ध यूरोपीय विद्वान एडविन अर्नाल्ड ने गीता पर ग्रंथ लिखा था, 'सैलेशियल सॉन्ग'। उसने गीता की व्याख्या करने वाले अनेक पूर्ववर्ती विद्वानों की प्रशंसा की और लिखा कि इस ग्रंथ के अभाव में अंग्रेजी साहित्य अधूरा रह जाता है। बंगाल में सन 1784 में एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना हुई। सोसाइटी की प्रेरणा से चार्ल्स विलकिंस ने गीता का अनुवाद किया। ईस्ट इंडिया कंपनी की मदद से यह अनुवाद लंदन में छपा। तत्कालीन गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग ने इस कृति की लिखित प्रशंसा की थी। भारत के राष्ट्रपति रहे प्रख्यात दर्शन शास्त्री सर्वपल्ली राधाकृष्णन थे। उन्होंने लिखा, 'भगवद् गीता एक दर्शन ग्रंथ है और एक प्राचीन धर्म ग्रंथ भी है।' उन्होंने गीता का भाष्य किया। गीता ने सारी दुनिया को प्रभावित किया। इसका प्रभाव चीन और जापान तक पड़ा।

> गीता में विश्व दर्शन की सारी अनुभूतियां हैं। महात्मा गांधी गीता पर मोहित थे। उन्होंने अपने अखबार 'यंग इंडिया' में लिखा था, "जब निराशा मेरे सामने आ खड़ी होती है और जब बिल्कुल एकाकी मुझको प्रकाश की कोई किरण नहीं दिखाई देती, तब मैं गीता की शरण लेता हूं। कोई न कोई श्लोक मुझे ऐसा दिखाई पड़ जाता है कि मैं विषम विपत्तियों में भी मुस्कुराने लगता हूं। मेरा जीवन विपत्तियों से भरा रहा और यदि वे मुझ पर अपना कोई दृश्यमान अमिट चिह्न नहीं छोड़ सके, तो इसका श्रेय भगवद् गीता की शिक्षाओं को ही है।"

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

जर्मन धर्म के अधिकृत भाष्यकार जे डब्लू होवर ने लिखा, 'यह सब कालों में सब प्रकार के धार्मिक जीवन के लिए प्रमाणिक है। इसमें इंडो जर्मन धार्मिक इतिहास के महत्वपूर्ण दौर का प्रमाणिक निरूपण है।' लोकमान्य तिलक ने भी गीता की व्याख्या की और गीता रहस्य नामक ग्रंथ लिखा। गीता रहस्य में प्रवृत्ति मार्गी दृष्टि है। गीता रहस्य को बहुत प्रतिष्ठित ग्रंथ माना जाता है। गीता का आनंद किसी भी पृष्ठ से लिया जा सकता है। विश्व रूप को ही देखिए, संजय ने धृतराष्ट्र को बताया, 'रोमांचित विस्मित अर्जुन ने श्रीकृष्ण को प्रणाम किया और कहा, मैं आपके शरीर में सभी देवताओं और तमाम जीवों को देख रहा हूं। मैं कमलासीन ब्रह्मा, शिव और सभी ऋषियों को व सर्पों को देख रहा हूं। आपके अनेक हाथ हैं, अनेक मुख हैं और अनेक आंखें हैं।' एक ही केंद्र पर समूचे ब्रह्मांड को देखना बड़ी बात है। श्रीकृष्ण द्वारा दिखाए गए दिव्य रूप ऋग्वेद के पुरुष से मिलते हैं। ऋग्वेद का पुरुष भी सहस्त्र शीर्षा, सहस्त्र पैरों वाला है। गीता में अर्जुन द्वारा देखे गए विश्वरूप का वर्णन है। अर्जुन इस रूप को देखकर कांप उठा और बोला अनेक मुखों, आंखों, भुजाओं, पैरों, पेटों, बड़े-बड़े दांत वाले इस भयानक रूप को देखकर सब डर गए हैं। अर्जुन ने पूछा, 'आप कौन हैं? भयानक उग्र रूप वाला तू कौन है? आपको नमस्कार है। मैं जानना चाहता हूं कि तू आदि देव कौन है?' श्रीकृष्ण ने कहा, 'मैं लोकों का क्षय करने वाला काल हूं।'

काल अपना काम करता है। इस मान्यता को नियतिवाद कहते हैं। कर्म से संपन्नता आती है। कर्म से यश मिलता है। कर्म से युद्ध है। युद्ध कर्म से विजय मिलती है। राज्य के सुख मिलते हैं। यह पुरुषार्थवाद कहलाया। पुरुषार्थवादी कर्म पर भरोसा करते हैं और नियतिवाद से इनकार करते हैं। गीता में दोनों हैं। कर्मयोग गीता का केंद्रीय विचार है। वैदिक काल भी कर्म प्रधान था। ऋग्वेद के एक मंत्र में कहते हैं, 'देवता परिश्रम करने वाले के मित्र बन जाते हैं। आलसी और अकर्मण्य लोगों की सहायता देवता नहीं करते।' यही विश्वास भारतीय दर्शन में व उपनिषद् आदि ग्रंथों में उपस्थित है। भारत के दर्शन का आकर्षण सारी दुनिया में है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन के लिए इससे बेहतर क्या हो सकता है कि उन्हें सत्कार देने वाला व्यक्ति भारत का प्रधानमंत्री है। गीता की प्रतिष्ठा बढ़ रही है। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुसलमीन के नेता वारिस पठान ने कहा है कि अगर मोदी ने गीता की जगह कुरान भेंट की होती तो ज्यादा बेहतर होता। एआईएमआईएम का कुरान भेंट करने का बयान निंदनीय है। कुरान और गीता की तुलना नहीं की जानी चाहिए थी। सत्यनिष्ठ तुलना में मृदु शब्द ही नहीं निकलते। ऐसे बयान देश को कमजोर करते हैं। दुर्भाग्य से इस्लामी राजनीति में कट्टरपंथ है। उनके यहां कोई कृष्ण नहीं हुआ। इस राजनीति में अलगाववाद है। इस्लामी राजनीतिक चिंतन में दुर्भाग्य से कोई दार्शनिक नहीं हुआ, इसीलिए इस्लाम पर बहस नहीं हो सकती।

गीता का जन्म ही कुरुक्षेत्र में दो सेनाओं के मध्य खड़े अर्जुन के विषाद से हुआ। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को ज्ञान, कर्म और भक्ति की धाराएं समझाईं। जीवन को कर्म प्रधान बताया। सब बताने के बाद श्रीकृष्ण ने प्रश्न किया, 'यह सब सुनने के बाद आपका मन कैसा है?' अर्जुन ने उत्तर दिया, 'आपकी कृपा से हमारा मोह नष्ट हो गया- नष्टो मोहा। स्मृति लौट आई- स्मृति लब्धा' हिंदुओं पर बहुदेवपूजक होने के आरोप लगाते हैं। हिंदू बहुदेववादी नहीं एकेश्वरवादी और बहुत देव उपासक हैं।

इस आलेख की अंतिम बात, पूरी गीता पढ़ते समय बार-बार ऐसा प्रतीत होता है कि बस अब हो गया, लेकिन गीता के अंतिम अंश में विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लेख है। दुनिया का कोई भी पंथ, मजहब, रिलिजन ऐसे उपदेश नहीं देता। श्रीकृष्ण कहते हैं, 'मैंने सभी रहस्यों से बड़े रहस्य वाला ज्ञान बताया है। इस पर गहन विचार करो और जैसी इच्छा हो वैसा करो- यथेच्छसि तथा कुरु।' भारतीय चिंतन और ज्ञान परंपरा में कहीं भी असहमत को पीड़ित करने या मार देने की बात नहीं है। सहमत और असहमत दोनों विकल्प यहां व्यवहारिक रूप में भी सुस्पष्ट हैं। बड़ी बात है कि युद्ध से अलग होने की घोषणा करने वाले अर्जुन से कृष्ण कहते हैं, 'यथेच्छसि तथा कुरु-जो इच्छा हो सो करो।'

# संघ की प्रचार परंपराओं को तोड़ रहा सोशल मीडिया

करीब एक सदी तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की यही विशेषता रही कि प्रचारक प्रचार खूब करते रहे, पर दिखाई कुछ नहीं दिया, हांलाकि बिना प्रचार के प्रचार की कल्पना भी मुश्किल है, पर संघ ने ऐसा कर दिखाया। दो लोगों ने यदि दस लोगों से जनसंपर्क किया और अपनी बात या विचार रखे तो इस मीटिंग, बात-मुलाकात की फोटोबाजी, प्रेस आमंत्रण या प्रेस विज्ञप्ति की जरूरत कभी नहीं महसूस की गई। पंद्रह-बीस बरस पहले सोशल मीडिया शुरू हुआ, तो इससे भी परहेज़ किया गया। किसी तरह की भी फोटोबाजी से हमेशा दूरी बनाई गई। सब कुछ खामोशी से, बिना मीडिया या सोशल मीडिया के सहारे, बिना शोर-शराबे और बिना शो-ऑफ के संघ प्रचारक प्रचार करते रहे।

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्षों का यही इतिहास रहा है। राष्ट्रवाद का संकल्प, हिंदुत्व का प्रचार, जरूरतमंदों की मदद, शारीरिक व्यायाम, सादगी, समर्पण, लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संघर्ष, तपस्या, अनुशासन, धैर्य और दिखावे से दूर रहना। दुनिया बदल रही है। भारत भी बदल रहा है। नए भारत में नई इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी का नया दौर शुरू हो गया है। बदलाव की इस बेला में क्या संघ भी बदल रहा? सौ वर्ष पूरे होने की उपलब्धि से उत्साहित संघ अपने मूल कार्य प्रचार को नई दिशा देकर दिखावे, मीडिया, सोशल मीडिया और तस्वीरों से दूर रहने के नियम को क्या तोड़ रहा? दुनिया के सबसे बड़े इस भारतीय राष्ट्रवादी संगठन ने क्या अपने पारंपरिक प्रचार को बदलने का फैसला किया है?

> नए भारत में नई इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी का नया दौर शुरू हो गया है। सौ वर्ष पूरे होने की उपलब्धि से उत्साहित संघ अपने मूल कार्य प्रचार को नई दिशा देकर दिखावे, मीडिया, सोशल मीडिया और तस्वीरों से दूर रहने के नियम को क्या तोड़ रहा है?

क्या अब संघ सोशल मीडिया से परहेज़ नहीं करेगा! या फिर दिखावे से दूर रहने, अनुशासित रहने और सादगी का पर्याय बने इस संगठन में भी अनुशासनहीनता का वायरस आ गया है! या फिर आज के दौर में चाह के भी सोशल मीडिया से बचा नहीं जा सकता है, या इसके बिना प्रचार संभव ही नहीं! अथवा इससे परहेज करना किसी के भी बस में नहीं। आप कहीं किसी से मिलने जाओ और फोटो न खिंचवाने का आपका निर्णय हो, पर जिससे मिलने गए यदि वो फोटो खींचता है तो आप उसे रोक ही नहीं सकते। जगह-जगह सीसी कैमरे हैं, तो फोटो तो वैसे भी खिंच जाएगा और वो फोटो कोई कभी भी इस्तेमाल कर सकता है।

सोशल मीडिया पर अब संघ की तमाम तस्वीरें वायरल होने लगी हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूरे होने पर संघ जनसंपर्क अभियान चला रहा है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। पीआर (पब्लिक रिलेशन) सामाजिक सरोकारों से जुड़ा हो, राष्ट्रवाद से, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से या हिंदुत्व के प्रचार से ही क्यों न जुड़ा हो, आपकी सादगी और दिखावे से दूर रहने की जिद को आज का सोशल मीडिया तोड़ ही देगा। आप फोटो नहीं भी खिंचवाओगे, पर दूसरे को रोकने का हक भी आप के पास नहीं रहेगा। शायद यही कारण है कि सौ साल बाद संघ और तस्वीरों के बीच की दूरियां अब मिटती दिख रही हैं। संघ ने मीडिया ने हमेशा दूरी बनाई। मीडिया का सहारा नहीं लिया, लेकिन सोशल मीडिया संघ की परंपराओं को तोड़ने लगा है!

# एकांत का सौंदर्य और भीतर की यात्रा

आज का मनुष्य निरंतर दौड़ में है। लक्ष्य पाने की दौड़, दिखावे की दौड़ और दूसरों की अपेक्षाओं को पूरा करने की दौड़। इस भागदौड़ के बीच जो सबसे अधिक छूट गया है, वह है मनुष्य का अपना आंतरिक जगत। आधुनिक जीवन शैली ने हमें बाहरी दुनिया से इतना जोड़ दिया है कि हम स्वयं से मिलने का समय ही खो बैठे हैं। ऐसे समय में 'एकांत' कोई विलासिता नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य आवश्यकता बन गया है। यही वह क्षण है, जब जीवन हमें धीरे से कहता है- आंतरिक रूप से एकांत में रहिए, लक्ष्यहीन जीवन मत बिताइए, ध्यान कीजिए और अच्छी पुस्तकें पढ़िए।

जीवन की दिशा तभी स्पष्ट होती है जब मन के भीतर शांति हो। लक्ष्यहीन भटकाव केवल थकाता है, प्रेरित नहीं करता। आत्मिक यात्रा के लिए एकांत वह दीपक है, जो मन की गहराइयों को रोशन करता है। ध्यान और अध्ययन उस गहराई को दिशा देने वाले दो मजबूत स्तंभ हैं। ध्यान व्यक्ति को स्थिरता देता है और अध्ययन उसे विस्तार प्रदान करता है। दोनों मिलकर जीवन में लक्ष्य, अनुशासन और सृजनात्मकता का संचार करते हैं।

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

यह आवश्यक नहीं कि मनुष्य समाज से कट जाए। मनुष्य सामाजिक प्राणी है। लोगों में थोड़ा घुलना–मिलना जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है, किंतु वास्तविक समस्या तब उत्पन्न होती है, जब हम लोगों में इतने खो जाते हैं कि स्वयं से मिलने का अवसर ही न बचे, इसलिए प्रतिदिन एक–दो घंटे अपने लिए निकालना केवल मानसिक स्वास्थ्य नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन का सबसे बड़ा मंत्र है। यही समय हमें सजग बनाता है, थकान को धोता है और भीतर की ऊर्जा को पुनः भरता है। अलग रहिए, पर अपने अंतर में स्थित रहिए- यही आदर्श संतुलन है।

एकांत का आनंद उठाना किसी पलायन का नाम नहीं है। यह स्वयं को पुनः निर्मित करने की प्रक्रिया है। यह वह शांति है, जो किसी कोने में बैठकर मन को उसकी मौलिक लय में वापस ले आती है। यह वह स्पेस है, जहां जीवन के अनुत्तरित प्रश्न स्वयं उत्तर बनने लगते हैं। विचार निर्मल होते हैं, भावनाएं संयमित होती हैं और लक्ष्य स्पष्ट होने लगते हैं। इतने सारे लाभों के बावजूद लोग एकांत से डरते हैं, क्योंकि उन्होंने स्वयं के साथ बैठने का अभ्यास ही नहीं किया, लेकिन सच यही है, जो व्यक्ति स्वयं के साथ सुखी है, वही दूसरों को भी सुख दे सकता है।

एकांत का आनंद लेने का अर्थ यह नहीं कि समाज से विमुख हो जाएं। मनुष्य का व्यक्तित्वपूर्ण तब होता है जब वह एकांत और मेल–मिलाप के बीच संतुलन बनाए रखे। जब आप दूसरों से मिलें तो पूरे प्रेम और मित्रता के साथ मिलें। आपकी उपस्थिति लोगों के मन में सकारात्मकता भर दे। यह एक साधना है और इस साधना का आधार भी एकांत ही है, जो व्यक्ति भीतर से स्थिर होता है, वही दूसरों के लिए प्रेरणा बनता है। ऐसे व्यक्ति को देखकर लोग भूलते नहीं, वे याद रखते हैं कि वे एक ऐसी आत्मा से मिले थे, जिसने उनके भीतर प्रसन्नता और प्रेम के बीज बोए। आज के समय में सबसे बड़ी चुनौती यही है कि लोगों के बीच रहते हुए भी लोग भीतर से अकेले हो गए हैं।

# दुनियाभर में यौन हिंसा का शिकार बचपन

'द लैसेट' मैगजीन का यह खुलासा चिंतित करने वाला है कि दुनिया भर में 2023 में एक अरब से अधिक लोगों ने बचपन में यौन हिंसा का सामना किया है। मैगजीन के मुताबिक तकरीबन 60.8 करोड़ महिलाएं अपने साथी की ओर से की गई हिंसा का शिकार हुई हैं। सहारा अफ्रीका और साउथ एशिया में यौन हिंसा की दर सर्वाधिक है। मैगजीन के मुताबिक भारत में अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा की शिकार महिलाओं की दर 23 प्रतिशत है। मैगजीन में यह भी खुलासा किया गया है कि 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग की 30 प्रतिशत से अधिक महिलाओं और 15 वर्ष या उससे अधिक उम्र के 13 प्रतिशत पुरुषों ने बचपन में यौन हिंसा झेली है।

> 'द लैसेट' मैगजीन ने लिखा है कि 2023 में दुनियाभर में 15 वर्ष से ऊपर के एक अरब से अधिक लोगों ने यौन हिंसा का सामना किया है। तकरीबन 60 .8 करोड़ महिलाएं अपने साथी की ओर से की गई हिंसा का शिकार हुई हैं। 13 प्रतिशत पुरुषों ने बचपन में यौन हिंसा झेली है।

गौर करें तो यह पहली बार नहीं है जब इस तरह का मामला सामने आया है। भारत की बात करें तो राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के मुताबिक बच्चों के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत, नेपाल और श्रीलंका के प्रतिनिधि सर्वेक्षण आंकड़े बताते हैं कि इन तीनों देश में लगभग आठ में से एक बच्चा यानी 12.5 प्रतिशत 18 वर्ष की आयु पूरा होने तक यौन उत्पीड़न अथवा बलात्कार की शिकायत करता है। दक्षिण एशिया में 2024 में बाल यौन शोषण सामग्री की अधिकतर शिकायतें भारत, बांगलादेश और पाकिस्तान में दर्ज की गईं। इनमें अकेले भारत में 22.5 लाख मामले दर्ज किए गए।

अरविंद जयतिलक
लेखक

भारत में 2017 और 2022 के बीच पाक्सो कानून के तहत बच्चों के खिलाफ दर्ज यौन अपराधों में वृद्धि के संकेत हैं, हालांकि बढ़ती संख्या के बावजूद अभियोजन दर 90 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है, जो मजबूत प्रवर्तन एवं रिपोर्टिंग तंत्र का संकेत है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि इन सबके बावजूद यौन शोषण मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है और गुनाहगार सजा से बच निकल जा रहे हैं।

याद होगा कि गत वर्ष पहले कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेंस फाउंडेशन ने खुलासा किया था कि यौन शोषण के शिकार बच्चों में से औसतन चार को प्रतिदिन न्याय नहीं मिल रहा है। फाउंडेशन के मुताबिक पोक्सो के तहत दर्ज हजारों मामले जांच के बाद भी न्यायालय तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे प्रतिदिन चार पीड़ित बच्चों को न्याय नहीं मिल पा रहा है, चूंकि ज्यादतर पीड़ित कमजोर तबके से आते हैं, लिहाजा उनकी पैरवी ठीक ढंग से नहीं हो पाती। ऐसे में सुबूतों के अभाव में उनके केस बंद कर दिए जाते हैं।

गत वर्ष पहले सर्वोच्च अदालत ने देश में बच्चों से दुष्कर्म की बढ़ती घटनाओं को रोकने और ऐसे मामलों की जल्द जांच और ट्रायल सुनिश्चित करने के लिए विशेष जिला अदालतें बनाने का निर्देश दिया था। तब अदालत ने कहा था कि जिन जिलों में पोक्सो में 100 से ज्यादा मामले दर्ज हैं, ऐसे हर जिले में बाल यौन उत्पीड़न रोकथाम कानून यानी पोक्सो के तहत विशेष अदालत गठित की जाए। सर्वोच्च अदालत ने यह भी कहा था कि दो महीने के भीतर विशेष अदालतों को गठित करने का समय तय किया जाए। ये अदालतें सिर्फ पोक्सो के मुकदमे सुनेंगी और अदालतों के गठन का पूरा खर्च केंद्र सरकार द्वारा उठाया जाएगा। बच्चों का यौन उत्पीड़न न हो, इसके लिए अदालत ने जागरुकता कार्यक्रम शुरू करने का भी निर्देश दिया था, विडंबना है कि बच्चों का यौन शोषण थमने का नाम नहीं ले रहा।

तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पीठ ने बच्चों से बढ़ती दुष्कर्म की घटनाओं पर मीडिया रिपोर्ट के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए इस मामले को जनहित याचिका में तब्दील करते हुए न्यायालय की मदद के लिए वरिष्ठ वकील वी गिरी को अमाइकस क्यूरी नियुक्त किया था। तब उम्मीद की गई थी कि शायद सर्वोच्च अदालत की इस सक्रियता से दुष्कर्म से जुड़े लंबित मामले निपटाने में मदद मिलेगी, लेकिन इस दिशा में अभी अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई है, जबकि पाक्सो के तहत बच्चों का यौन शोषण करने वाले दोषियों को 20 साल कैद से लेकर मौत तक की कड़ी सजा के प्रावधान है, लेकिन इसके बावजूद भी दोषी दंड से बच निकल जा रहे हैं।

एक आंकड़े के मुताबिक देश में हर छह घंटे में एक बच्चे के साथ दुष्कर्म होता है। गत वर्ष पहले दुष्कर्म की बढ़ती घटनाओं पर सर्वोच्च अदालत को कहना पड़ा था कि देश में 'लेफ्ट, राइट, सेंटर' सब जगह दुष्कर्म हो रहे हैं। तब सर्वोच्च अदालत ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय से संरक्षण गृहों में यौन उत्पीड़न की घटनाएं रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों की भी जानकारी मांगी थी।

# कबीरा खड़ा बाजार में, मांगे सब की खैर

शताब्दियों पहले संत कवि कबीर ने 'कबीरा खड़ा बाज़ार में, मांगे सबकी खैर, न काहू से दोस्ती, न काहू से बैर' दोहे में तेजी से पनपती बाजारवादी संस्कृति की ओर इशारा कर दिया था। ज्यादा नहीं बल्कि 4-5 दशक पहले घरों में कोई उत्सव पड़ता था, तो महीनों से उसकी तैयारी होने लगती थी। शादी-विवाह के अवसर पर गेहूं बीनने, चावल साफ करने तथा दाल घर को चकरी में पीसने में महिलाएं लग जाती थीं, तो पुरुषवर्ग शादी का सामान खरीदने आसपास के बड़े शहरों में जाते थे, क्योंकि यह धारणा थी कि बड़े शहरों के बाज़ार में वेरायटी के साथ कीमत भी कम लगेगी। इसके अलावा घर में रंग-रोगन आदि दो-तीन महीने पहले से शुरू हो जाता था।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

कुल मिलाकर कई महीने पहले से शादी का एक अघोषित नगाड़ा बजने लगता था। धीरे-धीरे समय बदला। निहायत घरेलू कार्यों में बाज़ार ने थोड़ा-थोड़ा दखल देना शुरू किया। शादी-विवाह के उत्सव घरों के बजाय धर्मशालाओं से होते होटलों में होने लगे। इसी बीच बाजार ने शादी-विवाह में खाने-पीने की वस्तुओं पर भी कब्जा जमाया और अब सिर्फ शहरों में ही नहीं, बल्कि गांवों तक में होटल आदि के जरिए बाजार ने सारा जिम्मा अपने ऊपर ले लिया। ऐसी स्थिति में परिवार और रिश्ते में जो सद्भाव बनता था, वह खत्म होने लगा। काम-धाम के बदले में मिलने वाले नेग-न्योछावर बाज़ार में जाने लगा। बात इतने पर ही नहीं रुक रही। वर्तमान समय में प्रायः लोग बाजार के सहारे जीवन जी रहे हैं।

थोड़ा कबीर के चिंतन पर मनन किया जाए तो बड़ा स्पष्ट संकेत कबीर देते हैं कि कबीर बाज़ार में खड़े तो हैं, लेकिन बाजार की संस्कृति इतनी प्रबल है कि वे किसी से कुछ न कहकर सबके लिए दुआ कर रहे हैं। यानी कबीर बाजार के चलते बिगड़ती घरों की अर्थव्यवस्था से चिंतित हैं, लेकिन बाजारवादी व्यवस्था में लोगों को काम मिलने से थोड़े संतुष्ट भी हैं। इसीलिए कबीर न किसी से दोस्ती करना चाहते हैं और न किसी से बैर का भाव प्रदर्शित करना चाहते हैं, लेकिन संत कवि होने के नाते उनके पास दुआ के अलावा और क्या है? इसलिए क्रेता-विक्रेता सब की ही भलाई चाहते हैं। वे जानते है कि पूंजी का प्रवाह होता रहेगा तो सबके हिस्से में कुछ न कुछ अवशय आएगा ही।

# बदलते पर्यावरण की चेतावनी, वन्य जीवों में बढ़ रही आक्रामकता

पृथ्वी का संपूर्ण पर्यावरण एक सूक्ष्म संतुलन पर आधारित है, जिसमें वनों, नदियों, पहाड़ों, जलवायु और जीव-जंतुओं का परस्पर संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस संतुलन में किसी भी प्रकार का अनुचित परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव सीधे वन्य जीवों और उनके व्यवहार पर दिखाई देने लगता है। हाल के वर्षों में वन्य जीवों में आक्रामकता का बढ़ना इसी पर्यावरणीय असंतुलन का स्पष्ट संकेत है, जो बताता है कि प्रकृति गंभीर बदलावों और दबावों से गुजर रही है। जंगलों की शांत दुनिया आज पहले जैसी नहीं रही। जहां कभी हवा में पत्तों की सरसराहट और पक्षियों की मधुर आवाजें गूंजती थीं, वहां अब बेचैनी व तनाव आहट स्पष्ट सुनाई देती है। वन्य जीवों के व्यवहार में आ रहे तीव्र परिवर्तन यह संकेत देते हैं कि प्रकृति अपनी सीमा से बाहर हो चुके मानवीय हस्तक्षेपों का विरोध कर रही है। पशु-पक्षियों में बढ़ती आक्रामकता केवल एक व्यवहारिक विचलन नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संकट का गंभीर लक्षण है। प्रश्न केवल जानवरों के उग्र होने का नहीं है, प्रश्न उस गहरे असंतुलन का है, जिसे हमने अपनी अनियंत्रित विकास-नीति और पर्यावरण के प्रति उदासीनता से जन्म दिया है।

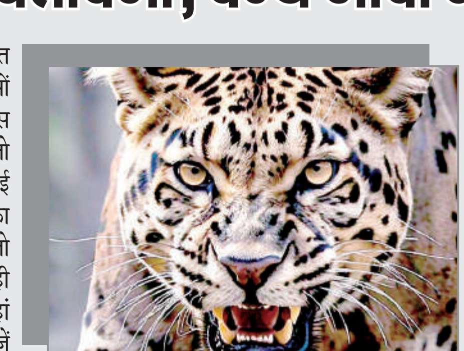

अत्यधिक तापमान कई जीवों की दिनचर्या को भी प्रभावित कर रहा है। जो जीव दिन में सक्रिय रहते थे, वे गर्मी से बचने के लिए रात में सक्रिय होने लगे हैं, जिससे विभिन्न प्रजातियों के बीच टकराव बढ़ रहा है। उदाहरण के लिए, बाघ, तेंदुआ, भालू और हाथी जैसी प्रजातियां तापमान बढ़ने पर अधिक सतर्क और क्रोधित दिखाई देते हैं। वैज्ञानिक यह भी मानते हैं कि जब तापमान लगातार बढ़ता है, तो जानवरों का मस्तिष्क 'सर्वाइवल मोड' में चला जाता है, जिससे वे किसी भी खतरे पर तीखी प्रतिक्रिया देते हैं।

डॉ. जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

विश्व के कई हिस्सों में और विशेष रूप से भारत में, पिछले दो दशकों से वन्य जीवों का स्वभाव तेज़ी से बदल रहा है। बाघ, तेंदुए, हाथी, भालू, बंदर और यहां तक कि कई पक्षी प्रजातियों में भी असामान्य आक्रामकता देखी जा रही है। यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि निरंतर बिगड़ते पर्यावरणीय हालात का परिणाम है। मानव आबादी के विस्तार के साथ जंगल सिकुड़ते गए और जानवरों की जीवन-शैली पर गहरा प्रभाव पड़ा। वनस्पतियों का कम होना, नदी-नालों का सूखना और तापमान का लगातार बढ़ना इन सबने मिलकर वन्य जीवों के व्यवहार को असामान्य दिशा में मोड़ दिया है।

बाघों और तेंदुओं जैसे बड़े शिकारी प्राणियों पर सबसे अधिक दबाव पड़ा है। इनके प्राकृतिक आवास जिस तेजी से टूटे हैं, वह इनके स्वभाव को प्रभावित करने के लिए पर्याप्त था। जब शिकार का आधार घटता है और उनका इलाका छोटा पड़ने लगता है, तो वे तनाव में आ जाते हैं। यह तनाव उनके व्यवहार में अस्थिरता और आक्रामकता के रूप में प्रकट होता है। पिछले वर्षों में अनेक मामलों में देखा गया है कि बाघ और तेंदुए इंसानी बस्तियों की ओर बढ़ते हुए अधिक आक्रामक दिखाई दिए। इसका कारण केवल भूख नहीं, बल्कि उनके प्राकृतिक क्षेत्र में मानवीय दखल से उपजा मानसिक दबाव भी है।

हाथियों की आक्रामकता भी एक गहन पर्यावरणीय संकट की ओर इशारा करती है। हाथियों के पारंपरिक मार्ग, जिन्हें 'एलिफेंट कॉरिडोर' कहा जाता है, कई जगहों पर बंद हो चुके हैं। खेत, सड़कें, रेल लाइनें और बस्तियां इन मार्गों पर आ बसी हैं। हाथी जब इन बाधाओं से टकराते हैं, तो उनमें तनाव बढ़ता है और यही तनाव कई बार विनाशकारी रूप ले लेता है। यही कारण है कि असम, झारखंड, ओडिशा और केरल जैसे राज्यों में हाथियों द्वारा फसलें रौंदने, घर तोड़ने और कभी-कभी मानव पर हमला करने की घटनाएं बढ़ी हैं। यह हिंसा उनकी स्वाभाविक प्रवृत्ति नहीं, बल्कि परिस्थितियों से उपजा प्रतिरोध है। भालुओं के व्यवहार में आया बदलाव भी चिंता का विषय है।


स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

## न्यूज ब्रीफ

### इंडिगो विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकराया

**रांची।** झारखंड में रांची हवाई अड्डे पर उतरते समय इंडिगो के एक विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शुक्रवार शाम करीब 7 :30 बजे तब हुई, जब भुवनेश्वर से रांची आया विमान हवाई ड्डे पर उतर रहा था। विमान में करीब 70 यात्री सवार थे। रांची हवाई अड्डे के निदेशक विनोद कुमार ने बताया कि उतरते समय विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया। यात्रियों को अचानक झटका लगा। वे सभी सुरक्षित हैं और उन्हें कोई चोट नहीं आई।

### गुजरात में पुलिस पर हमला, 47 घायल

**बनासकांठा।** गुजरात में बनासकांठा जिले के पडलिया गांव में शनिवार को 500 लोगों की भीड़ द्वारा किए गए हमले में पुलिस, वन और राजस्व विभागों के कम से कम 47 अधिकारी घायल हो गए। घायलों में से 36 को अंबाजी सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि 11 को बेहतर इलाज के लिए पालनपुर सिविल अस्पताल भेजा गया। अधिकारियों ने हमले के कारणों का खुलासा नहीं किया। यह दूरस्थ स्थान दंता तालुका में स्थित है, जो तीर्थस्थल अंबाजी से 14 किलोमीटर दूर है। बनासकांठा के जिलाधिकारी मिहिर पटेल ने बताया कि यह घटना अपराह्न ढाई बजे तब हुई जब अधिकारियों की टीम वन विभाग के सर्वे नंबर नौ क्षेत्र में पौधरोपण कर रही थी।

### कोझिकोड में विस्फोट में दो युवकों की मौत

**कोझिकोड।** केरल के कोझिकोड में शनिवार शाम को निकाय चुनावों से संबंधित विजय यात्रा के दौरान बालुस्सेरी और मलप्पुरम जिले के चेरुकावु में हुए विस्फोटों में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) के दो कार्यकर्ताओं की मौत हो गई। बालुस्सेरी के पास मदाथुम्पाडी में यूडीएफ की विजय यात्रा में एक स्कूटर में विस्फोट होने से एक युवा कार्यकर्ता की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

### चीता केपी-2 को वापस कूनो पहुंचाया

**बारां।** मध्य प्रदेश के कूनो के जंगलों से निकलकर दो सप्ताह पहले राजस्थान के बारां जिले की सीमा में आये अफ्रीकी चीता केपी –2 को कूनो से आया विशेष दल ट्रेंकुलाइज करके उसे वापस कूनो की ओर ले गया है। बारां डीएफओ विवेकानंद माणिकराव बड़े ने शनिवार को बताया कि कूनो से शुक्रवार को एक और दल बारां पहुंचा। इससे पहले चीते की सुरक्षा के लिए 16 दिनों से कूनो और बारां वन विभाग के दल निगरानी कर रहे थे।

# राजकुमार गोयल बनाए गए मुख्य सूचना आयुक्त

**नई दिल्ली, एजेंसी**

- आठ नए सूचना आयुक्तों का किया गया चयन

पूर्व आईएएस राजकुमार गोयल सोमवार को मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) पद की शपथ लेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगी।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय समिति ने गोयल के नाम की सिफारिश की थी। गोयल अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम-केंद्र शासित प्रदेश (एजीएमयूटी) कैडर के 1990 बैच के (सेवानिवृत्त) आईएएस हैं। वह 31 अगस्त को विधि एवं न्याय मंत्रालय के अधीन न्याय विभाग में सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने गृह मंत्रालय में सचिव (सीमा प्रबंधन) भी रहे। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति ने बुधवार को बैठक के दौरान केंद्रीय सूचना आयोग में आठ सूचना आयुक्तों के नामों की भी सिफारिश की।

आयोग की अध्यक्षता मुख्य सूचना आयुक्त करते हैं और इसमें 10 सूचना आयुक्त होते हैं। वर्तमान में आनंदी रामलिंगम और विनोद तिवारी सूचना आयुक्त हैं। रेलवे बोर्ड की पूर्व प्रमुख जया वर्मा सिन्हा, खुफिया ब्यूरो, गृह मंत्रालय और पूर्व आईपीएस स्वागत दास, तत्कालीन केंद्रीय सचिवालय सेवा (सीएसएस) संजीव जिंदल, पूर्व आईएएस सुरेंद्र सिंह मीणा व वन सेवा के पूर्व अधिकारी खुशवंत सिंह सेठी सूचना आयुक्त के रूप में नियुक्ति के लिए सिफारिश की गई है।

### संसद पर हमले की बरसी : राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा-आतंकवाद के सभी रूपों से लड़ने को भारत प्रतिबद्ध

# उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सांसदों ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

**नई दिल्ली, एजेंसी**

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के नेतृत्व में सांसदों ने शनिवार को 2001 में संसद भवन पर आतंकवादियों के हमले के दौरान मारे गए लोगों को पुष्पांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्यसभा के सभापति राधाकृष्णन हमले की 24वीं बरसी पर श्रद्धांजलि अर्पित करने वाले शुरुआती नेताओं में शामिल थे। इस दिन की याद में हर साल 13 दिसंबर को पुराने संसद भवन (संविधान सदन) के बाहर एक छोटा समारोह आयोजित किया जाता है। इसके अलावा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी संसद की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले साहसी नायकों को श्रद्धांजलि दी

संसद हमले की बरसी पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री मोदी।

और कहा कि देश उनके और उनके परिवारों का ऋणी रहेगा। मुर्मू ने एक्स पर कहा कि आज के दिन हम आतंकवाद के सभी रूपों से लड़ने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।

उन्होंने लिखा कि देश उन वीर नायकों को नमन करता है जिन्होंने 2001 में इसी दिन हमारी संसद की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। उनकी वीरता और कर्तव्यनिष्ठा हमारी राष्ट्रीय भावना को निरंतर प्रेरित करती रहेगी। देश उनके और उनके परिवारों का ऋणी रहेगा। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों ने कार्यक्रम स्थल पर सलामी या सम्मान गारद प्रस्तुत किया जिसके बाद शहीदों की याद में कुछ समय का मौन रखा गया।

इस कार्यक्रम में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी वाद्रा भी उपस्थित थीं। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू, जितेंद्र सिंह और अर्जुन राम मेघवाल ने भी हमले को नाकाम करते समय शहीद हुए कर्मियों की तस्वीरों पर पुष्पांजलि अर्पित की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला संसद के निचले सदन के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज पाटिल के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए लातूर में हैं। बाद में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस दिन हमारा देश उन लोगों को याद करता है जिन्होंने 2001 में हमारी संसद पर हुए जघन्य हमले के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने श्रद्धांजलि समारोह की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि गंभीर खतरे के बावजूद उनका साहस, सतर्कता और कर्तव्य के प्रति अटूट निष्ठा सराहनीय थी। भारत उनके सर्वोच्च बलिदान के लिए सदा कृतज्ञ रहेगा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 2001 में संसद भवन पर हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों को शनिवार को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनकी वीरता और राष्ट्र के प्रति निःस्वार्थ सेवा हर भारतीय को प्रेरित करती रहेगी।

# नक्सलवाद से किसी को फायदा नहीं होता : शाह

### केंद्रीय गृहमंत्री बोले- आगामी पांच वर्षों में बस्तर देश का सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्र होगा

**रायपुर, एजेंसी**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने छत्तीसगढ़ के सात जिलों वाले बस्तर संभाग को अगले पांच वर्षों में देश का सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्र बनाने का संकल्प लिया है। शाह ने कहा कि नक्सलवाद से किसी को फायदा नहीं होता, न तो हथियार उठाने वालों को और न ही सुरक्षाकर्मियों को, और शांति ही विकास का मार्ग प्रशस्त करती है।

उन्होंने फिर इस बात पर बल दिया कि 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद खत्म हो जाएगा। शाह ने राज्य के बस्तर जिले के मुख्यालय जगदलपुर में इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम में बस्तर ओलंपिक-2025 खेल आयोजन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए माओवादियों से अनुरोध किया कि वे हथियार डाल दें और समाज की मुख्यधारा में शामिल हो जाएं। सरकार ने 31 मार्च, 2026 से पहले देश से लाल आतंक को खत्म करने का फैसला किया है, यह लक्ष्य अब प्राप्ति के करीब है। शाह ने कहा

समापन समारोह में शामिल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

#### हथियार डाल पुनर्वास नीति का फायदा उठाइए

शाह ने कहा कि नक्सलवाद समाप्त हो, यह हमारा लक्ष्य जरूर है, पर क्यों है, क्योंकि नक्सलवाद इस क्षेत्र के विकास पर नाग बनकर बैठा था। नक्सलवाद समाप्त होने के साथ इस क्षेत्र में विकास की नई शुरुआत होगी। यह प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सबसे विकसित क्षेत्र बनेगा, इसका मुझे पूरा विश्वास है। शाह ने कहा कि गुमराह होकर हमारे ही लोग हाथ में हथियार लेकर बैठे हैं। हथियार डाल दीजिए पुनर्वास नीति का फायदा उठाइए। अपने और अपने परिवार के कल्याण में जुट जाइए, विकसित बस्तर के संकल्प के साथ आप जुड़ जाइए। शाह ने युवाओं से पुनर्वास नीति का फायदा उठाने का आग्रह किया।

कि आज मैं बस्तर में आया हूं तब मुझसे ज्यादा आनंद किसी व्यक्ति को नहीं हो सकता है। हमने तय किया था कि 31 मार्च के पहले देश से लाल आतंक को खत्म कर देंगे, और आज बस्तर ओलंपिक 2025 में हम इसके कगार पर खड़े हैं। मैं 2024 में भी आया था, 2025 में भी आया हूं और 2026 में भी आऊंगा, यह मेरा वादा है। परंतु, जब मैं 2026 में बस्तर ओलंपिक के लिए पहुंचूंगा, तब तक छत्तीसगढ़ और पूरे देश से नक्सलवाद का सफाया हो चुका होगा।

#### केंद्र-राज्य सरकारें विकास के लिए प्रतिबद्ध

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बस्तर संभाग के सात जिलों – कांकेर, कोंडागांव, बस्तर, सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर और दंतेवाड़ा – को दिसंबर 2030 तक देश के सबसे विकसित आदिवासी जिलों के रूप में विकसित किया जाएगा। केंद्र और राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकारें इन जिलों के हर घर के लिए आवास, बिजली, शौचालय, नल का पानी, रसोई गैस कनेक्शन, पांच किलोग्राम मुफ्त अनाज और पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बस्तर संभाग देश का सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्र होगा। यहां हर गांव सड़कों से जुड़ा होगा, बिजली होगी, पांच किलोमीटर के दायरे में बैंकिंग सुविधाएं होंगी तथा प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का एक मजबूत जाल होगा।

#### अर्बन नक्सलियों को हुआ भारी नुकसान, 92 करोड़ मूल्य की संपत्ति की गई जब्त : सरकार

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने विभिन्न एजेंसियों की समन्वित कार्रवाई के तहत 92 करोड़ की संपत्ति जब्त कर नक्सलियों को काफी हद तक संकुचित कर दिया है। शनिवार को सरकारी बयान में कहा गया है कि इस कार्रवाई से अर्बन नक्सलियों को भी गंभीर नैतिक व मनोवैज्ञानिक नुकसान पहुंचा है और उनके सूचना नेटवर्क पर नियंत्रण कड़ा कर दिया गया है। मार्च 2026 तक देश को पूरी तरह नक्सल-मुक्त बनाने के दृढ़ लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार ने राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) में एक समर्पित प्रकोष्ठ का गठन किया है। इस प्रकोष्ठ ने 40 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है, जबकि राज्य के प्राधिकारियों ने अतिरिक्त 40 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। वहीं ईडी ने 12 करोड़ की संपत्ति कुर्क की है। बयान में कहा गया है, समन्वित कार्रवाई से शहरी नक्सलियों को गंभीर नैतिक व मनोवैज्ञानिक क्षति पहुंची है और उनके सूचना आधारित युद्ध से जुड़े नेटवर्क पर नियंत्रण कड़ा किया गया है। कार्रवाई का विस्तृत विवरण देते हुए सरकार ने बताया कि 2014 में जहां 36 जिले नक्सलवाद से 'सबसे अधिक प्रभावित' थे।

# मेसी के कार्यक्रम के बाद बोस को स्टेडियम में जाने से रोका

**कोलकाता, एजेंसी**

- राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने इसे संवैधानिक पद का अपमान बताया

फुटबॉल दिग्गज लियोनेल मेस्सी से जुड़े एक कार्यक्रम में फैली अराजकता और भीड़ के उपद्रव के कुछ ही घंटों बाद शनिवार शाम को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस को साल्ट लेक स्टेडियम में प्रवेश करने से रोक दिया गया। राज्यपाल बोस ने प्रवेश न दिए जाने को अपने संवैधानिक पद का अपमान बताया और अधिकारियों से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि वह स्थल की जांच करके ही अपनी रिपोर्ट तैयार करेंगे। इससे पहले दर्शकों द्वारा तोड़फोड़ और कुप्रबंधन के आरोपों के बाद राज्यपाल ने इस घटना को कोलकाता के खेल-प्रेमी लोगों के लिए एक काला दिन" करार दिया था। उन्होंने राज्य सरकार से आयोजक को तुरंत गिरफ्तार करने, टिकट धारकों को धन वापसी करने और दोषी पुलिस अधिकारियों को निलंबित करने की मांग की थी। इस बीच, पुलिस ने कार्यक्रम के मुख्य आयोजक शताद्रु दत्ता को गिरफ्तार कर लिया है और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घटना की जांच के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति के गठन की घोषणा की है।

#### बीजेपी ने ममता के इस्तीफे की मांग की

भाजपा ने शनिवार को अर्जेंटीना के फुटबॉल आइकन लियोनेल मैसी के कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में हुई अराजकता के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। पार्टी ने उनकी इस्तीफा की मांग की और प्रभावित प्रशंसकों को टिकटों की पूरी राशि वापस करने की मांग की। विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने उच्च-स्तरीय कार्यक्रम में हुई गड़बड़ी को पश्चिम बंगाल के गौरव पर आपराधिक हमला" और उत्साही फुटबॉल प्रेमियों के साथ विश्वासघात करार दिया। राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए अधिकारी ने कहा कि यह घटना शासन और जवाबदेही की पूरी तरह से विफलता को दर्शाती है। उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ-साथ खेल मंत्री अरुप बिस्वास, अग्निशमन मंत्री सुजीत बोस और कार्यक्रम आयोजक शतद्रु दत्ता के इस्तीफे की मांग की।

# दिल्ली में हाइब्रिड मोड में चलेंगी कक्षाएं

**नई दिल्ली, एजेंसी**

दिल्ली शिक्षा निदेशालय ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बिगड़ती वायु गुणवत्ता के मद्देनजर सभी स्कूलों को कक्षा नौवीं और 11वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 'हाइब्रिड मोड' में कक्षाएं चलाने का निर्देश दिया है।

'हाइब्रिड मोड' से आशय ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों प्रकार से कक्षाएं संचालित करने से है। यह निर्णय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) द्वारा जारी एक आदेश के बाद लिया गया है, जिसमें दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के स्तर को और बिगड़ने से रोकने के लिए क्रमिक प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रेप) के तहत चरण-चार की कार्रवाई तत्काल प्रभाव से लागू की गई है। इस संबंध में 13 दिसंबर के परिपत्र के अनुसार, शिक्षा निदेशालय, एनडीएमसी, एमसीडी और दिल्ली छावनी बोर्ड के अंतर्गत आने वाले सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और गैर-सरकारी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों को अगले आदेश तक जहां भी संभव हो, ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों प्रकार की कक्षाएं संचालित करने का निर्देश दिया गया है।

आंकड़ों के अनुसार शनिवार को अब तक की सबसे खराब वायु गुणवत्ता दर्ज की गई जो 11 नवंबर को दर्ज किए गए पिछले उच्चतम स्तर 428 को भी पार कर गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, एक्यूआई 431 रहा, जबकि वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली ने अनुमान जताया है कि रविवार को भी एक्यूआई 'गंभीर' श्रेणी में रहेगा।

#### 50 प्रतिशत कर्मचारी घर से करेंगे काम

आधिकारिक आदेश में, सरकार ने निर्देश दिया है कि सभी प्रशासनिक सचिव और विभागाध्यक्ष नियमित रूप से कार्यालय में उपस्थित रहें, लेकिन कर्मचारियों की संख्या 50 प्रतिशत से अधिक ना हो। आदेश में कहा गया है कि शेष 50 प्रतिशत कर्मचारी घर से काम करेंगे, हालांकि प्रशासनिक सचिव और विभागाध्यक्ष आवश्यक और आपातकालीन सार्वजनिक सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकतानुसार अधिकारियों/कर्मचारियों को कार्यालय में बुला सकते हैं। इसी प्रकार, आदेश में यह भी कहा गया है कि दिल्ली में संचालित सभी निजी कार्यालय 50 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों की उपस्थिति के बिना कार्य करेंगे। इसमें कहा गया है कि शेष कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से घर से काम करना होगा। आदेश में सभी निजी संस्थाओं से आग्रह किया गया है कि जहां तक संभव हो, वे कार्य का अलग-अलग समय लागू करें।

# केरल : निगम चुनाव में भाजपा ने एलडीएफ को हराया

**तिरुवनंतपुरम, एजेंसी**

- 101 वार्ड में से भाजपा को 50, एलडीएफ को 29, यूडीएफ को 19 पर मिली जीत

केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के नगर निकाय चुनाव में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने शानदार जीत हासिल की। राजग ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) को शिकस्त देकर निगम पर 45 वर्षों के वामपंथी शासन का अंत कर दिया।

विश्लेषकों का मानना है कि तिरुवनंतपुरम नगर निगम में मिली जीत से 2026 के विधानसभा चुनाव में विशेष रूप से राज्य की राजधानी में भाजपा की संभावनाओं को काफी बल मिलेगा। तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्ड में से भाजपा को 50 में, एलडीएफ को 29 में, संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ)को 19 में और दो निर्दलीय को जीत मिली है। भाजपा सदन में बहुमत हासिल करने से एक वार्ड दूर है। राजग ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के साथ टक्कर के बाद पलक्कड़ नगरपालिका को बरकरार रखा व कांग्रेस को त्रिप्पुनिथुरा में शिकस्त दी। लोकसभा चुनाव में भाजपा के सुरेश गोपी ने त्रिशूर सीट पर जीत दर्ज की थी।

#### राजग की जीत केरल में ऐतिहासिक क्षण : मोदी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नगर निगम चुनाव में राजग को मिले जनादेश को केरल की राजनीति में ऐतिहासिक क्षण बताया और नतीजों के लिए कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा कि धन्यवाद तिरुवनंतपुरम। नगर निगम में भाजपा-राजग को मिला जनादेश केरल की राजनीति में ऐतिहासिक क्षण है। जनता को विश्वास है कि केरल की आकांक्षाओं को केवल भाजपा ही पूरा कर सकती है।

# मनरेगा पर भाजपा कांग्रेस आमने सामने

- योजना का नाम बदलने पर कांग्रेस ने घेरा, भाजपा का पलटवार

**नई दिल्ली।** भाजपा ने शनिवार को कहा कि ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का नाम बदलने का प्रधानमंत्री का निर्णय इसकी भावना को बदलने के लिए है। राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने मनरेगा को लेकर कांग्रेस की आलोचना पर कहा कि विपक्षी दल व उसके नेता इसे समझ नहीं सकते।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मनरेगा पर कहा था कि मोदी सरकार योजनाओं का नाम बदलने में मास्टर है। इस योजना के नाम में महात्मा गांधी होने में क्या गलत है। कांग्रेस संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कभी मनरेगा को विफलता का स्मारक कहा था।

भाजपा नेता त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पूरा जीवन राष्ट्र को समर्पित किया है और वे इसी भावना के साथ काम करते हैं। कांग्रेस, जिसने हम हैं यहां के राजकुमार के सिद्धांत पर काम किया है, वह उसको नहीं समझ सकती।

# ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर दो हादसों में 12 से अधिक गाड़ियां आपस में टकराई

**ग्रेटर नोएडा, एजेंसी**

- घने कोहरे के कारण हुआ हादसा पांच किमी लगा लंबा जाम

उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनगर जिला के ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे के दो अलग-अलग मार्ग पर शनिवार को घने कोहरे के कारण 12 से अधिक गाड़ियां आपस में टकरा गई। ठंड के साथ घने कोहरे से ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र स्थित ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे के चक्रसेनपुर फ्लाईओवर और समाधिपुर फ्लाईओवर पर एक के बाद एक वाहन आपस में टकरा गए,जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गए। इस हादसे से पांच किलोमीटर लंबा जाम लगा गया।

ईस्टर्न एक्सप्रेस-वे पर हुए हादसे की लोग ने पुलिस और हाईवे के टोल कर्मचारियों को सूचना दी। दादरी थाना पुलिस और एनएचएआई के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और यातायात को कुछ समय के लिए रोक दिया। वाहनों को मार्ग से हटवाकर और घायलों को अस्पताल भेजने के बाद यातायात फिर से शुरू कराया गया।

#### वाहनों के लिए पहले से जारी है दिशानिर्देश

यातायात पुलिस की ओर से एक्सप्रेस-वे पर वाहनों के लिए गति सीमा के निर्देश पहले से जारी है। इसमें कहा गया है कि शीत ऋतु में कोहरे, धुंध से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यमुना एक्सप्रेस वे, नोएडा, ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे, नोएडा एलिवेटेड रोड और जिले के अन्य मार्गों पर दिसंबर से लेकर फरवरी 2026 तक सभी वाहनों की गति सीमा तय है। इसके तहत हल्के वाहनों की अधिकतम गति सीमा 75 किमी प्रति घंटा यमुना एक्सप्रेस-वे पर है, भारी वाहनों की 60 किमी प्रति घंटा है, नोएडा-ग्रेटर नोएडा पर हल्के वाहन 75 व भारी वाहन 50 किमी प्रति घंटा की गति से चल सकते हैं।

# कश्मीर में बर्फबारी की संभावना

**श्रीनगर, एजेंसी**

कश्मीर में बादल छाए रहने से न्यूनतम तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी हुई, जिससे ठंड से हल्की राहत मिली है। मौसम विभाग ने घाटी के ऊंचे क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर हल्की बर्फबारी होने की संभावना जताई है।

मौसम विभाग ने शनिवार को बताया कि जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में शुक्रवार रात न्यूनतम तापमान शून्य से 2.9 डिग्री नीचे रहा, जो पिछली रात के तापमान (शून्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस नीचे) से अधिक है। रात का तापमान इस मौसम के सामान्य तापमान से 1.7 डिग्री कम था। शहर और घाटी के अधिकांश हिस्सों में घना कोहरा है, विशेष रूप से जल निकायों के आसपास के क्षेत्रों को कोहरे से ढके हुए हैं। दक्षिण कश्मीर के काजीगुंड में न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री नीचे और उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में शून्य से 2.4 डिग्री नीचे है।

#### उत्तर भारत में भी बढ़ी ठंड

**नई दिल्ली।** उत्तर भारत में तापमान में तेज़ी से गिरावट देखी जा रही है। पंजाब, उत्तराखंड, जम्मू- कश्मीर, हरियाणा, मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में शीतलहर तेज़ी से बढ़ रही है। महाराष्ट्र में शीतलहर चलने से कई जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे गिर सकता है। आईएमडी के अनुसार देश के कई राज्यों के कई इलाकों में सुबह घना कोहरा देखा जा सकता है। दिसंबर में ठंड बढ़ने पर विद्यालयों के खुलने के समय में बदालव हो सकता है।

# वैष्णो देवी मंदिर में तीर्थयात्रियों के लिए खोला साधना कक्ष

**जम्मू।** श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) की ओर से जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकूट पर्वत पर स्थित पवित्र मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए नवस्थापित एक साधना कक्ष को शनिवार को खोल दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि भवन क्षेत्र में नवस्थापित साधना कक्ष को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं के लिए खोला गया। उन्होंने कहा कि यह आध्यात्मिक वातावरण को और समृद्ध करने तथा आगंतुकों के बीच गहन भक्तिमय जुड़ाव को सुगम बनाने के उद्देश्य से की गई एक महत्वपूर्ण पहल है।

### विराट हिंदू सम्मेलन — आरएसएस प्रमुख ने एकता और सांस्कृतिक गौरव का किया आह्वान

# स्वामी विवेकानंद के संदेश से प्रेरणा ले हिंदू समाज : भागवत

**श्री विजयपुरम, एजेंसी**

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को हिंदू समाज से स्वामी विवेकानंद के उस संदेश से प्रेरणा लेने की अपील की कि हर राष्ट्र का एक दायित्व होता है जिसे उसे निभाना होता है और एक नियति होती है, जिसे उसे प्राप्त करना होता है। यहां नेताजी स्टेडियम में विराट हिंदू सम्मेलन समिति द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक मान्यता को आकार

देने में केवल सत्य से कहीं अधिक शक्ति का योगदान है। उन्होंने कहा, विश्व सत्य को नहीं, शक्ति को देखता है, जिसके पास शक्ति है, उसको मानता है...भले मन से नहीं, पर मानता जरूर है। भागवत ने कहा कि एक सशक्त समाज के निर्माण और राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एकजुटता आवश्यक है। उन्होंने कहा, यदि हिंदू जागृत हों, तो विश्व जागृत होगा। विश्व को विश्वास है कि भारत ही मार्ग प्रशस्त करेगा। समस्याओं पर समय बर्बाद करने के बजाय, हमें समाधान खोजने चाहिए। किसी भी कार्य को पूरा करने के लिए शक्ति की आवश्यकता होती है, और शक्ति केवल एकता से ही प्राप्त होती है।" भगवान कृष्ण और वन में रहने वाले एक राक्षस के बारे में महाभारत की एक कथा सुनाते हुए, भागवत ने कहा कि टकराव हमेशा समाधान नहीं होता है। उन्होंने कहा कि अर्जुन और सात्यकी ने राक्षस से लड़ने की कोशिश की, लेकिन हर वार के साथ वह और बड़ा होता गया। कृष्ण ने हस्तक्षेप किया, टकराव से बचते हुए और सूझबूझ से बिना लड़ाई के ही उसे वश में कर लिया। इससे यह सीख मिलती है कि हर समस्या के लिए बल प्रयोग जरूरी नहीं समाधान स्थिति को समझने पर निर्भर करता है।

#### मजबूत समाज के लिए घर से ही हों प्रयास

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि एक मजबूत और स्वस्थ समाज के निर्माण के प्रयास घर से ही शुरू होने चाहिए। उन्होंने कहा, अपने इलाके में दोस्त बनाएं, परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताएं और नियमित रूप से पारिवारिक समारोह आयोजित करें। विशेष अवसरों पर पारंपरिक पोशाक पहनने और परिवार के साथ मिलकर भोजन करने पर गर्व महसूस करें। अपनी संस्कृति से प्यार करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अब यह तय करने का समय आ गया है कि हम अपने घरों में स्वामी विवेकानंद का चित्र रखना चाहते हैं या माइकल जैक्सन की तस्वीर। देशभक्ति एक नागरिक कर्तव्य है।

## बिजनेस ब्रीफ

### शिपरॉकेट ने सेबी को जमा किए कागजात

**नई दिल्ली।** टेमासेक समर्थित ई–कॉमर्स मंच शिपरॉकेट ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से 2,342 करोड़ जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के समक्ष अद्यतन मसौदा दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी द्वारा पेश प्रारंभिक दस्तावेज के अनुसार, आईपीओ में 1,100 करोड़ तक के शेयरों का नया निर्गम और बेचने वाले शेयरधारकों द्वारा 1,242.3 करोड़ के शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है। बिक्री पेशकश (ओएफएस) के हिस्से के रूप में लाइटरोक, ट्राइब कैपिटल, बर्टेल्समैन, अरविंद लिमिटेड, गौतम कपूर, साहिल गोयल और विशेष खुराना अपनी हिस्सेदारी कम करेंगे। आईपीओ से प्राप्त राशि का मुख्य उद्देश्य शिपरॉकेट के मंच के विकास को बढ़ावा देना होगा।

### असम में खुला टीवीएस का तकनीकी केंद्र

**गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वा शर्मा ने गुवाहाटी में टीवीएस क्रेडिट टेक्नोलॉजी सेंटर का उद्घाटन किया है। राज्य सरकार ने बताया कि इस टेक्नोलॉजी सेंटर के लिए इस साल फरवरी में आयोजित निवेश सम्मेलन ''एडवांटेज असम 2.0'' के दौरान एक समझौता किया गया था। यह केंद्र असम सरकार के मजबूत डिजिटल परिवेश बनाने के लक्ष्य के अनुरूप है, जिससे युवाओं को डिजिटल युग की जरूरतों के हिसाब से कौशल प्रशिक्षण दिया जा सके। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि यह केंद्र असम ही नहीं, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगा।

### सेल की बिक्री अप्रैल-नवंबर में 14% बढ़ी

**नई दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात विनिर्माता कंपनी सेल की बिक्री मूल्य दबाव और मांग में अस्थिरता के बीच अप्रैल–नवंबर 2025 अवधि के दौरान सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.27 करोड़ टन हो गई। इस्पात क्षेत्र की प्रमुख कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएआईएल) ने पिछले वर्ष 1.11 करोड़ टन की बिक्री की थी। वैश्विक अनिश्चितताओं और भू–राजनीतिक तनावों से मूल्य दबाव और मांग में अस्थिरता सहित कई चुनौतियों के बावजूद मजबूत बिक्री रणनीति के कारण यह मजबूत प्रदर्शन संभव हो पाया।

# शुल्क वृद्धि पर मेक्सिको के संपर्क में भारत

## शुल्क की घोषणा उन देशों के खिलाफ की जिनका मेक्सिको से मुक्त व्यापार समझौता नहीं है

- भारतीय दूतावास ने मेक्सिको के आर्थिक मंत्रालय से विशेष रियायतों की मांग की थी

**नई दिल्ली, एजेंसी**

मेक्सिको के कई उत्पादों पर एकतरफा तरीके से शुल्क बढ़ाने के फैसले को लेकर भारत उसके साथ संपर्क में है, ताकि पारस्परिक रूप से लाभकारी समाधान निकाला जा सके। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। साथ ही, नई दिल्ली ने अपने निर्यातकों के हितों की रक्षा के लिए उचित कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखा है। इन शुल्क की घोषणा उन देशों के खिलाफ की गई है, जिनका मेक्सिको के साथ मुक्त व्यापार समझौता नहीं है। इनमें भारत, चीन, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया शामिल हैं।

अधिकारी ने कहा कि इस संबंध में विधेयक पेश किए जाने के शुरुआती चरण से ही भारत मेक्सिको के साथ संवाद में था। मेक्सिको स्थित भारतीय दूतावास ने 30 सितंबर 2025 को मेक्सिको के आर्थिक मंत्रालय के सामने यह मुद्दा उठाया था और भारतीय निर्यात को नए शुल्कों से बचाने के लिए विशेष रियायतों की मांग की थी।

अधिकारी ने कहा कि भारत मेक्सिको के साथ अपनी साझेदारी को महत्व देता है और दोनों देशों के व्यवसायों और उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने वाले स्थिर एवं संतुलित व्यापारिक माहौल की दिशा में सहयोग के लिए पूरी तरह तैयार है। इसके अलावा, दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने पर भी विचार कर रहे हैं और औपचारिक वार्ता शुरू करने के लिए संदर्भ शर्तों (टीओआर) को जल्द अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है।

### पांच से 50% तक का ऊंचा आयात शुल्क

इस फैसले के तहत, मेक्सिको उन देशों से आने वाले व्यापक श्रेणी के उत्पादों (1,463 शुल्क लाइनों) पर लगभग पांच प्रतिशत से लेकर 50 प्रतिशत तक का ऊंचा आयात शुल्क लगाएगा, जिनका उसके साथ मुक्त व्यापार समझौता नहीं है। इनमें भारत, चीन, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया शामिल हैं। जिन वस्तुओं को इसके दायरे में लाया जाएगा, उनकी सूची अभी आधिकारिक रूप से जारी नहीं की गई है। ये बढ़े हुए शुल्क एक जनवरी 2026 से प्रभावी होंगे। इस संबंध में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और मेक्सिको के उप–आर्थिक मंत्री लुइस रोजेंडो के बीच उच्चस्तरीय बैठक पहले ही हो चुकी है और आगे तकनीकी स्तर की बैठकों की उम्मीद है।

### समझौता भारतीय कंपनियों की करेगा मदद

विशेषज्ञों का कहना है कि यह व्यापार समझौता भारतीय कंपनियों को इन शुल्कों से बचाने में मदद करेगा। ये शुल्क अमेरिका के दबाव में लगाए गए हैं, ताकि चीन के खिलाफ शुल्क बढ़ाने के मामले में अमेरिका के साथ तालमेल किया जा सके। मेक्सिको की सीनेट ने 11 दिसंबर 2025 को नए शुल्क उपाय को मंजूरी दी थी, जिसे बाद में संसद के दोनों सदनों से भी स्वीकृति मिल गई। इसका उद्देश्य विनिर्माण को बढ़ावा देना और व्यापार असंतुलन को कम करना है।

# चावल-गेहूं नरम, चीनी मजबूत व दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

**नई दिल्ली, एजेंसी**

- औसत दर्जे के चावल की कीमत 99 रुपये गिरी, गेहूं 12 रुपये हुआ सस्ता
- चना दाल 36 और मसूर दाल 39 रुपये प्रति क्विंटल हुई सस्ती

घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल के औसत भाव टूट गए। गेहूं में भी नरमी देखी गयी। वहीं, चीनी के दाम बढ़ गए जबकि दालों और खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा।

औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 99 रुपये गिरकर 3,755.96 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं 12 रुपये सस्ता हुआ और 2,848.44 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत चार रुपये बढ़ गयी। दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव रहा। चना दाल औसतन 36 रुपये और मसूर दाल 39 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। तुअर दाल 52 रुपये और मूंग दाल छह रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। उड़द दाल की कीमत 22 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।

स्थानीय बाजारों में सरसों तेल औसतन 18 रुपये और वनस्पति 12 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। सूरजमुखी तेल की कीमत 15 रुपये और मूंगफली तेल की 64 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। वहीं, सोया तेल में 26 रुपये और पाम ऑयल 41 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत पांच रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। चीनी भी 26 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

# एडवेन बायोटेक को मिला आयुष प्रीमियम प्रमाणन

**नई दिल्ली, एजेंसी**

- भारत की पहली होम्योपैथिक कंपनी बनने का दावा

दवा कंपनी एडवेन बायोटेक ने आयुष प्रीमियम प्रमाणन प्राप्त करने की घोषणा की है। कंपनी का दावा है कि यह प्रतिष्ठित मान्यता हासिल करने वाली वह भारत की पहली होम्योपैथिक ब्रांड बन गई है।

आयुष प्रीमियम प्रमाणन को गुणवत्ता, शुद्धता और सुरक्षा के उच्च अंतर्राष्ट्रीय मानकों का प्रतीक माना जाता है। कंपनी के अनुसार, इस उपलब्धि के साथ एडवेन बायोटेक विश्वस्तरीय होम्योपैथिक निर्माण के क्षेत्र में अग्रणी पंक्ति में आ गई है। यह उपलब्धि ऐसे समय में सामने आई है, जब भारत का होम्योपैथिक और आयुष क्षेत्र तेजी से विस्तार के दौर से गुजर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहलों ने आयुष उद्योग को वैश्विक मंच पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एडवेन बायोटेक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आदेश शर्मा ने कहा कि आयुष प्रीमियम प्रमाणन प्राप्त करना उपभोक्ताओं को सुलभ और किफायती कीमत पर विश्व स्तर की गुणवत्ता वाली होम्योपैथिक दवाएं उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

# फर्जी राजनीतिक दान दावों पर ईमेल एसएमएस भेज रहा आयकर विभाग

**नई दिल्ली, एजेंसी**

- सीबीडीटी ने कहा- आंकड़ों के विश्लेषण के माध्यम से दान के नाम पर बड़ी मात्रा में फर्जी दावों का चला पता
- करदाताओं के हितों को ध्यान में रखकर एक लक्षित एक अभियान वित्त मंत्रालय ने किया शुरू

आयकर विभाग ने गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों या धर्मार्थ संस्थानों से संबंधित गलत कटौती दावों के लिए करदाताओं को एसएमएस और ईमेल से सलाह भेजना शुरू कर दिया है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा कि आंकड़ों के विश्लेषण के माध्यम से उसने पाया है कि पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) या धर्मार्थ संस्थानों को दान के नाम पर बड़ी मात्रा में फर्जी दावे किए गए हैं, जिससे उनके कर दायित्वों को कम किया गया है और फर्जी धनवापसी का भी दावा किया गया है।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि करदाताओं के हित में एक लक्षित एक अभियान शुरू किया गया है, जो उन्हें अपने आईटीआर अपडेट करने और किसी भी गलत दावे को वापस लेने का अवसर प्रदान करता है। 12 दिसंबर 2025 से ऐसे करदाताओं के पंजीकृत मोबाइल नंबर और ईमेल पर एसएमएस और ईमेल सूचनाएं भेजी जा रही हैं। वित्त मंत्रालय के निर्देश पर आयकर विभाग यह कार्रवाई कर रहा है।

# 55% लोगों की सर्दियों में घूमने की योजना गोवा-केरल आगे

**मुंबई।** एयरबीएनबी की एक रिपोर्ट के अनुसार लगभग 55 प्रतिशत भारतीयी हर साल सर्दियों में घूमने की योजना बनाते हैं और इस दौरान गोवा और केरल उनकी शीर्ष पसंद रहते हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय सर्दियों में केवल छुट्टियां मनाने के लिए ही नहीं, बल्कि तनाव से दूर होकर आराम करने के लिए से भी यात्रा करते हैं।

एयरबीएनबी के भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के ''कंट्री हेड'' अमनप्रीत बजाज ने कहा कि इस सर्दी के मौसम में गोवा, केरल, राजस्थान और हिमालयी राज्य घरेलू यात्रा में सबसे आगे हैं। उन्होंने एयरबीएनबी के आंतरिक आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 55 प्रतिशत भारतीय हर साल सर्दियों में यात्रा की योजना बनाते हैं, जिससे यह पता चलता है कि अनुकूल मौसम तथा मनमोहक नजारों के कारण सर्दी भारत में घूमने के पसंदीदा मौसमों में से एक बन चुकी है।

# स्टार्टअप कंपनियां तलाशेंगी वायु प्रदूषण का समाधान

- वायु प्रदूषण के समाधान पर चर्चा करने को स्टार्टअप संस्थापकों की हुई बैठक

**नई दिल्ली।** दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण से निपटने के लिए समाधान तलाशने के उद्देश्य से शनिवार को 40 स्टार्टअप संस्थापकों और कारोबारी प्रतिनिधियों की बैठक हुई। बयान के अनुसार यह बैठक सेंट्रल पार्क में हुई, जिसमें वेंचर कैपिटल और प्राइवेट इक्विटी कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। बैठक में आवागमन, कृषि और वायु शुद्धिकरण जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे स्टार्टअप ने अपने-अपने समाधान साझा किए और इन्हें बड़े स्तर पर लागू करने में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की। कार और बाइक साझा करने के मंच क्विक राइड के सह-संस्थापक विशाल लावटी ने कहा कि निजी वाहन दिल्ली में वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन जैसे दीर्घकालिक उपाय मददगार होंगे, लेकिन कार साझा करने और बाइक साझा करने जैसी सरल और तुरंत अपनाई जा सकने वाली गतिविधियां प्रदूषण कम करने में प्रभावी हैं। इसके लिए किसी अतिरिक्त अवसंरचना की आवश्यकता नहीं है, केवल जागरूकता और सहभागिता जरूरी है। इस बैठक का आयोजन करने वाली 'द भारत प्रोजेक्ट' की संस्थापक श्रद्धा शर्मा ने कहा कि अगले 11 महीनों में क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, ताकि अगले वर्ष दिल्ली वायु प्रदूषण से बेहतर तरीके से निपट सके।

# स्विगी ने क्यूआईपी से जुटाए 10,000 करोड़ कंपनी की हैसियत 14,000 करोड़ से अधिक

**मुंबई, एजेंसी**

- 21 एमएफ, आठ घरेलू बीमा कंपनियां और 50 ग्लोबल निवेशकों ने किया निवेश

ऑनलाइन खाना और घरेलू सामान की डिलीवरी करने वाली कंपनी स्विगी ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के जरिए 10,000 करोड़ रुपये (1.2 अरब डॉलर) जुटा लिए हैं। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में बताया कि इसमें 21 म्यूचुअल फंड्स, आठ घरेलू बीमा कंपनियों और 50 ग्लोबल निवेशकों ने भाग लिया है। इससे स्विगी की कुल नकद हैसियत अब बढ़कर 14,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है।

म्यूचुअल फंड्स की ओर से एसबीआई म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, एचडीएफसी, निप्पॉन इंडिया कोटक, मिराए एसेट, एक्सिस और आदित्य बिड़ला जैसे बड़े नामों ने स्विगी में निवेश किया है। वहीं बीमा कंपनियों में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस प्रमुख निवेशकों में रहीं।

ग्लोबल निवेशकों में कैपिटल ग्रुप, सिंगापुर का जीआईसी, ब्लैकरॉक, नोमुरा एसेट, टीमसेक, फिडिलिटी और गोल्डमैन सैक्स एसेट मैनेजमेंट जैसे संस्थानों ने स्विगी के क्यूआईपी में हिस्सा लिया। 80 से ज्यादा निवेशकों की बोलियों में से 61 को अलॉटमेंट मिला और इनमें 15 से अधिक नए शेयरधारक हैं। स्विगी के सीईओ हर्षा माजेटी ने कहा कि ग्लोबल और घरेलू निवेशकों से मिली प्रतिक्रिया कंपनी के लिए गहरे भरोसे को दिखाती है। यह अतिरिक्त पूंजी कंपनी को अपने कोर बिजनेस को मजबूत करने, इंस्टामार्ट को स्केल करने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए निवेश को लचीलापन देगी।

जुटाई गई राशि का सबसे बड़ा हिस्सा 4,475 करोड़ रुपये स्विगी क्विक-कॉमर्स नेटवर्क के विस्तार और संचालन में लगाएगी। इसमें इंस्टामार्ट को सपोर्ट करने वाले डार्क स्टोर्स और वेयरहाउस शामिल हैं। तकनीक और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 985 करोड़, ब्रांड मार्केटिंग और बिजनेस प्रमोशन के लिए 2,340 करोड़ खर्च किए जाएंगे। कंपनी ने बताया कि दिसंबर 2025 से नवंबर 2027 के लिए वह मार्केटिंग पर 1,961 करोड़ खर्च करेगी। 1.2 अरब डॉलर की क्यूआईपी में से 1 अरब डॉलर (8,800 करोड़) घरेलू म्यूचुअल फंड्स से आए हैं, जबकि शेष 200 मिलियन डॉलर विदेशी संस्थागत निवेशकों से मिले हैं।

# 2025 में सोने ने 50 से ज्यादा बार बनाया ऑल-टाइम हाई

**मुंबई, एजेंसी**

- 1971 के बाद चांदी ने भी किया सबसे अच्छा प्रदर्शन

वैश्विक स्तर पर बनी हुई अनिश्चितता के कारण सोने में लगातार उछाल जारी है। साल 2025 सोने के लिए काफी शानदार रहा। 2025 में सोने ने 50 से ज्यादा बार नया ऑल-टाइम हाई बनाया और निवेशकों को 65 प्रतिशत का रिटर्न दिया। वहीं चांदी ने भी 1971 के बाद अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। 2026 में भी सोने की आगे की चाल भू-राजनीतिक जोखिमों, सेंट्रल बैंकों और ईटीएफ की खरीद, ग्लोबल आर्थिक हालात और डॉलर की दिशा पर निर्भर करेगी।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 1 जनवरी 2025 को सोने की कीमत 2,600 डॉलर प्रति औंस थी। पूरे साल इसमें तेजी देखी गई। 13 दिसंबर तक सोने का भाव बढ़कर 4,300 डॉलर प्रति औंस पहुंच गया, जो इस साल अब तक 65 प्रतिशत की तेजी को दिखाता है। भारत के मुंबई में 1 जनवरी 2025 को सोना 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास था, जो अब बढ़कर 1,34,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में 72 प्रतिशत की उछाल आई है।

वहीं, चांदी ने भी 2025 में तेजी दिखी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमतें साल की शुरुआत में 28 डॉलर प्रति औंस थीं, जो 13 दिसंबर तक बढ़कर 62 डॉलर प्रति औंस हो गईं। इस तरह चांदी ने साल भर में 121 प्रतिशत की छलांग लगाई। भारत में सोना-चांदी अंतर्राष्ट्रीय बाजार के मुकाबले ज्यादा महंगे हैं।

## सेक्टर परफॉरमेंस

# अर्थव्यवस्था और शेयर बाज़ार के विश्लेषण का आधार

*सेक्टर परफॉरमेंस किसी भी अर्थव्यवस्था और शेयर बाज़ार के विश्लेषण का एक महत्वपूर्ण आधार है। यह दर्शाता है कि अलग–अलग उद्योग या सेक्टर– जैसे आईटी, बैंकिंग, फार्मा, ऑटो, एफएमसीजी और रियल एस्टेट– किस प्रकार आर्थिक परिस्थितियों, नीतिगत फैसलों और वैश्विक घटनाओं के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं। निवेशकों के लिए सेक्टर परफॉरमेंस को समझना इसलिए आवश्यक है क्योंकि इससे यह पता चलता है कि किस समय कौन–सा सेक्टर बेहतर रिटर्न दे सकता है। साथ ही, यह जोखिम प्रबंधन और पोर्टफोलियो विविधीकरण में भी मदद करता है। बदलते आर्थिक चक्र में सेक्टरों का प्रदर्शन अलग–अलग रहता है, इसलिए सही विश्लेषण दीर्घकालिक निवेश सफलता की कुंजी बनता है।*

### उद्योग समूह का समग्र प्रदर्शन

सेक्टर परफॉरमेंस का अर्थ है किसी विशेष उद्योग समूह का समग्र प्रदर्शन, जिसे आमतौर पर शेयर कीमतों, मुनाफे, विकास दर और निवेशकों की रुचि के आधार पर मापा जाता है। हर सेक्टर की अपनी विशेषताएँ, चुनौतियां और अवसर होते हैं, जो उसके प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं। उदाहरण के लिए, आर्थिक वृद्धि के दौर में ऑटो, बैंकिंग और कैपिटल गुड्स जैसे सेक्टर तेज़ी से आगे बढ़ते हैं, जबकि मंदी के समय एफएमसीजी और फार्मा जैसे डिफेंसिव सेक्टर अपेक्षाकृत स्थिर रहते हैं।

### बैंकिंग और वित्तीय सेवा

बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं का सेक्टर अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। ब्याज दरों, ऋण मांग और एनपीए स्तरों में बदलाव इस सेक्टर के प्रदर्शन को सीधे प्रभावित करते हैं। जब ब्याज दरें स्थिर या कम होती हैं और ऋण मांग बढ़ती है, तब बैंकिंग सेक्टर अच्छा प्रदर्शन करता है। इसके विपरीत, आर्थिक अनिश्चितता के समय इस सेक्टर पर दबाव बढ़ सकता है।

### एफएमसीजी में सुरक्षित निवेश

एफएमसीजी सेक्टर को आमतौर पर सुरक्षित निवेश माना जाता है क्योंकि इसके उत्पाद दैनिक उपयोग से जुड़े होते हैं। महंगाई, कच्चे माल की कीमतें और ग्रामीण मांग इस सेक्टर के प्रमुख कारक हैं। स्थिर मांग के कारण यह सेक्टर उतार–चढ़ाव भरे बाजार में भी संतुलन प्रदान करता है।

### आईटी सेक्टर

आईटी सेक्टर का प्रदर्शन मुख्यत: वैश्विक मांग, मुद्रा विनिमय दर और तकनीकी नवाचारों पर निर्भर करता है। डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी प्रवृत्तियां इस सेक्टर को दीर्घकालिक मजबूती देती हैं। हालांकि, वैश्विक मंदी या प्रमुख देशों में आईटी खर्च में कटौती इसका असर घटा सकती है।

### फार्मा और हेल्थकेयर

फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों और अनुसंधान पर आधारित होता है। महामारी जैसे असाधारण हालात में इस सेक्टर ने मजबूत प्रदर्शन दिखाया है। वहीं, सरकारी नीतियाँ और दवा अनुमोदन प्रक्रियाएँ इसके प्रदर्शन को प्रभावित करती हैं।

### बेहतर रिटर्न और जोखिम संतुलन

निवेश के दृष्टिकोण से, सेक्टर परफॉरमेंस का विश्लेषण निवेशकों को यह समझने में काफी मदद करता है कि किस चरण में कौन–सा सेक्टर प्राथमिकता में होना चाहिए। सही समय पर सेक्टर रोटेशन रणनीति अपनाकर बेहतर रिटर्न और जोखिम संतुलन को प्राप्त किया जा सकता है। अंतत: सेक्टर परफॉरमेंस का गहन अध्ययन समझदार और दीर्घकालिक निवेश का आधार बनता है। इस आधार का उयोग निवेश को सुरक्षा प्रदान करने के लिए किया जा सकता है।

## विश्लेषण

### दिसंबर में अब तक बेचे 18,000 करोड़ रुपये के शेयर, डीआईआई ने की दोगुनी राशि की खरीदारी

# विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी, घरेलू बने शुद्ध खरीदार

**नई दिल्ली, एजेंसी**

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लगातार जारी बिकवाली ने घरेलू शेयर बाजार की चिंता बढ़ा रही है। दिसंबर में भी विदेशी निवेशकों का बाजार से पैसा निकालने का क्रम जारी है। इस महीने के नौ कारोबारी सत्रों में एफपीआई ने अब तक करीब 18,000 करोड़ रुपये के शेयर बेच दिए हैं। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई ) के शूद्ध खरीदार बने रहने से इसका बेंचमार्क इंडेक्सों पर कोई खास असर नहीं दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, डीआईआई ने इस दौरान एफपीआई की बिकवाली से लगभग दोगुनी राशि के शेयर खरीदे हैं।

एनएसडीएल (नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड) के मुताबिक, दिसंबर माह के पहले नौ कारोबारी सत्र के दौरान विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर मार्केट से 17,955 करोड़ रुपये की निकासी की। इसी अवधि में म्यूचुअल फंड्स समेत डीआईआई ने 36,101 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। साथ ही 2025 में घरेलू निवेशकों का कुल निवेश बढ़कर रिकॉर्ड 7.44 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो घरेलू निवेशकों की मजबूत भागीदारी का एक प्रमाण दे रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार, विदेशी निवेशकों की बिकवाली के पीछे रुपये में आई तेज गिरावट को माना जा रहा है। वहीं, 2025 में अब तक रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले करीब 6 प्रतिशत कमजोर हो चुका है और 90.56 के स्तर तक फिसलकर पहुंच गया है। यह गिरावट रुपये को एशियाई बाजार में सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बना रही है।

### रुपये पर दबाव की बड़ी वजह अमेरिकी टैरिफ

रुपये पर बने हुए दबाव की एक बड़ी वजह अमेरिका की ओर से भारतीय सामानों पर लगाए गए भारी टैरिफ को बताया जा रहा है। भारतीय सामानों पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क से देश का निर्यात अमेरिका जैसे बड़े बाजार में काफी प्रभावित हुआ है। कमजोर रुपया सीधे तौर पर विदेशी निवेशकों के डॉलर रिटर्न को घटाता है और रिस्क सेंटीमेंट को बढ़ाता है, जिसके चलते विदेशी निवेशक सुरक्षित और स्थिर रिटर्न की तलाश में पूंजी बाहर निकालने लगते हैं।

### भारत-अमेरिकी समझौते में अब भी अनिश्चितता

अप्रैल में जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ की घोषणा की थी, उसके बाद भारत उन बड़े बाजारों में था, जहां तेजी से रिकवरी देखने को मिली थी। उस समय कई वैश्विक निवेशकों ने भारत को ट्रेड टेंशन के बीच एक सुरक्षित ठिकाने के रूप में देखा। जहां कई देशों ने अमेरिका के साथ समझौते कर लिए हैं, वहीं भारत अब भी व्हाइट हाउस के साथ अनुकूल व्यापार समझौते के लिए बातचीत कर रहा है, जिससे अनिश्चितता बनी हुई है।

### 2025 में निकाले 1.61 लाख करोड़ रुपये

2025 भारतीय बाजार के लिए विदेशी निवेशकों की बिकवाली वाला साल रहा। अब तक विदेशी निवेशकों ने 1.61 लाख करोड़ रुपये बाजार से निकाल चुके हैं। 11 महीनों में एफपीआई केवल तीन महीनों अप्रैल, मई और अक्टूबर में ही खरीदार रहे, बाकी महीनों में उन्होंने केवल बिकवाली की। घरेलू निवेशकों ने पूरे साल बाजार को सहारा दिया है। जनवरी में डीआईआई ने 86,591 करोड़ का निवेश किया। इसके बाद भी निवेश जारी रहा, मार्च और अप्रैल में सुस्ती आई फिर से तेजी दिखाई।

## वर्ल्ड ब्रीफ

### गुजरात में आया 3.9 तीव्रता का भूकंप

**अहमदाबाद।** गुजरात के कच्छ जिले में शनिवार को 3 .9 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भूकंपीय अनुसंधान संस्थान ने यह जानकारी दी। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। गांधीनगर स्थित आईएसआर ने बताया कि भूकंप का झटका दोपहर 2 :47 बजे आया, जिसका केंद्र जिले के गढ़शीशा से 13 किलोमीटर उत्तर उत्तर-पूर्व (एनएई) में था। कच्छ में इस माह रिक्टर पैमाने पर तीन से अधिक तीव्रता का महसूस किया गया यह पांचवा भूकंप है। कच्छ एक अत्यधिक जोखिम वाले भूकंपीय क्षेत्र में स्थित है।

### यमन में हमले में 30 से अधिक सैनिक मारे गए

**सना।** पूर्वी यमन के हद्रमाउत प्रांत में अलगाववादी बलों के हमले में 30 से अधिक यमनी सैनिक मारे गए। सेना के जनरल स्टाफ ने आधिकारिक समाचार एजेंसी सना से बात करते हुए अलगाववादी बलों पर आरोप लगाया कि वे अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए घायलों को मार रहे हैं और कैदियों को फांसी दे रहे हैं। जनरल स्टाफ ने शुक्रवार को कहा कि अलगाववादियों के हमले में कम से कम 32 यमनी अधिकारी और सैनिक मारे गए, जबकि 45 अन्य घायल हो गए।

### द. अफ्रीका में मंदिर गिरने से दो की मौत

**जोहानिसबर्ग।** दक्षिण अफ्रीका में डरबन के उत्तर में स्थित भारतीय कस्बे रेडक्लिफ में शुक्रवार दोपहर चार मंजिला मंदिर के ढह जाने से जुड़ी घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। मलबे में दबे लोगों की तलाश कर रहे बचावकर्मियों ने कठिन परिस्थितियों के कारण शुक्रवार आधी रात के करीब बचाव अभियान रोक दिया। इमारत पर कंक्रीट डालते समय पूरा ढांचा ढह गया जिससे एक मजदूर की मौत हो गई और कई अन्य लोग उसके नीचे दब गए। मलबे में फंसे श्रमिकों और मंदिर के अधिकारियों की सटीक संख्या अभी ज्ञात नहीं है। इसी बीच, मंदिर परिसर में परिवार के साथ पहुंचे 54 वर्षीय एक श्रद्धालु की खबर सुनने के बाद मौत हो गई।

### गाजा में संरा की भूमिका अपरिहार्य

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान सहित आठ प्रमुख मुस्लिम देशों ने फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की राहत एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के प्रति मजबूत समर्थन व्यक्त करते हुए कहा है कि गाजा में अप्रत्याशित मानवीय संकट के बीच इसकी भूमिका अपरिहार्य है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में, पाकिस्तान, मिस्र, इंडोनेशिया, जॉर्डन, कतर, सऊदी अरब, तुर्किये और संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रियों ने फलस्तीनी शरणार्थियों के अधिकारों और कल्याण की रक्षा के लिए यूएनआरडब्ल्यूए की अपरिहार्य भूमिका की पुष्टि की।

### पशु मौतों पर सड़कों पर उतरे किसान

**पेरिस।** दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में किसानों ने लम्पी स्किन रोग के कारण बड़े पैमाने पर पशुओं के मारे जाने के सरकार के आदेश के विरोध में शुक्रवार रात से शनिवार सुबह तक प्रमुख सड़कों को जाम कर दिया। नाराज किसानों ने न केवल ट्रैक्टरों से सड़कों की नाकेबंदी कर दी, बल्कि भूसे के गट्ठरों में भी आग लगा दी। पुलिस ने नाराज भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश की, तो दोनों पक्षों के बीच छड़प हो गयी। यह विरोध फ्रांस के कृषि क्षेत्र में बढ़ती नाराजगी को दर्शाता है।

# इमरान खान की हिरासत समाप्त करे पाकिस्तान

**इस्लामाबाद, एजेंसी**

- संरा विशेषज्ञ ने तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने को कहा

संयुक्त राष्ट्र के एक विशेषज्ञ ने पाकिस्तान सरकार से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की अमानवीय और अपमानजनक हिरासत स्थितियों की खबरों के समाधान के लिए तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने का आह्वान किया है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार निकाय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक यातना पर संयुक्त राष्ट्र की विशेष प्रतिवेदक एलिस जिल एडवर्ड्स ने शुक्रवार को कहा कि लंबे समय तक या अनिश्चितकालीन एकांत कारावास अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के तहत निषिद्ध है, और जब यह 15 दिनों से अधिक समय तक चलता है, तो मनोवैज्ञानिक यातना का एक रूप ले लेता है। एडवर्ड्स ने कहा कि मैं पाकिस्तानी अधिकारियों का आह्वान करती हूं कि वे यह सुनिश्चित करें कि खान की हिरासत की शर्तें अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप हों। खान 2023 से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं।

## पहले से ज्यादा तेज और सटीक होगी

# डिजिटल जनगणना

जनगणना सरकारी प्रक्रिया है जिसमें देश की संपूर्ण आबादी, घरों, सामाजिक-आर्थिक स्थिति, जाति, शिक्षा, भाषा आदि के आंकड़े हर 10 साल में एक बार इकट्ठा किए जाते हैं। वर्ष 2027 में देश में पहली बार डिजिटल मोड में जनगणना कराई जाएगी। इसमें कागज़ के बजाय मोबाइल एप, वेब पोर्टल और डिजिटल टूल्स का इस्तेमाल होगा। दो चरणों में होने वाली यह दुनिया की सबसे बड़ी प्रशासनिक और सांख्यिकीय प्रक्रिया होगी। केंद्रीय कैबिनेट ने जनगणना के लिए 11,718 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दे दी है। पहला चरण सात अप्रैल से शुरू होकर माह सितंबर तक चलेगा, इस दौरान घरों की सूची बनाने के साथ आवास की गणना की जाएगी। दूसरे चरण फरवरी 2027 से आबाद की गणना होगी। आइए जानते हैं जनगणना की प्रक्रिया और फायदे।

### डिजिटल जनगणना के लाभ

- तेज़ और सटीक डेटा संग्रह हो सकेगा। डिजिटल भराई से त्रुटियां कम होंगी और डेटा की सही जानकारी तुरंत उपलब्ध होगी। प्रासंगिक आंकड़े कुछ हफ़्तों/ महीनों में मिल सकते हैं, जबकि पहले वर्षों लगते थे। सरकारी योजनाओं, संसाधन वितरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार आदि के निर्णय तेजी से और सही आधार पर बनेगे। संसदीय परिसीमन और वोटर प्रतिनिधित्व के लिए भी आंकड़े जल्दी उपयोग-योग्य होंगे। कागज़ के काम की जगह डिजिटल सिस्टम से समय और खर्च की बचत होती है। डेटा की सुरक्षा और गोपनीयता बेहतर तरीके से सुनिश्चित की जा सकती है। तकनीक के इस्तेमाल से देश को डिजिटल सक्षम डिज़ाइन मिलेगा, नागरिकों को अपनी जानकारी ऑनलाइन देने का विकल्प मिलेगा, जिससे सहभागिता बढ़ेगी।

### प्रमुख देशों में जनगणना के नियम

- संयुक्त राज्य अमेरिका में भी जनगणना अनिवार्य है। यहां पर हर 10 साल में जनगणना का प्रावधान है। इसमें भाग लेना कानूनी रूप से अनिवार्य है। ऑनलाइन, डाक और फील्ड सर्वे का इस्तेमाल किया जाता है। ब्रिटेन में भी हर 10 साल पर जनगणना होती है। जनगणना में भाग लेना कानूनी दायित्व है। यहां 2021 से मुख्यत: ऑनलाइन है। भाग ने लेने पर जुर्माना हो सकता है। पड़ोसी देश चीन में भी 10 साल में जनगणना करने का प्रावधान है जिसमें जन भागीदारी अनिवार्य है। डिजिटल के अलावा फील्ड सर्वे का माध्यम अपनाया जाता है। डेटा सार्वजनिक कम, सरकारी उपयोग अधिक किया जाता है। जापान में हर पांच साल में जनगणना होती है। कानूनी रूप से अनिवार्य है। ऑनलाइन, डाक और फील्ड, तीनों विकल्प अपनाए जाते हैं। फ्रांस में हर साल आबादी के एक हिस्से का सर्वे किया जाता है और 5 साल में पूरा देश कवर किया जाता है। जनगणना डिजिटल और स्थानीय प्रशासन द्वारा संचालित की जाती है। कनाडा में भी हर पांच साल पर ऑनलाइन तरीके से जनगणना होती है।

### तेज और सटीक प्रक्रिया

- जनगणना की प्रक्रिया दो चरणों में संपन्न होगी। प्रारंभिक चरण में जातिगत आंकड़े जुटाए जाएंगे। पहली बार मोबाइल एप के जरिए डाटा संग्रह होगा। केंद्रीयकृत पोर्टल के जरिए रियल टाइम निगरानी की जाएगी। इस अभियान में लगभग 30 लाख कर्मचारियों को लगाया जाएगा। जो घर-घर जाकर जनसंख्या की गणना करेंगे। इस बार डेटा इकट्ठा करना तेज, सटीक और तुरंत संभव होगा क्योंकि हर जानकारी सीधे सर्वर पर अपलोड होगी।

### कैसे होगी जनगणना

- जनगणना कमी मोबाइल एप के ज़रिए डेटा जमा करेंगे और नागरिक खुद भी वेब पोर्टल से जानकारी भर सकेंगे। डेटा को सुरक्षित रखने के लिए आधुनिक सुरक्षा उपाय अपनाए जाएंगे। घरों और भवनों को जीपीएस के ज़रिए टैग किया जाएगा ताकि डेटा का स्थान-आधारित विश्लेषण बेहतर हो। केंद्रीय पोर्टल के ज़रिए पूरा काम ट्रैक और मैनेज होगा।

# अमेरिकी सांसदों ने कहा-भारत पर लागू 50% शुल्क समाप्त करें ट्रंप

## तीन प्रभावशाली संसद सदस्यों ने प्रतिनिधि सभा में पेश किया प्रस्ताव

- कहा-इस गैर जिम्मेदाराना शुल्क के होंगे प्रतिकूल परिणाम

**न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी**

अमेरिका के तीन प्रभावशाली सांसदों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क को खत्म के लिए कांग्रेस (अमेरिकी संसद) में एक प्रस्ताव पेश किया है। उन्होंने कहा है कि भारत के प्रति इस गैर-जिम्मेदाराना शुल्क रणनीति के प्रतिकूल परिणाम होंगे, जिससे यह महत्वपूर्ण साझेदारी कमजोर पड़ेगी।

उत्तर कैरोलाइना की प्रतिनिधि डेबोरा रॉस, टेक्सास के प्रतिनिधि मार्क वेसी और इलिनोइस के प्रतिनिधि राजा कृष्णमूर्ति ने शुक्रवार को प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया, जिसमें भारत से आयात की जाने वाली वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक शुल्क लगाने के ट्रंप के फैसले को रद्द करने का अनुरोध किया गया है, ताकि व्यापार पर कांग्रेस के संवैधानिक अधिकार को बहाल करने में मदद मिले। ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का शुल्क लगाया है, जो दुनिया में सबसे अधिक है। इसमें भारत की ओर से रूसी तेल की खरीद को लेकर उस पर लगाया 25 प्रतिशत का शुल्क भी शामिल है। प्रस्ताव में उस राष्ट्रीय आपातकाल आदेश को समाप्त करने का प्रावधान किया गया है, जिसे ट्रंप ने अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) के तहत भारतीय वस्तुओं पर व्यापक शुल्क लगाने के लिए लागू किया है।

रॉस ने कहा कि ट्रंप के फैसले के कारण भारत से आयात किए जाने वाले कई उत्पादों पर शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है। कृष्णमूर्ति ने कहा कि भारत के प्रति ट्रंप की गैर-जिम्मेदाराना शुल्क रणनीति के प्रतिकूल परिणाम होंगे, जिससे एक महत्वपूर्ण साझेदारी कमजोर पड़ेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हितों या सुरक्षा को बढ़ावा देने के बजाय ये शुल्क आपूर्ति श्रृंखला को बाधित करते हैं, अमेरिकी श्रमिकों को नुकसान पहुंचाते हैं और उपभोक्ताओं के लिए लागत बढ़ाते हैं। अमेरिका इन शुल्क को समाप्त करके भारत के साथ मिलकर हमारी साझा आर्थिक और सुरक्षा आवश्यकताओं को आगे बढ़ाने में सक्षम होगा।

### ब्राजील ने आयात शुल्क निलंबित करने को कहा

**साओ पाउलो।** ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लुला दा सिल्वा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ब्राजीलियाई उत्पादों पर लगाए गए अतिरिक्त 40 प्रतिशत आयात शुल्क को तब तक के लिए निलंबित करने का आग्रह किया है, जब तक दोनों देशों के बीच विवाद सुलझाने के लिए व्यापार वार्ता जारी है। उपराष्ट्रपति जेराल्डो अल्कमिन ने कहा हमें इंतजार करना होगा।

### एच1बी वीजा : अधिक शुल्क पर 19 राज्यों ने किया केस

**न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन।** अमेरिका के 19 राज्यों ने नए एच-1बी वीजा आवेदनों पर 1 लाख अमेरिकी डॉलर शुल्क लगाने के देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के फैसले को गैरकानूनी बताते हुए मुकदमा दायर किया है। राज्यों ने चेतावनी दी है कि इस कदम से स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में श्रमिकों की कमी और बढ़ जाएगी। न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिशिया जेम्स ने 18 अन्य अटॉर्नी जनरल के साथ मिलकर शुक्रवार को मैसाचुसेट्स जिले के अमेरिकी जिला न्यायालय में यह मुकदमा दायर किया। उन्होंने कानूनी अधिकार या उचित प्रक्रिया के बिना एच-1बी शुल्क में भारी बढ़ोतरी किए जाने को चुनौती दी है। एच-1बी वीजा कार्यक्रम के तहत उच्च कौशल वाले विदेशी पेशेवरों को अमेरिका में काम करने की अस्थायी रूप से अनुमति मिलती है और भारतीय नागरिक इसका व्यापक रूप से उपयोग करते हैं। मुकदमे में दलील दी गई है कि नए शुल्क से उन सरकारी और गैर-लाभकारी नियोक्ताओं के लिए व्यावहारिक रूप से मुश्किलें खड़ी हो जाएंगी जो स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में आवश्यक सेवाएं प्रदान करने के लिए एच-1बी वीजा धारकों पर निर्भर हैं। मुकदमे में कहा गया है एच-1बी वीजा से प्रतिभाशाली चिकित्सकों, नर्स, शिक्षकों और अन्य कामगारों को हमारे देश के जरूरतमंद समुदायों की सेवा करने का अवसर मिलता है।

हैदराबाद के पास दुंडीगल स्थित वायु सेना अकादमी में 216वें बैच की संयुक्त दीक्षांत परेड के बाद उत्साहित फ्लाइट कैडेट्स।

## जासूसी में वायुसेना का सेवानिवृत्त जवान गिरफ्तार

**तेजपुर।** असम के सोनितपुर जिले में पाकिस्तानी जासूसों से कथित संबंधों के आरोप में भारतीय वायु सेना के एक सेवानिवृत्त जवान को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरिचरण भूमिज ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी ने सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तानी जासूस के साथ संवेदनशील दस्तावेज और जानकारी साझा की थी। पुलिस ने उसका लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। भूमिज ने बताया कि उपकरणों को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है, हालांकि कुछ डेटा को डिलीट किया जा चुका है।

# भारतीय रक्षा बल बदलते परिवेश के लिए प्रतिबद्ध

**हैदराबाद, एजेंसी**

- वायुसैनिकों के संयुक्त दीक्षांत परेड में बोले सीडीएस चौहान

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने युद्ध और संघर्ष में एक बड़ी क्रांति के प्रारंभ होने का उल्लेख करते हुए शनिवार को कहा कि भारतीय रक्षा बल बदलते परिवेश के अनुकूल बनने और सुधारों को आत्मसात करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि वे हमेशा तैयार और प्रासंगिक बने रहें।

सीडीएस ने यहां डुंडिगल के पास वायुसेना अकादमी में आयोजित 216 कोर्स के कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड (सीजीपी) को संबोधित करते हुए यह बात कही। जनरल चौहान ने कहा कि भारत की ताकत मजबूत संस्थानों, लोकतांत्रिक स्थिरता और सशस्त्र सेनाओं की अडिग पेशेवर क्षमता पर आधारित है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भले ही धीमा हो गया हो, लेकिन यह जारी है।

उन्होंने कहा कि आप (नए अधिकारी) भी ऐसे समय में भारतीय वायु सेना में शामिल हो रहे हैं जब एक नई सामान्य स्थिति पूरी तरह से स्थापित हो चुकी है। यह एक ऐसा युग है जिसमें चौबीसों घंटे उच्च स्तर की अभियानगत तत्परता की आवश्यकता है। ऑपरेशन सिंदूर भले ही धीमा पड़ गया हो, लेकिन यह जारी है।

# ईयू ने रूस की अचल संपत्तियों के हस्तांतरण पर लगाई रोक

**ब्रुसेल्स, एजेंसी**

- संघ के आर्थिक नुकसान को रोकने के लिए लिया फैसला

यूरोपीय संघ (ईयू) परिषद ने शुक्रवार को यूक्रेन में चल रहे संघर्ष का हवाला देते हुए रूस के केंद्रीय बैंक से संबंधित अचल संपत्तियों के किसी भी हस्तांतरण को प्रतिबंधित करने का फैसला किया है। परिषद ने एक बयान में कहा, यह फैसला ईयू की अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान को सीमित करने के लिए तत्काल आधार पर लिया गया।

बयान में कहा गया है कि यह उपाय रूस के केंद्रीय बैंक की परिसंपत्तियों या भंडार के किसी भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हस्तांतरण के साथ-साथ 'रूस के केंद्रीय बैंक की ओर से या उसके निर्देश पर कार्य करने वाले किसी भी कानूनी व्यक्ति, संस्था या निकाय' से जुड़े लेनदेन पर प्रतिबंध लगाता है। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि यूरोपीय संघ के नेता अक्टूबर की यूरोपीय परिषद की बैठक में रूसी परिसंपत्तियों को स्थिर रखने के लिए प्रतिबद्ध थे।

## ड्रोन हमले में रूस में दो लोगों की मौत

**मॉस्को।** रूस के दक्षिण-पश्चिमी सारातोव क्षेत्र में ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि यूक्रेन में बिजली प्रतिष्ठानों को निशाना बनाए जाने से कई इलाके अंधेरे में डूब गए। अधिकारियों ने शनिवार को बतायाा कि ये हमले ऐसे समय में हुए, जब रूस और यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने के लिए अमेरिका के नेतृत्व में शांति वार्ता जारी है। सारातोव क्षेत्र के गवर्नर रोमन बुसार्गिन ने बताया कि ड्रोन हमले में एक इमारत क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि एक किंडरगार्टन और क्लीनिक की कई खिड़कियां टूट गईं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने यूक्रेन के 41 ड्रोन मार गिराए।

# युद्धविराम कराने का ट्रंप का दावा दरकिनार थाईलैंड-कंबोडिया सीमा पर लड़ाई जारी

**सुरिन (थाईलैंड), एजेंसी**

थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर शनिवार सुबह भी लड़ाई जारी रही। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए घोषणा की थी कि उन्होंने दोनों देशों से युद्धविराम के लिए सहमति प्राप्त कर ली है। थाईलैंड के अधिकारियों ने कहा है कि वे युद्धविराम के लिए सहमत नहीं हैं, और कंबोडिया ने ट्रंप के दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि थाईलैंड के लड़ाकू विमानों ने शनिवार सुबह हवाई हमले किए।

- थाईलैंड के लड़ाकू विमानों ने कंबोडिया पर किए हमले

थाईलैंड के विदेश मंत्री सिहासक फुआंगकेटकेओ ने शनिवार को कहा कि ट्रंप की कुछ टिप्पणियां स्थिति की सही समझ को नहीं दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि थाई सैनिकों को घायल करने वाली बारूदी सुरंग विस्फोट को ट्रंप द्वारा सड़क दुर्घटना के रूप में वर्णित करना गलत था और यह थाईलैंड के इस रुख को प्रतिबिंबित नहीं करता कि यह जानबूझकर की गई आक्रामकता थी। सिहासक ने कहा कि थाईलैंड पर विश्वास करने के बजाय, ट्रंप की जानबूझकर तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने वाले स्रोतों से मिली जानकारी को स्वीकार करने की इच्छा ने थाई लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है, क्योंकि हम खुद को इस क्षेत्र में अमेरिका का सबसे पुराना संधि सहयोगी मानते हैं - वास्तव में, हमें इस पर गर्व है। सात दिसंबर को हुई एक झड़प के बाद से बड़े पैमाने पर लड़ाई शुरू हुई।

## पाकिस्तान के दो विवि में संस्कृत का पाठ्यक्रम

**लाहौर।** पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के दो विश्वविद्यालयों ने विभाजन के बाद पहली बार साझा विरासत का हवाला देते हुए संस्कृत में लघु पाठ्यक्रम शुरू किए हैं और भविष्य में गीता व महाभारत पढ़ाने की योजना बना रहे हैं। पंजाब लाहौर विश्वविद्यालय और लाहौर प्रबंधन विज्ञान विश्वविद्यालय ने इस शास्त्रीय भाषा में तीन महीने का पाठ्यक्रम शुरू किया है। शिक्षक भविष्य में शोध के लिए पंजाब विश्वविद्यालय में मौजूद संस्कृत पांडुलिपियों के महत्वपूर्ण संग्रह पर निर्भर हैं।

## आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 14 दिसंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, दशमी 18 .49 तक तत्पश्चात एकादशी।

### आज का पंचांग

**दिशाशूल**- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
**चन्द्रबल**- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
**ताराबल**- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
**नक्षत्र**-हस्त 20 .18 तक तत्पश्चात चित्रा।

**मेष** — आज दिन की शुरुआत कुछ तनावपूर्ण हो सकती है। अधूरे पड़े कार्यों को निपटाने में अधिक समय व्यतीत होगा। आपको कुछ विश्वासपात्र लोग धोखा देने की कोशिश कर सकते हैं। ससुराल पक्ष से शुभ समाचार मिलेंगे।

**वृष** — आज का दिन कुछ तनावयुक्त हो सकता है। आपके चरित्र का नकारात्मक पहलू उभर के सामने आ सकता है। प्रेमी जन से बहस तो बिल्कुल भी न करें। समय शांतिपूर्वक बिताएं। प्रियजन मौके पर आपका साथ नहीं देंगे।

**मिथुन** — आज व्यर्थ के कार्यों में समय बर्बाद न करें। अहंकार और अड़ियल रवैये के कारण शुभचिंतक आपसे दूरी बना सकते हैं। आप अतिशीघ्रता में कोई बड़ा निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र की परिस्थितियां अनुकूल हैं। दोस्तों के साथ मनोरंजन का आनंद लेंगे।

**कर्क** — आज का दिन अत्यंत सकारात्मक रहेगा। आयात-निर्यात से जुड़े व्यवसायियों को बड़ी डील मिल सकती है। अपनी क्षमताओं का बेहतरीन उपयोग कर पाएंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई में बड़ी सफलता मिल सकती है।

**सिंह** — आज जीवनसाथी आपकी भावनाओं को पर्याप्त महत्व नहीं दे पा रहे हैं। महिलाएं घरेलू सामान की खरीदारी में धन खर्च होगा। कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों से बहस हो सकती है। रियल एस्टेट से जुड़े कारोबार में संभलकर निवेश करें।

**कन्या** — आज अपनी जीवनशैली को व्यवस्थित रखें। गूढ़ अनुसंधान में आप रुचि ले सकते हैं। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे। व्यवसाय में लाभ की संभावनाएं बनेंगी। साझेदारी में नया काम शुरू कर सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**तुला** — आज छोटी सी बात विवाद का रूप ले सकती है। मन में अपनी उपलब्धियों को लेकर असंतोष रहेगा। शाम के समय आप किसी देवालय में जा सकते हैं। आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना पड़ेगा। विद्युतीय उपकरणों में कुछ खराबी आ सकती है।

**वृश्चिक** — आज अपने कार्यक्षेत्र में कुछ परिवर्तन लाने का प्रयास करेंगे। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़ा तनाव हो सकता है। आप अत्यधिक व्यस्त रहने के बावजूद अपनों को समय देंगे। मित्रों के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। आंखों की सेहत का ध्यान रखें।

**धनु** — आज आपकी दिनचर्या व्यवस्थित रहने वाली है। दांपत्य संबंधों में मधुरता रहेगी। उच्च अकादमिक जगत से जुड़े लोगों को बड़ी उपलब्धि मिल सकती है। नकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों पर अधिक निर्भर न रहें। बच्चों के व्यवहार पर नजर बनाए रखें।

**मकर** — आज राजनीति से जुड़े लोगों को अपने वर्चस्व की चिंता रहेगी। आपकी भावनाओं का लोग गलत लाभ उठाने का प्रयास करेंगे। आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। अध्यात्मिक प्रवृत्ति के लोगों से संपर्क हो सकता है।

**कुंभ** — आज अनावश्यक कार्यों में समय बर्बाद न करें। युवाओं की संगत बिगड़ सकती है। कला और साहित्य से जुड़े लोगों को कुछ परेशानियां होंगी। त्वरित प्रतिक्रिया देने के कारण व्यापार में नुकसान हो सकता है। उधार धन के लेन-देन से बचें।

**मीन** — आज व्यवसाय में अपने सहयोगियों के साथ महत्वपूर्ण चर्चा कर सकते हैं। दैनिक कार्यों में कुछ रुकावटें आएंगी। धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। स्वास्थ्य कुछ नरम हो सकता है। करियर को लेकर अत्यंत सजग रहेंगे। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा।

## सुडोकू -1

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | | | | | 2 | 3 | | |
| 9 | | 7 | | | 1 | | | 8 |
| | 8 | | | | | 9 | 4 | |
| 5 | | 1 | | 7 | | | 3 | |
| | 4 | | 3 | | 6 | | 8 | |
| | 2 | | | 4 | | 7 | | 6 |
| | 9 | 6 | | | | | 7 | |
| 1 | | | 6 | | | 2 | | 5 |
| | | 2 | 8 | | | | | 3 |

### सुडोकू - 189 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 7 | 1 | 5 | 2 | 4 | 6 | 3 | 8 |
| 6 | 2 | 4 | 8 | 3 | 9 | 5 | 7 | 1 |
| 5 | 3 | 8 | 6 | 1 | 7 | 2 | 4 | 9 |
| 8 | 1 | 5 | 7 | 9 | 6 | 3 | 2 | 4 |
| 3 | 6 | 9 | 4 | 8 | 2 | 1 | 5 | 7 |
| 2 | 4 | 7 | 1 | 5 | 3 | 8 | 9 | 6 |
| 1 | 9 | 3 | 2 | 4 | 8 | 7 | 6 | 5 |
| 4 | 8 | 6 | 3 | 7 | 5 | 9 | 1 | 2 |
| 7 | 5 | 2 | 9 | 6 | 1 | 4 | 8 | 3 |

"जब मैंने यह सुना, मिश्रित मार्शल आर्टिस्ट को एशियन गेम्स 2026 में शामिल किया गया है, इसे लेकर मैं बहुत खुश और उत्साहित थी क्योंकि मुझे पता है कि एमएमए को अब भारत में पहचान मिलनी शुरू हो जाएगी।

-पूजा तोमर

# स्टेडियम

बरेली, रविवार, 14 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

थाईलैंड की एल तरारुडी ने बैंकॉक में साउथईस्ट एशियन गेम्स के महिला टेनिस टीम फाइनल में इंडोनेशिया की जेनिस त्जेन के खिलाफ जबर्दश्त खेल दिखाया। एजेंसी

### मार्शल आर्ट के एशियाड में शामिल होने पर खुशी जताई

**नई दिल्ली :** अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) में एक मुकाबला जीतने वाली प्रथम भारतीय मिश्रित मार्शल आर्टिस्ट (एमएमए) पूजा तोमर ने 2026 के ऐची–नागोया एशियन गेम्स में इस खेल को शामिल किए जाने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इससे इस खेल को सरकारी समर्थन और पहचान मिलेगी। पूजा तोमर ने कहा मैं गारंटी दे सकती हूं कि अगर हमें सही समर्थन मिलना शुरू हो गया तो एमएमए भारतीय स्पोर्ट्स सेक्टर का एक बड़ा हिस्सा होगा और हम अगले 10 सालों में दुनिया भर के शीर्ष पांच देशों में शामिल होंगे।" अगली यूएफसी फाइट और प्रतिद्वंद्वी की घोषणा को लेकर पूजा ने अपनी तैयारियों के बारे में बताया, "मेरी अगली फाइट और प्रतिद्वंद्वी की घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। मेरा अगला प्रतिद्वंद्वी शायद किसी पूर्वी एशियाई देश से होगी।

### गिरोना ने सोसिएदाद को 2-1 से हराया

**मैड्रिड :** यूक्रेन के स्ट्राइकर विक्टर त्सिगानकोव के आखिरी 15 मिनट में दो गोल की मदद से गिरोना ने स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग में रीयाल सोसिएदाद पर 2–1 से जीत हासिल की। यह 'ला लीगा' के मौजूदा सत्र में प्रतिद्वंद्वी टीम के मैदान पर गिरोना की पहली जीत है। गोंकालो गुएडेस ने हाफ टाइम से 10 मिनट पहले एक शानदार स्ट्राइक के साथ सोसिएदाद के लिए गोल किया, लेकिन त्सिगानकोव ने आठ मिनट के अंदर (76वें और 84वें मिनट) दो गोल के साथ गिरोना को रेलीगेशन जोन (20 टीमों की तालिका में आखिरी दो स्थान) से बाहर निकाल दिया। इस जीत से गिरोना की टीम तालिका में 17वें स्थान पर पहुंच गयी। सोसिएदाद 14वें पायदान पर है।

### मिडफील्डर ऑस्कर ने लिया संन्यास

**रियो डी जनेरियो :** साओ पाउलो के मिडफील्डर ऑस्कर ने हृदय संबंधी बीमारी का पता चलने के बाद पेशेवर फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। ब्राजील के ग्लोबो एस्पोर्टे की रिपोर्ट के अनुसार, 34 वर्षीय ऑस्कर ने अपने करीबी लोगों को अपने फैसले के बारे में बताया और पिछले महीने हुई एक घटना के बाद आगे की जटिलताओं का जोखिम न उठाने का फैसला किया, जिसके कारण उन्हें गहन चिकित्सा इकाई में रहना पड़ा था। ऑस्कर पिछले दिसंबर में चेल्सी और शंघाई पोर्ट के साथ सफल कार्यकाल के बाद तीन साल के अनुबंध पर अपने बचपन के क्लब साओ पाउलो में लौटे थे। जुलाई में चोटों के कारण वह इस साल केवल 21 मैच खेल पाए।

## शुभमन की बल्लेबाजी पर रहेंगी नजरें

### दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरा टी-20 आज: सीरीज में बढ़त लेने के इरादे से उतरेगा भारत

**धर्मशाला, एजेंसी**

भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज के तीसरे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय में रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो सब की निगाहें शुभमन गिल की बल्लेबाजी पर होगी जो इस प्रारूप में खुद को साबित कर चुके संजू सैमसन की जगह लेने के बाद अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने में नाकाम रहे है। गिल को सीरीज के बाकी बचे तीनों मैचों में एकादश में जगह मिलना लगभग तय है लेकिन उनके लिए चीजें आसान नहीं है। टी20 विश्व कप अब सिर्फ छह सप्ताह दूर है और यह सलामी बल्लेबाज इन मैचों में अगर लय हासिल करने में विफल रहा तो टीम दूसरी योजना पर काम करने का मन बना सकती है।

धर्मशाला में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने का पूर्वानुमान है और बर्फ से ढकी धौलाधार पर्वतमाला की पृष्ठभूमि में खेले जाने वाले मुकाबले से पहले भारतीय ड्रेसिंग रूम के भीतर माहौल गर्म होगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव की लंबे समय से चली आ रही खराब लय पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि उपकप्तान गिल अब तक भरोसा जगाने में नाकाम रहे हैं। संजू सैमसन जैसे स्थापित सलामी बल्लेबाज की कीमत पर टीम में शामिल किए गए गिल प्रभाव छोड़ने में संघर्ष करते नजर आए हैं। एनरिच नॉर्किया, मार्को यानसन, लुंगी एनगिडी, ओटनील बार्टमैन और लुथो सिपामला जैसे गेंदबाजों से सजी दक्षिण अफ्रीकी टीम की तेज गेंदबाजी आक्रमण पहले ही दिखा चुकी है कि भारतीय परिस्थितियों का कैसे फायदा उठाया जाए। धर्मशाला में परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल होगी।

**समय**
**शाम 7: 00 बजे से**

दुनिया भर की मौजूदा टी20 टीमों को देखे तो दक्षिण अफ्रीका इस बार उपमहाद्वीप में खिताब जीतने के लिए काफी मजबूत और संतुलित नजर आ रहा है। क्विंटन डिकॉक की वापसी और उनके साथ कप्तान एडन मारक्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, डोनोवन फरेरा, डेविड मिलर और हरफनमौला यानसन की मौजूदगी ने उनकी बल्लेबाजी को बेहद खतरनाक बना दिया है।

विश्व कप से पहले अब भारत के पास सिर्फ आठ मैच बचे हैं। ऐसे में मुख्य कोच गौतम गंभीर के सामने कठिन चुनौतियां हैं। खराब फॉर्म से जूझ रहे शीर्ष क्रम के दो बल्लेबाजों को एक साथ खिलाना शायद टीम के लिए जोखिम भरा साबित हो सकता है। कप्तान होने के नाते सूर्यकुमार यादव को एक साल से खराब फॉर्म के बावजूद विश्व कप तक कुछ हद तक सुरक्षा मिलने की संभावना है। लेकिन यह छूट गिल को मिलना मुश्किल है क्योंकि वह एशिया कप से पहले तक पारी का आगाज करने के लिए मूल विकल्प नहीं थे। छोटे प्रारूप की टीम में उनकी वापसी अब ऐसे फैसले की तरह दिख रही है, जिसमें बिना जरूरत एक संतुलित संयोजन से छेड़छाड़ की गई।

### ज्यादातर खिलाड़ी किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी को तैयार : तिलक वर्मा

**धर्मशाला :** भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा ने बल्लेबाजी क्रम में लचीलेपन पर जोर देने वाले टीम प्रबंधन से सहमति जताते हुए शनिवार को कहा कि अधिकांश खिलाड़ी मैच हालात को देखते हुए किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी के लिये तैयार हैं। अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के मद्देनजर भारत मध्यक्रम में प्रयोग कर रहा है। तिलक ने कहा कि इस प्रारूप में हालात के अनुकूल ढलना सबसे अहम है। उन्होंने मैच की पूर्व संध्या पर प्रेस कांफ्रेंस में कहा सलामी बल्लेबाजों को छोड़कर सभी किसी भी क्रम पर खेल सकते हैं। मैं तीसरे से छठे नंबर तक कहीं भी खेल सकता हूं, जहां टीम को मेरी जरूरत हो। उन्होंने कहा हर टीम को लगता है कि कोई फैसला रणनीति की दृष्टि से जरूरी है तो सभी उसके साथ होते हैं। तिलक ने कहा कि ऐसे फैसले हालात को देखकर लिये जाते हैं। उन्होंने कहा एक मैच खराब हो सकता है। अक्षर पटेल ने यहां अच्छा प्रदर्शन किया। यह हालात पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि ठंडे मौसम के बावजूद धर्मशाला की पिच बल्लेबाजों की मददगार हो सकती है। उन्होंने कहा मैं यहां पहले भारत के लिये अंडर 19 श्रृंखला खेल चुका हूं। हम विकेट को देख रहे हैं और लगता है कि काफी रन बनेंगे। शाम सात बजे शुरू होने वाले मैच में ओस की भूमिका के लिये टीम मानसिक तौर पर तैयार है। तिलक ने कहा टॉस हमारे हाथ में नहीं है। हम ओस की चुनौती का सामना करने के लिये तैयार हैं और हल्की गीली गेंद से अभ्यास किया है। यहां मौसम काफी ठंडा है लेकिन हम शारीरिक और मानसिक तौर पर तैयार हैं। मानसिक रूप से मजबूत लोग हर जगह जीतते हैं।

#### टीम

**भारत :** सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, संजू सैमसन।

**दक्षिण अफ्रीका :** एडेन मारक्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, केशव महाराज, लूथो सिपामला, एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, रीजा हेंड्रिक्स, कॉर्बिन बॉश, ओटनील बार्टमैन।

अभ्यास सत्र के दौरान कप्तान सूर्यकुमार यादव। एजेंसी

## बल्लेबाजों की रणनीति कमजोर दिखी: उथप्पा

**नई दिल्ली, एजेंसी**

- बोले-बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय मजबूत बल्लेबाजी क्रम का सही से इस्तेमाल नहीं हो रहा

पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय भारत की बल्लेबाजी रणनीति में भूमिका को लेकर स्पष्टता की कमी की ओर इशारा करते हुए कहा कि पारी की शुरुआत में अत्यधिक लचीलेपन के कारण रन बनाना मुश्किल हो जाता है। भारतीय टीम बृहस्पतिवार को मुल्लनपुर में खेले गए दूसरे टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 214 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.1 ओवर में 162 रन पर आउट हो गयी। इस 51 रन की हार के साथ पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई।

उथप्पा ने कहा कि समस्या शुरुआती विकेट गिरने की नहीं थी, बल्कि शुभमन गिल के आउट होने के बाद अपनाई गई रणनीति की थी। भारत के पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम है लेकिन टीम ने उसका इस्तेमाल अच्छे से नहीं किया। उन्हों 'जियो हॉटस्टार' पर कहा शुभमन गिल आउट हुए तो अक्षर पटेल बल्लेबाजी करने आए। उस समय उन्हें एक ऐसे बल्लेबाज की भूमिका निभानी थी जो जोखिम उठाकर बल्लेबाजी करें और तेजी से रन बनाकर अभिषेक शर्मा पर से दबाव कम कर सके। उथप्पा का मानना था कि अक्षर की धीमी गति से खेली गई 21 रनों की पारी दबाव कम करने में विफल रही, जिससे उनके आसपास विकेट गिरने लगे और रणनीति में बदलाव करना पड़ा। इससे लक्ष्य का पीछा करना और धीमा हो गया।

## पेस और भूपति कोर्ट पर एक साथ दिखे

**अहमदाबाद, एजेंसी**

क्लियर प्रीमियम वॉटर द्वारा प्रायोजित टेनिस प्रीमियर लीग के चौथे दिन भारतीय टेनिस दिग्गज लिएंडर पेस जीएस दिल्ली एसेस के ब्रांड एंबेसडर के रूप में और एसजी पाइपर्स बेंगलुरु के मुख्य कार्यकारी महेश भूपति अपनी टीम के समर्थन में लीग के चारकोल ग्रे कोर्ट पर एक साथ दिखे।

इस जोड़ी ने एक साथ तीन ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं और एक जोड़ी के तौर पर वर्ल्ड नंबर 1 बने हैं और वे लंबे समय से लीग को सपोर्ट कर रहे हैं। इस दौरान अपनी खुशी इजहार करते हुए पेस ने कहा अहमदाबाद में होना बहुत अच्छा लग रहा है। सबसे पहले तो मौसम शानदार है और यहां टेनिस प्रीमियर लीग की भव्यता देखना पूरे देश में टेनिस का विस्तार करने और उसे लोकप्रिय बनाने के सपने का हिस्सा है। उन्होंने कहा मैं सानिया, रोहन, महेश और उन सभी सितारों का बहुत आभारी हूं जो लीग को सपोर्ट करते हैं। जब आप खिलाड़ियों को देखते हैं, तो हमने जूनियर्स, प्रोफेशनल्स, लड़के और लड़कियों को एक साथ लाने में कामयाबी हासिल की है और इसमें एक अंतरराष्ट्रीय फ्लेवर भी जोड़ा है। टेनिस जगत के पूरे समुदाय का यहा एक साथ आना खास है। दिन के तीसरे मैच में एसजी पाइपर्स बेंगलुरु ने जीएस दिल्ली एसेस को 49-51 से हराया। जीएस दिल्ली एसेस 211 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। सीजन और अपनी टीम के प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा सीजन बहुत अच्छा चल रहा है। मैं अपनी टीम के प्रति थोड़ा पक्षपाती हूं। दिल्ली एसेस अभी शीर्ष पर है लेकिन अभी बहुत सारा टेनिस बाकी है।

## भारत ने एशियाई युवा पैरा गेम्स में जीते 18 पदक

**दुबई :** भारतीय पैरा एथलीटक दल ने एशियाई युवा पैरा गेम्स दुबई 2025 अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में 18 पदक जीतकर शनिवार को अपने अभियान का समापन किया। दुबई में 10 से 13 दिसंबर तक चले इस टूर्नामेंट के पांचवें संस्करण में भारत ने आठ स्वर्ण, चार रजत और छह कांस्य पदक जीते।

2025 एशियाई युवा पैरा गेम्स में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, तैराकी, ताइक्वांडो, बोकिया, गोलबॉल, टेबल टेनिस, पावरलिफ्टिंग, व्हीलचेयर बास्केटबॉल और आर्मरेसलिंग सहित 11 खेल शामिल थे। इनमें से आठ खेलों में भारतीय एथलीटों ने भाग लिया। जतिन आजाद और शिवम यादव एमडी- एसयू 5, जतिन आजाद एमएस एसयू- 5, शिवम यादव और तुलिका जाधव एक्सडी - एसयू5 और एसएल 3, हर्षित चौधरी और कार्तिक सुहाग एमस - एसएल 4 - एसएल 3, शांतिया विश्वनाथन डब्लयूएस -एसयू-5 में स्वर्ण पदक जीते।

### जबरदस्त मुकाबला

इंग्लिश प्रीमियर लीग में शनिवार को लिवरपूल और ब्राइटन एंड होव एल्बियन के बीच जबरदस्त टक्कर हुई। मैच के दौरान लिवरपूल के मोहम्मद सालाह के साथ बॉल के लिए चैलेंज करते ब्राइटन के फर्डी कादिओग्लू (बाएं)। लिवरपूल ने मुकाबला 2–0 से जीत लिया। • एजेंसी

## बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को तीन विकेट से हराया

**दुबई :** सलामी बल्लेबाज जवाद अबरार (96) और रिफत बेग (62) की शतकीय साझेदारी की बदौलत बांग्लादेश ने शनिवार को अंडर-19 एशिया कप ग्रुप बी मुकाबले में अफगानिस्तान को तीन विकेट से हरा दिया।

284 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश के लिए सलामी बल्लेबाज जवाद अबरार और रिफत बेग ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पहले विकेट के लिए 151 रन जोड़े। पहले विकेट के रूप में रिफत बेग 68 गेंदों में 62 रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद शतक की ओर बढ़ रहे जवाद अबरार को 112 गेंदों में नौ चौके और छह छक्के उड़ाते हुए 96 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

दोनों सलामी बल्लेबाजों को रूहल्लाह अरब ने आउट किया। कप्तान अजीजुल हकीम (44) रन बनाकर आउट हुए। 49वें ओवर की पांचवीं गेंद पर शहरयार अहमद ने विजयी रन बनाया।

यादगार पल

कोलकाता में लियोनेल मेसी की प्रतिमा के पास फोटो खिंचवाते प्रशंसक। एजेंसी

कोलकाता के प्रवेश द्वार पर स्थापित प्रतिमा में वे पकड़े हुए हैं 2022 फीफा विश्व कप, हैदराबाद में बेहद प्रसन्न नजर आए

## मेसी ने अपनी 70 फीट ऊंची प्रतिमा का किया अनावरण

**कोलकाता, एजेंसी**

2022 फीफा विश्व कप विजेता अर्जेंटीना की टीम का हिस्सा रहे लियोनेल मेसी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के प्रवेश द्वार पर दुनिया की सबसे ऊंची 70 फीट की लोहे की अपनी फुटबॉलर प्रतिमा का अनावरण किया। अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक निजी जेट से सुबह-सुबह पहुंचने के कुछ घंटों बाद उन्होंने हयात होटल से रिमोट कंट्रोल के जरिए वीआईपी रोड पर स्थित अपनी प्रतिमा का वर्चुअली अनावरण किया।

इस दौरान कई इंटर मियामी खिलाड़ी और हिंदी फिल्म सुपरस्टार शाहरुख खान मौजूद थे। यह प्रतिमा, 2022 फीफा विश्व कप पकड़े हुए मेसी की एक तस्वीर की प्रतिकृति है, जिसे कारीगर मिंटू पाल ने 40 दिनों में पूरा किया था और इसे लेक टाउन के चौराहे पर बिग बेन क्लॉक टॉवर के पास स्थापित किया गया था। पश्चिम बंगाल के अग्निशमन विभाग के मंत्री सुजीत बोस ने दावा किया कि यह खड़ी प्रतिमा दुनिया में किसी भी फुटबॉलर की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

हैदराबाद में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, मेसी व उनके इंटर मियामी टीम के साथी रोड्रिगो डी पॉल और लुइस सुआरेज। एजेंसी

### रेवंत रेड्डी की टीम के साथ खेला प्रदर्शनी मैच

**हैदराबाद :** लियोनेल मेसी ने शनिवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की टीम के साथ प्रदर्शनी मैच खेला। आज यहां राजीव गांधी स्टेडियम में रेवंत रेड्डी–9 और मेसी ऑलस्टार्स के बीच प्रदर्शनी मैच खेला गया। इस दौरान वह करीब एक घंटे तक वहां रहे। मेसी ने शो के आखिरी में हैदराबाद के वहां मौजूद दर्शकों का धन्यवाद भी दिया। उन्होंने दर्शको की ओर कुछ बॉल भी किक मारी। उन्होंने खिलाड़ियों को ट्रॉफी भी दी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मेसी से मुलाकात की।

### हैदराबाद के दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

**हैदराबाद :** अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी लगभग खचाखच भरे राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में अपने कौशल का प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। तीन दिन और चार शहरों के जीओएटी दौरे के दौरान मेसी शाम करीब 5 :40 बजे हैदराबाद पहुंचे और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने ताज फलकनुमा पैलेस में उनका स्वागत किया। हरे रंग की 'क्रू–नेक हाफ स्लीव टी–शर्ट', काली पैंट और स्पोर्ट्स शूज पहने मेस्सी जब स्टेडियम में दाखिल हुए तो दर्शकों के जयकारों से माहौल गूंज उठा। मेस्सी रविवार को जीओएटी टूर के तीसरे चरण के लिए मुंबई पहुंचेंगे। वह सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करेंगे।

## फीफा विश्व कप टिकट के लिए 50 लाख आवेदन

**ज्यूरिख, एजेंसी**

अगले साल होने वाले फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए टिकट बिक्री के तीसरे चरण शुरू होने के 24 घंटे अंदर दुनिया भर से 50 लाख टिकटों के लिए आवेदन प्राप्त हुए है। फीफा ने शनिवार को बताया कि 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों के फुटबॉल प्रशंसकों ने फीफाडॉटकॉम/टिकटस के माध्यम से 50 लाख टिकटों की मांग के आवेदन प्राप्त हुए है।

कनाडा, अमेरिका और मैक्सिको में 11 जून से 19 जुलाई तक होने वाले इस 48-टीमों के इस टूर्नामेंट को देखने के प्रति प्रशंसकों के उत्साह को दिखाता है। शुरुआती आंकड़े ग्रुप-स्टेज के शानदार मुकाबलों के लिए जबरदस्त दिलचस्पी दिखाते हैं, जिसमें कोलंबिया बनाम पुर्तगाल (मियामी, 27 जून) अब तक रैंडम सिलेक्शन ड्रॉ अवधि के दौरान सबसे अधिक डिमांड वाला मैच बनकर उभरा है।

ब्राजील बनाम मोरक्को (न्यूयॉर्क न्यू जर्सी, 13 जून), मैक्सिको बनाम कोरिया गणराज्य (ग्वाडलजारा, 18 जून), इक्वाडोर बनाम जर्मनी (न्यूयॉर्क न्यू जर्सी, 25 जून), और स्कॉटलैंड बनाम ब्राजील (मियामी, 24 जून) टॉप पांच मैचों में शामिल हैं। टिकट आवेदन के लिए 24 घंटे बाद तीनों मेजबान देश सबसे आगे रहे। इसके आलवा अगले शीर्ष दस देशों में कोलंबिया, इंग्लैंड, इक्वाडोर, ब्राजील, अर्जेंटीना, स्कॉटलैंड, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और पनामा हैं।